हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

बजट भूमि

बजट 2024

मोदी की गारंटी वाला बजट

बजट में प्रमुख क्षेत्रों को क्या मिला

ग्रामीण विकास
1.77 लाख करोड़ का बजट — अगले पांच साल में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण में और दो करोड़ मकान बनाए जाएंगे।

महिला
26 हजार करोड़ का बजट — महिलाओं के लिए सुरक्षा और सशक्तिकरण मिशन के लिए विभिन्न सरकारी पहल।

रक्षा
6.21 लाख करोड़ रुपए — रक्षा प्रयोजनों के लिए गहन प्रौद्योगिकियों को मजबूत बनाने और आत्मनिर्भरता में तेजी लाने योजना शुरू।

रेल
2.55 लाख करोड़ रुपए — तीन नए बड़े रेल कॉरिडोर, इनमें पोर्ट कनेक्टिविटी, एनर्जी, मिनरल और सीमेंट कॉरिडोर शामिल।

इनकम टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं, छोटे शहरों को जोड़ने 517 नए रूट पर 'यूडीएएन' स्कीम

सीता का राम राम...

अध्यात्मिक टूरिज्म को मिलेगी गति

3 करोड़ महिलाएं बनेंगी लखपति
टैक्स छेड़ा नहीं, भरोसा तोड़ा नहीं

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अंतरिम बजट गुरुवार को पेश कर दिया। सीतारमण ने कोई लोक लुभावन घोषणा नहीं की है। स्टार्टअप के लिए टैक्स छूट एक साल के लिए बढ़ा दी है। अगले पांच सालों में 2 करोड़ नए घर बनाने का प्रस्ताव दिया है। इनमें 70 फीसदी घरों का मालिकाना हक महिलाओं को दिया जाएगा। आयकर दाताओं को कोई राहत नहीं दी गई है। इससे मिडिल क्लास खासकर नौकरी-पेशा लोग मायूस हुए हैं।

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

वित्त मंत्री ने कहा है कि 40,000 रेल कोच वंदे भारत कोच में तब्दील होंगे। उन्होंने मेट्रो रेल का विस्तार कुछ और शहरों तक करने का भी ऐलान किया है। लखपति दीदी योजना को विस्तारित किया जाएगा और राज्यों को ब्याज मुक्त कर्ज दिए जाएंगे। वित्त मंत्री ने कहा है कि करीब 1 करोड़ महिलाएं लखपति दीदी बनीं हैं और अब 3 करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य है। 3 नए रेल कॉरिडोर बनाने का ऐलान किया है। भारत-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर के जरिए एक परिवर्तनकारी पहल की गई है। इंफ्रास्ट्रक्चर पर 11 फीसदी ज्यादा खर्च किया जाएगा। डिफेंस सेक्टर के लिए 6.2 लाख करोड़ का बजट रखा गया है।

स्कूल शिक्षा के लिए 73 हजार करोड़ का प्रावधान

प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के लिए 7500 करोड़

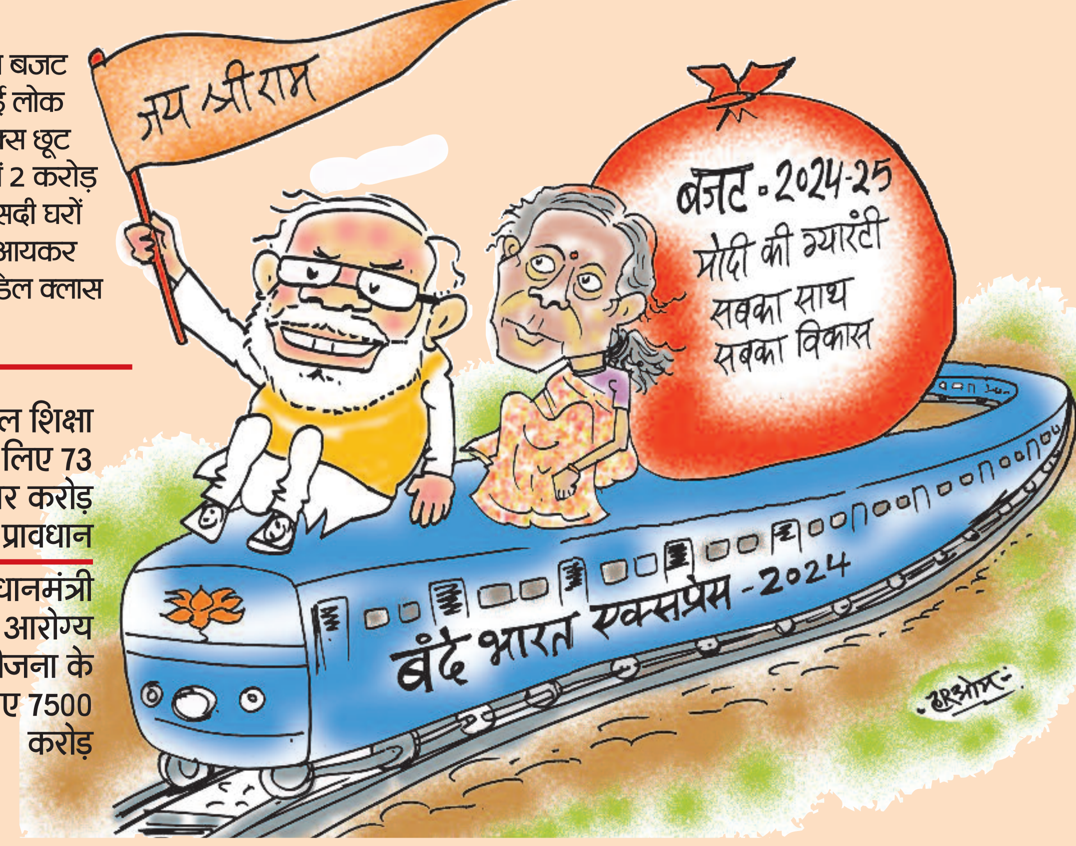

GYAN

थीम पर बजट

गरीब — G

गरीबों के घर का सपना होगा पूरा

कोविड की चुनौती के बावजूद मोदी सरकार ने गरीबों को घर मुहैया कराया। केंद्र सरकार का दावा है कि 3 करोड़ घर के लक्ष्य को बनाने के करीब हैं। 2 करोड़ और घर अगले 5 साल में बनेंगे। छत के ऊपर सोलर एनर्जी के लिए 1 करोड़ घरों पर सोलर पैनल लगेंगे। सौर प्रणाली वाले एक करोड़ लोगों को 300 यूनिट मुफ्त बिजली मिलेगी।

युवा — Y

स्टार्टअप्स के लिए एक और मौका

बजट में दो महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। रिसर्च और इनोवेशन पर 1 लाख करोड़ का फंड बनाने की घोषणा की गई है, बजट में स्टार्टअप को मिलने वाले टैक्स छूट के विस्तार का भी ऐलान किया गया है। इसमें राजकोषीय घाटे को नियंत्रण में रखते हुए पूंजीगत व्यय को 11 लाख 11 हजार 111 करोड़ रुपए की ऐतिहासिक ऊंचाई दी गई है।

अन्नदाता — A

नैनो डीएपी का अब विस्तार पूरे देश में

नैनो डीएपी का विस्तार पूरे देश में किया जाएगा। तिलहन के क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्यनीति तैयार की जाएगी। डेरी किसानों की सहायता के लिए व्यापक कार्यक्रम बनेगा। केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि पीएम किसान संपदा से 38 लाख किसानों को फायदा हुआ है।

नारी — N

3 करोड़ लखपति दीदी का लक्ष्य

2 करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा था। अब इस लक्ष्य को बढ़ाकर 3 करोड़ कर दिया गया है। आयुष्मान भारत के तहत स्वास्थ्य देखभाल के दायरे में सभी आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को लाया जाएगा। इसके अलावा महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाने मुफ्त में टीकाकरण अभियान चलाने की योजना है।

बजट में खास

राज्यों को 75,000 करोड़ का ब्याज-मुक्त कर्ज

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 'विकसित भारत' के संकल्प को साकार करने के लिए राज्यों के स्तर पर किए जाने वाले सुधारों के लिए राज्यों को 50 साल के लिए 75,000 करोड़ रुपए का ब्याज-मुक्त कर्ज देने का प्रस्ताव किया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में वर्ष 2024-25 का अंतरिम बजट पेश करते समय यह घोषणा की। सरकार ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य रखा है। सीतारमण ने अपने बजट भाषण में कहा कि 'विकसित भारत' के संकल्प को पूरा करने के लिए राज्यों में वृद्धि एवं विकास-प्रोत्साहक सुधारों को लागू करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, राज्य सरकारों के स्तर पर किए जाने वाले सुधारों का समर्थन करने के लिए 50 वर्ष के ब्याज-मुक्त ऋण के रूप में 75,000 करोड़ रुपये का प्रावधान करने का इस साल प्रस्ताव है।

बजट दस्तावेजों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2024-25 में केंद्र-प्रायोजित योजनाओं के तहत राज्यों के हिस्से के हस्तांतरण, अनुदान एवं ऋण के तौर पर राज्यों को कुल 22,22,264 करोड़ रुपए हस्तांतरित किए जाने वाले हैं। यह वित्त वर्ष 2022-23 के वास्तविक आंकड़ों से 4,13,848 करोड़ रुपये अधिक है। जुलाई में पेश किए जाने वाले पूर्ण बजट में 'विकसित भारत' का लक्ष्य दिखेगा।1

56 मिनट में रखी अपनी बात, सदन में जय श्रीराम

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को संसद में अपना लगातार छठा बजट पेश किया और 56 मिनट में अपना बजट भाषण समाप्त किया जो उनका अब तक का सबसे छोटा बजट भाषण है। फिरोजी रंग की कढ़ाई वाली कांथा सिल्क की साड़ी पहनकर संसद पहुंचीं सीतारमण के भाषण के दौरान लोकसभा में सत्ता पक्ष के सदस्य उनकी घोषणाओं और टिप्पणियों पर बीच-बीच में मेजें थपथपाते देखे गए। जब उन्होंने कहा कि हमारी सरकार जुलाई में पूर्ण बजट पेश करेगी तो सत्ता पक्ष के सदस्यों ने सबसे ज्यादा देर तक मेजें थपथपाईं। विपक्षी सदस्यों ने भी वित्त मंत्री का बजट भाषण पूरे ध्यान से सुना। हालांकि लोकसभा चुनाव के बाद उनकी सरकार के सत्ता में लौटने संबंधी कथन पर विपक्ष की ओर से कुछ विरोध के स्वर सुनाई दिए। इससे पहले आज पूर्वाह्न 11 बजे बजट भाषण शुरू होने से पहले जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लोकसभा कक्ष में पहुंचे तो भाजपा के सदस्यों ने 'भारत माता की जय', 'जय श्रीराम' और 'जय सियाराम' के नारे लगाए।

प्रमुख घोषणाएं

सर्वाइकल कैंसर को रोकने टीका मुफ्त

मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य देखभाल के संबंध में भी अंतरिम बजट में अहम घोषनाएं की गई हैं, जिसके तहत 9-14 साल की बच्चियों में सर्वाइकल कैंसर के रोकथाम के लिए मुफ्त में वैक्सीन लगाने की भी योजना है।

फायदा: बाजार में मिलने वाली टीके की कीमत फिलहाल 2,500-3,300 रुपए प्रति डोज है। यह मुफ्त में मिलेगी।

वंदेभारत स्टैंडर्ड के 40 हजार कोच

रेलवे के 40 हजार डिब्बे वंदे भारत के स्तर के बनेंगे। इसके अलावा इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी एक बड़ी घोषणा की गई। फ्रेट कॉरिडोर यानी माल ढोने के लिए बनाए जा रहे रेलवे कॉरिडोर के अलावा तीन और रेलवे कॉरिडोर बनाए जाएंगे।

फायदा: रेल यात्रियों को बेहतर सुविधा मिलेगी। पोर्ट कनेक्टिविटी कॉरिडोर देश के प्रमुख बंदरगाहों को जोड़ेगा।

टैक्स में नोटिस की वापसी

इनकम टैक्स और इनडायरेक्ट टैक्स के मोर्चे पर कोई राहत नहीं मिली है। 1962 से 2010 तक के 25 हजार रुपये तक की और वर्ष 2011 से 2015 तक के 10 हजार रुपए की बकाया टैक्स डिमांड को माफ किया जाएगा। अगर किसी के पास 25 हजार रुपए तक का डायरेक्ट टैक्स बकाया है तो उसे नहीं देना होगा।

फायदा: टैक्स डिमांड माफ होने से 25 हजार रुपए का लाभ बकायादारों को होगा। नोटिस वापस लेने से राहत मिलेगी।

देश का इंफ्रास्ट्रक्चर होगा वर्ल्ड क्लास

देश का इंफ्रास्ट्रक्चर वर्ल्ड क्लास होगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इंफ्रास्ट्रक्चर बजट में 11.1 फीसदी की बढ़ोतरी का ऐलान करते हुए इसे बढ़ाकर 11,11,111 करोड़ रुपए कर दिया है, जो कि जीडीपी का 3.4 फीसदी है।

फायदा: देश का तेजी से विकास होगा। सड़क मार्ग बनेंगे। एयरपोर्ट का विकास होगा। रेलवे कॉरीडोर बनने से ट्रांसपोर्टेशन में सुविधा बढ़ेगी।

सरकार का आय-व्यय का ब्योरा

कहां से आता है	
कंपनी कर	17 पैसा
आय कर-	19 पैसा
सीमा शुल्क-	4 पैसा
केंद्रीय उत्पाद शुल्क-	5 पैसा
जीएसटी एवं अन्य कर-	18 पैसा
गैर-कर प्राप्तियां-	7 पैसा
गैर-कर्ज पूंजी प्राप्तियां-	1 पैसा
उधार और अन्य देयताएं-	28 पैसा
केंद्रीय प्रायोजित योजनाएं-	8 पैसे

रुपया कहां जाता है	
केंद्रीय क्षेत्र की योजना	16 पैसे
ब्याज भुगतान	20 पैसे
रक्षा	8 पैसे
सब्सिडी	6 पैसे
वित्त आयोग और अन्य अंतरण	8 पैसे
करों और शुल्कों में राज्यों का हिस्सा-	20 पैसे
पेंशन-	4 पैसे
अन्य व्यय	9 पैस

बजट ... भीतर भी देखें

जुबानी तीर

पीएम मोदी बोले

विकसित राष्ट्र बनाने की गारंटी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अंतरिम आम बजट समावेशी और नवोन्मेषी होने के साथ ही देश के भविष्य के निर्माण का बजट है। वीडियो संदेश में पीएम मोदी कहा कि यह बजट 2047 के विकसित भारत की नींव को मजबूत करने की गारंटी है। उन्होंने कहा, आज का ये बजट समावेशी और नवोन्मेषी बजट है।

समावेशी विकास का बजट

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक पूर्ण विकसित भारत का आह्वान किया है। इस आह्वान को साकार करने की दिशा में यह बजट मील का पत्थर साबित होगा। यह बजट देश के समावेशी विकास का बजट है। उन्होंने कहा कि अंतरिम बजट गरीबों, महिलाओं, युवाओं और किसानों के सशक्तिकरण पर केंद्रित है।

जनता को दिया धोखा

केंद्रीय बजट पर छत्तीसगढ़ विधानसभा नेता प्रतिपक्ष डॉ चरण दास महंत ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा की वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत बजट, कर्ज मे डुबोने वाला दिशाहीन, खोखला बजट है। नेता प्रतिपक्ष डॉ चरण दास महंत ने कहा कि, देश पर बढ़ता कर्ज मोदी सरकार की गलत नीतियों की देन है।

कांग्रेस ने कहा

यह सरकार का 'विदाई बजट'

विपक्षी दलों ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश अंतरिम बजट को निराशाजनक और सरकार का 'विदाई बजट' करार दिया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने कहा, बजट भाषण बहुत छोटा और निराशाजनक था। बहुत अधिक बयानबाजी थी। कई मुद्दों को छुआ नहीं गया। बेरोजगारी जैसे मुद्दे का उल्लेख ही नहीं किया गया।

पारखियों की नजर में बजट

प्रो. मनीषा दुबे
एचओडी, डिपार्टमेंट ऑफ़ इकोनॉमिक्स
गुरु घासीदास सेंट्रल यूनिवर्सिटी बिलासपुर
समावेशी विकास का केंद्रीय..

प्रो. मोहम्मद शमीम
वाणिज्य विभाग
अलीगढ़ मुस्लिम विवि
ग्रामीण क्षेत्रों का विकास

प्रो. जीसी त्रिपाठी
प्राध्यापक
अर्थशास्त्र
इलाहाबाद विवि,
राष्ट्रीय शिक्षा नीति ...

प्रो. आरएस मीणा
वाणिज्य संकाय,
बनारस हिंदू विवि,
वाराणसी
तकनीक-प्रेमी युवाओं ...

महेश दुबे
हास्य कवि
मुंबई
वित्त मंत्री तो घोषणाएं..

सुदीप भोला
हास्य
कवि, मुंबई
ऐसी दरकार तुम्हई ...

सेंस ऑफ ह्यूमर...तोहफा तोहफा...लाया...लाया

लोगों ने कुछ यूं बयां किया हाल-ए-दिल

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट पेश कर दिया है। आम चुनाव से कुछ ही महीने पहले पेश हुआ ये अंतरिम बजट था। मोदी सरकार का दावा है कि अगले तीन साल में वह देश को दुनिया को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना देगी। इस बीच सोशल मीडिया पर लोग मीम्स के जरिए अपना हाल-ए-दिल बयां कर रहे हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जैसे ही 1 फरवरी को संसद में अंतरिम बजट 2024 पेश किया, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म खासकर 'एक्स' पर मीम्स की बौछार शुरू हो गई। बजट भाषण के बीच इंटरनेट पर कई वर्ग मजेदार मीम्स बनाने में बिजी थे, क्योंकि हर कोई सांसें थामकर सरकार की घोषणाओं का इंतजार कर रहा था। इस दौरान लोगों में अगर किसी चीज को लेकर बेसब्री थी, तो वो थी इनकम टैक्स स्लैब। लेकिन, उसमें किसी तरह का बदलाव नहीं हो सका। बजट पर सोशल मीडिया के तमाम प्लेटफॉर्म से मीम्स शेयर हो रहे हैं। दिनभर ये मीम्स शेयर होते रहे। जिन्हें 'हरिभूमि' इस अंक में प्रकाशित कर रहा है। इसका उद्देश्य सिर्फ एक व्यंग्यात्मक और मजेदार दृष्टि पाठकों तक पहुंचाना है।

» बजट पर मीठी-मीठी पारिवारिक चर्चा - हमको क्या मिला?

» बजट अच्छा है...नहीं-नहीं बजट में ये भी होना था.. बहस में बजट

» फिल्म 'बाहुबली' से...अपने लिए बजट में क्या, इसकी ऐसी उत्सुकता

» ठीक है भाई...जैसा चल रहा है चलने दें...क्यों उलझ रहे हैं?

» लगता है कि अब मुझे अर्थशास्त्री बनना ही पड़ेगा तभी समझूंगा.....

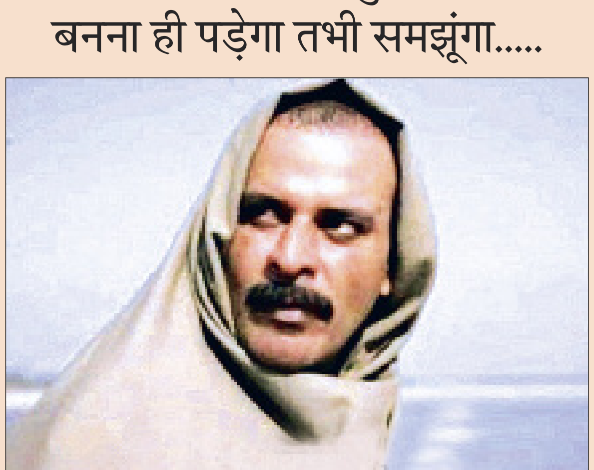

ये है सरकार की नई यात्रा...

सोशल मीडिया पर... उधर 'भारत जोड़ो' इधर 'मध्यम वर्ग जोड़ो' चल पड़ा जोरदार अभियान

गुरुवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इधर बजट पेश किया और उधर सोशल मीडिया पर कई रोचक और हास्यव्यंग्य समेटे मीम्स ट्रेंड करने लगे। जिसमें से एक मीम्स भारत जोड़ो न्याय यात्रा को लेकर भी खूब शेयर किया गया। जिसमें सांकेतिक तौर बताया गया है कि वित्त मंत्री ने मध्यमवर्ग का ख्याल रखते हुए कई तरह की घोषणाएं की हैं। चूंकि, देश में बहुत बड़ा वर्ग मध्यम वर्ग से है। इसलिए, मीम्स के माध्यम से बताने की कोशिश की गई है कि ये मिडिल क्लास जोड़ो यात्रा लोगों को ज्यादा जोड़ रही है।

कैसे ढूंढूं बजट में अपना फायदा?

आम बजट 2024-25 में लगभग हर वर्ग का ध्यान रखा गया है। खासतौर से गरीबों और महिलाओं पर ज्यादा ध्यान दिया गया है। ढेरों घोषणाएं होने के बाद सोशल मीडिया पर ये मीम्स शेयर हो रहा है। हर वर्ग अपना अपना फायदा बजट में ढूंढ रहा है। शायद कुछ इसी तरह के संकेत वाला यह मीम्स शेयर हुआ है।

» बजट पर एक मीम्स ऐसा भी जिसे देखने पर हंसी आना स्वाभाविक है...

» किसको क्या मिला 'ब्रो'... शायद यह मीम्स कुछ इसी तरह का संकेत है

» बजट से मिलने वाली राहत का उत्साह,कहा-तेरी लीला अपरंपार

हास्य कवियों के श्रीमुख से...

वित्त मंत्री तो घोषणाएं करके चल देती हैं...

महेश दुबे
हास्य कवि, मुंबई

जैसे ही नया बजट आया जोरदार
हम सूखे पत्ते की तरह कांपने लगे सरकार
यह बजट हमें हर बार सताता है
इस बजट से हमारा छत्तीस का नाता है
बजट का गणित हमें लगता है नॉनसेंस
इससे बिगड़ जाता है हमारे बैंक का बैलेंस
वाहन सस्ते हुए तो बच्चों की फौज बाइक लेने को अड़ जाती है
और सोना सस्ता हुआ तो पत्नी राशन पानी लेकर सिर पर चढ़ जाती है
वित्तमंत्री तो घोषणाएं करके चल देती हैं
इधर परिवार के लोग हमें डिमांड और सप्लाई की चक्की में मसल देते हैं ।

बैठे-ठाले सूझ रहा...किसको यह हल्ला

उनकी चाबी, उनके ताले
सस्ता कपड़ा, मुफ्त घरौंदा, फ्री में गल्ला
बैठे - ठाले सूझ रहा, यह किसको हल्ला
आज करोड़ों बेघर,
दिखते हैं 'घरवाले'
उनकी छत है, उनकी
चाबी, उनके ताले
कोस रहा है सक्रियता को कौन निठल्ला
बैठे - ठाले सूझ रहा, यह किसको हल्ला
कृषकों को खुशहाल
करेगी फसल योजना
इसमें भी दुर्जन
चाहेंगे कमी खोजना
कर्तव्यों से झाड़ेंगे.... सब अपना पल्ला
बैठे-ठाले सूझ रहा, यह किसको हल्ला
अब तो बिजली भी
घर-घर को मुफ्त मिलेगी
मुरझाए हर चेहरे पर
मुस्कान खिलेगी
दुष्ट लोग इस पर भी, अब जाएंगे झल्ला
बैठे - ठाले सूझ रहा, यह किसको हल्ला
निर्धन की अंगुली में
क्यों है स्वर्ण अंगूठी
लोकतंत्र की कायम
कैसे प्रथा अनूठी
भ्रष्टों की अंगुली से निकल गया है छल्ला
बैठे- ठाले सूझ रहा, किसको यह हल्ला

दिनेश प्रभात
गीतकार, भोपाल

ऐसी दरकार तुम्हई से है

ये बजट की चहक
फुलवन में महक
सब कुछ सरकार तुम्हई से है
दीदी अपनी लखपत होंगी
निर्धन की अपनी छत होगी
अब राम राज्य का दौर चले
ऐसी दरकार तुम्हई से है

सुदीप भोला
हास्य कवि, मुंबई

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि 40,000 सामान्य रेल डिब्बों को "वंदे भारत" मानकों के अनुरूप बदला जाएगा। तीन प्रमुख आर्थिक रेल गलियारा कार्यक्रम क्रियान्वित किए जाएंगे। वित्त मंत्री ने लोकसभा में 2024-25 का अंतरिम बजट पेश करते हुए कहा कि तीन प्रमुख आर्थिक रेल गलियारा कार्यक्रम क्रियान्वित किए जाएंगे, जिसके परिणामस्वरूप, अधिक यातायात वाले गलियारों में भीड़ कम होने से यात्री ट्रेनों के परिचालन में सुधार लाने में भी मदद मिलेगी और यात्री सुरक्षा एवं यात्रा की रफ्तार बढ़ेगी।

प्रधानमंत्री गति शक्ति के तहत

वित्त मंत्री ने कहा कि बहुविध मॉडल वाले संपर्क (कनेक्टिविटी) को संभव बनाने के लिए प्रधानमंत्री गति शक्ति के तहत इन परियोजनाओं की पहचान की गई है। इनसे रसद व्यवस्था संबंधी कार्यकुशलता बढ़ेगी और लागत में कमी आएगी। यात्रियों की सुविधा, आराम और सुरक्षा बढ़ाने के लिए 40, 000 सामान्य रेल डिब्बों को "वंदे भारत" मानकों के अनुरूप बनाया जाएगा।

तीन कॉरीडोर बनेंगे, यात्री सुरक्षा एवं यात्रा की बढ़ेगी रफ्तार

वंदे भारत जैसी होगी 40 हजार डिब्बों की सूरत

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि समर्पित मालभाड़ा गलियारों के साथ-साथ तीन आर्थिक गलियारा कार्यक्रमों से जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) की विकास दर बढ़ेगी तथा रसद व्यवस्था संबंधी लागत में भी कमी आएगी। वित्त मंत्री ने कहा कि तीन प्रमुख आर्थिक रेल गलियारा कार्यक्रम क्रियान्वित किए जाएंगे जिनमें ऊर्जा, खनिज एवं सीमेंट गलियारा, पत्तन संपर्क गलियारा और अधिक यातायात वाले गलियारे शामिल हैं।

कहां-कहां इस्तेमाल होगा

- ट्रेनों के संचालन और रखरखाव पर
- नई ट्रेनों, नई रेलवे लाइनों और स्टेशनों के निर्माण पर
- रेलवे के विद्युतीकरण और स्वचालन पर
- रेलवे के सुरक्षा उपकरणों के आधुनिकीकरण पर
- रेलवे के कर्मचारियों के वेतन और भत्तों पर

मेट्रो रेल और नमो रेल का विस्तार

- केंद्रीय बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रेलवे के लिए तीन नए गलियारों की घोषणा की, जिसमें – ऊर्जा, खनिज और सीमेंट गलियारा, पोर्ट कनेक्टिविटी गलियारा और एक उच्च यातायात घनत्व गलियारा शामिल है। इसके अतिरिक्त, वित्त मंत्री ने मेट्रो रेल और नमो भारत जैसी प्रमुख रेल बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के विस्तार की घोषणा की। गौरतलब है कि नमो भारत ट्रेन मेट्रो से काफी अलग है। जैसे मेट्रो के स्टेशन एक किमी की दूरी पर हैं जबकि नमो भारत के स्टेशनों की दूरी लगभग चार किलोमीटर है। मेट्रो में प्रीमियम कोच नहीं होता है नमो भारत में प्रीमियम कोच है। मेट्रो की अधिकतम स्पीड 60 किमी प्रतिघंटा होती है तो नमो भारत की अधिकतम स्पीड 180 किमी. प्रतिघंटा है।

लग्जरी होंगी सेवाएं

- मेट्रो में प्रत्येक सीट पर लैपटॉप, मोबाइल चार्ज करने के लिए चार्जिंग प्वाइंट नहीं है, नमो भारत में हैं। मेट्रो के अंदर खानपान का सामान नहीं मिलता है, नमो भारत के प्रीमियम कोच में यह सुविधा है। मेट्रो में स्ट्रेचर पर मरीज ले जाने की सुविधा नहीं है, नमो भारत में है। मेट्रो के स्टेशन दो तल के हैं, नमो भारत के दो से चार तल तक के हैं। मेट्रो में प्रीमियम कोच नहीं होता है, नमो भारत में प्रीमियम कोच है। मेट्रो पर पुलिस पोस्ट नहीं है, नमो भारत के प्रत्येक स्टेशन पर है। मेट्रो में अटेंडेंट की व्यवस्था नहीं है, नमो भारत में अटेंडेंट की व्यवस्था है। मेट्रो के दरवाजे खुद खुलते हैं, नमो भारत के बटन दबाने के बाद खुलेंगे। मेट्रो के एक कोच में 50 लोग बैठ सकते हैं, नमो भारत के एक कोच में 72 लोग बैठ सकते हैं।

वंदे भारत एक्सप्रेस में 10 सुधार

- बेहतर दृश्यता और सौंदर्यशास्त्र के लिए ड्राइविंग ट्रेलर कोच में ड्राइवर डेस्क को रंगीन थीम दी जाएगी
- लोको पायलट तक आसान पहुंच के लिए ड्राइवर कंट्रोल पैनल में आपातकालीन स्टॉप पुश बटन का इंटरचेंज
- कोचों में पैनल की बेहतर सुंदरता और मजबूती के लिए बेहतर ऊपरी ट्रिम पैनल
- कोचों के अंदर सौंदर्यशास्त्र में सुधार के लिए एफआरपी पैनलों के एकल टुकड़े के निर्माण के संशोधित पैनल
- पैनलों पर इन्सुलेशन के साथ बेहतर एयर कंडीशनिंग के लिए बेहतर एयर टाइटनेस
- कोचों के अंदर बेहतर एयरोसोल-आधारित आग का पता लगाने और दमन प्रणाली
- समान रंगों वाले शौचालय पैनलों के लिए मानकीकृत रंग
- एक्जीक्यूटिव चेयर कार में लाल थीम के बजाय नई 'सुखद नीले' रंग की सीटें मिलेंगी
- शौचालयों में पानी के छींटों से बचने के लिए वॉश बेसिन की गहराई बढ़ाई जाएगी
- सभी क्लासों की सीट रिक्लाइनिंग एंगल में वृद्धि

8403.98 करोड़ से बिलासपुर जोन का हुआ है विकास

वित्त मंत्री के बाद रेल मंत्री ने पत्रकार वार्ता में बताया कि रेल मंत्री ने यह बताया कि 2009 से 2014 तक पांच सालों में छत्तीसगढ़ को 311 करोड़ रुपए दिए गए थे और काम होता था 6 किमी साल का। वर्तमान में 162 किमी हर साल काम हो रहा है और 6896 करोड़ रुपए मोदी सरकार ने दिए। बिलासपुर जोन मुख्यालय में रेलवे जीएम आलोक कुमार ने बताया कि छत्तीसगढ़ में रेल सुविधाओं के विस्तार के साथ ही तीसरी और चौथी लाइन बिछाने का काम जारी है। यात्रियों की सुविधाओं के लिए छोटे स्टेशनों में कई काम किए जा रहे हैं। बिलासपुर, रायपुर और दुर्ग स्टेशन को पुनर्विकास योजना में शामिल किया गया है। यह स्टेशन, एयरपोर्ट की तरह सर्वसुविधायुक्त बनाए जाएंगे। ध्यान रहे कि पिछले केंद्रीय बजट में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के विकास के लिए 8403.98 करोड़ दिए गए हैं। इससे नई लाइन, गेज परिवर्तन, दोहरीकरण, यातायात सुविधा, ट्रैक रिन्युवल समेत दूसरे कार्यों के लिए फंड दिया गया है। जीएम आलोक कुमार के अनुसार 495 करोड़ रुपए आधारभूत संरचना पर खर्च हो रहे हैं। रेलवे के अनुसार यात्री सुविधा, नई लाइन, आरओबी, आरयूबी, स्टेशनों का उन्नयन, ट्रैक विस्तार जैसे काम किए जाएंगे। पूर्व से प्रस्तावित परियोजनाओं को भी इसमें गति दी जाएगी।

यात्री सुविधाओं के साथ होंगे विकास कार्य

रेलवे के अनुसार बिलासपुर जोन के बिलासपुर, रायपुर व नागपुर मंडल में यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के लिए कई काम किए जा रहे हैं। इसे एयरपोर्ट की तर्ज पर मल्टी मॉडल इंट्रीगेशन रेगुलेटेड ट्रैफिक मूवमेंट, वर्ल्ड क्लास फेसिलिटी दी जाएगी। अभी रायपुर ए ग्रेड स्टेशन है। रायपुर की ही तरह बिलासपुर व दुर्ग स्टेशन को भी री डेवलेपमेंट किया जाएगा ताकि लोगों को जल्द वर्ल्ड क्लास फेसिलिटी वाले रेलवे स्टेशन का फायदा मिले। इनके अतिरिक्त अकलतरा स्टेशन पर 13.7 करोड़ की लागत से ,तिल्दा-नेवरा स्टेशन पर 13.8 करोड़ की लागत से , भिलाई पावर हाउस स्टेशन पर 26.2करोड़ की लागत से, गोंदिया स्टेशन पर 31 करोड़ की लागत से यात्री सुविधाओं में इजाफा किया जाएगा।

32 रेलवे स्टेशनों के उन्नयन में खर्च होंगे 1,657 करोड़

ध्यान रहे कि बिलासपुर रेलवे जोन के कुल 49 रेलवे स्टेशनों का उन्नयन 1868 करोड़ रुपए में और छत्तीसगढ़ राज्य के कुल 32 रेलवे स्टेशनों का उन्नयन 1657 करोड़ रुपए की लागत से किया जा रहा है। 32 में से 29 स्टेशनों पर काम इसी साल पूरा हो जाएगा तो बिलासपुर , रायपुर और दुर्ग स्टेशन हाईटेक बनेंगे। इसे पूरा होने में दो साल लगने की बात कही जा रही है। अधिकारियों के मुताबिक सभी स्टेशन यात्री सुविधाओं के साथ टेक्नोलॉजी, स्थानीय संस्कृति और समृद्ध विरासत का आकर्षक केंद्र बनेंगे . यात्रियों की संख्या बढ़ने के साथ-साथ रोजगार बढ़ने की व्यापक संभावना विकसित होगी जिसका लाभ स्थानीय लोगों को मिलेगा। इसके साथ ही छोटी स्टेशनों में भी वेटिंग हॉल, फूड स्टॉल, रिटेल आउटलेट बनाया जाएगा। इससे यात्रियों को एक ही जगह सारी सुविधाएं मिल जाएंगी। लिफ्ट, एस्केलेटर, हाई लेवल प्लेटफार्म, टायलेट, वन स्टेशन वन प्रोडक्ट स्टॉल, स्टेशन सर्कुलेटिंग एरिया का विकास किया जाएगा।

बिलासपुर स्टेशन में जारी काम

- बिलासपुर स्टेशन बिल्डिंग के दोनों तरफ से शहर में समस्त सुविधाओं के साथ व्यापक एंट्री
- प्रस्तावित स्टेशन बिल्डिंग में हेरिटेज महत्व के साथ साथ स्थानीय कला और संस्कृति का समावेश
- 26 लिफ्ट एवं 26 एस्कलेटर का
- वृहद कार पार्किंग की सुविधा
- पूर्ण ग्रीन बिल्डिंग
- विशाल कान्कोर्स
- विशाल छत आवरण
- 3 नए बड़े फूट ओवर ब्रिज
- कान्कोर्स – रीटेल एरिया
- कान्कोर्स – कमर्शियलएरिया
- स्टेशन की छतों पर सोलर पैनल,रेनहार्वेस्टिंग

रायपुर स्टेशन में प्रस्तावित कार्य

- स्टेशन बिल्डिंग के दोनों तरफ से शहर में समस्त सुविधाओं के साथ व्यापक एंट्री
- प्रस्तावित स्टेशन बिल्डिंग में हेरिटेज महत्व के साथ साथ स्थानीय कला और संस्कृति का समावेश
- भविष्य की संभावित मेट्रो परियोजना तथा बस स्टेशन के लिए एकीकृत मल्टी मॉडल समन्वय
- पूर्ण ग्रीन बिल्डिंग
- 42 लिफ्ट एवं 21 एस्कलेटर का प्रावधान
- विशाल कान्कोर्स
- विशाल छत आवरण
- 4 नए बड़े फूट ओवर ब्रिज
- स्टेशन की छतों पर सोलर पैनल, रेनहार्वेस्टिंग , सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट , दिव्याङ्ग फ्रेंडली सुविधाएं
- वृहद कार पार्किंग

दुर्ग स्टेशन में प्रस्तावित कार्य

- दुर्ग स्टेशन बिल्डिंग के दोनों तरफ से शहर में समस्त सुविधाओं के साथ व्यापक एंट्री
- प्रस्तावित स्टेशन बिल्डिंग में हेरिटेज महत्व के साथ साथ स्थानीय कला और संस्कृति का समावेश
- 45 लिफ्ट एवं 21 एस्कलेटर का प्रावधान
- वृहद कार पार्किंग की सुविधा
- पूर्ण ग्रीन बिल्डिंग
- विशाल कान्कोर्स
- विशाल छत आवरण
- 4 नए बड़े फूट ओवर ब्रिज
- कान्कोर्स – रीटेल एरिया
- कान्कोर्स – कमर्शियलएरिया
- स्टेशन की छतों पर सोलर पैनल, रेनहार्वेस्टिंग

रेलवे स्टेशन का होगा कायाकल्प- जीएम आलोक कुमार

रेलवे जोन के जीएम आलोक कुमार के अनुसार रेलवे लगातार यात्री सेवा को सुलभ करने के लएि नवीनतम तकनीक, सुविधाओं और बुनियादी ढांचे को आधुनिक बनाने की दिशा में काम कर रही है। इसी कड़ी में देशभर के रेलवे स्टेशनों की कायापलट करने पर काम कयिा जा रहा है। शहरों की पहचान भी रेलवे स्टेशनों से जुड़ी होती है। बिलासपुर के इतिहास में रेलवे स्टेशन भी प्रमुख रूप से जुड़ा हुआ है। ऐसे में जरूरी है कि रेलवे स्टेशनों को आधुनिक स्वरूप में ढाला जाए। जब बिलासपुर आधुनिक स्टेशन बनेंगा तो इससे एक नया माहौल भी बनेगा। रेलवे स्टेशन के विकसित होने के बाद यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं और बेहतर यात्रा का अनुभव होगा। इसके साथ ही रेलवे स्टेशन के आसपास अच्छी व्यवस्थाएं होने से आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

तीसरी और चौथी लाइन का काम तेजी से जारी

बिलासपुर जोन की बात करें तो अभी जोन में 2100 करोड़ की लागत से 206 किमी बिलासपुर-झारसुगुड़ा चौथी लाइन, 3500 करोड़ की लागत से 228 किमी राजनांदगांव-नागपुर तीसरी लाइन, 1680 करोड़ की लागत से 165 किमी अनुपपुर-कटनी तीसरी लाइन, 303 करोड़ की लागत से बिलासपुर-उसलापुर फ्लाई ओवर, 271 करोड़ की लागत से मंदिर हसौद–नवा रायपुर–केन्द्री नई लाइन, 543 करोड़ की लागत से 67 किमी की केन्द्री – धमतरी व अभनपुर – राजिम गेज परिवर्तन का कार्य किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त पब्लिक सेक्टर यूनिट तथा अन्य अभिकर्ताओं के साथ 4741 करोड़ की लागत से 231 किलोमीटर की खरसिया – कोरबा नई लाइन, 4970 करोड़ की लागत से 156 किमी गेवरारोड–पेंड्रारोड नई लाइन, 1627 करोड़ की लागत से 95 किलोमीटर लंबी दल्लीराझरा–रावघाट नई लाइन आदि महत्वाकांक्षी परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है। बिलासपुर- झारसुगुड़ा चौथी लाइन में 75 किमी से अधिक का कार्य पूरा हो चुका है। इन परियोजनाओं से सुदूर इलाका भी अब रेलवे के मानचित्र पर दिखेगा।

जोन के 49 रेलवे स्टेशनों को अमृत भारत की पहचान

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे जोन बिलासपुर चार राज्यों में फैला हुआ है। इसके बिलासपुर सहित 49 रेलवे स्टेशनों को अमृत भारत योजना के तहत विकसित करने का निर्णय केंद्र सरकार ने लिया है। देशभर के चिन्हित 1309 रेलवे स्टेशनों में ये रेलवे स्टेशन भी शामिल हैं। जोन के चारों राज्यों के स्टेशनों को इसमें शामिल किया गया है। इन स्टेशनों में छत्तीसगढ़ के 30, मध्य प्रदेश के 9, महाराष्ट्र के 8 और ओडिशा के 2 स्टेशन शामिल हैं। इसमें बिलासपुर, रायगढ़, बाराद्वार, चांपा, नैला, अकलतरा, कोरबा, उसलापुर, पेंड्रारोड, बैकुंठपुर रोड, अंबिकापुर, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, बिजुरी, ब्रजराजनगर, बेलपहाड़, अनुपपुर, शहडोल, उमरिया, दुर्ग, भिलाई पावर हाउस, भिलाई, बालोद, दल्ली राजहरा, भानुप्रतापपुर, सरोना, उरकुरा, भिलाई नगर, बिल्हा, भाटापारा, हथबंद, तिल्दा नेवरा, रायपुर, बालाघाट समेत अन्य शामिल हैं।

बजट से महिलाओं, किसान की आर्थिक स्थिति में होगा सुधार

राजनांदगांव। वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा गुरुवार को प्रस्तुत किए गए अंतरिम बजट को लोगों ने बेहतर बताते महिलाओं, किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार करने वाला बताया। वहीं गरीबों के लिए घर को बेहतर कदम बताया गया है।

किसानों की आर्थिक स्थिति होगी मजबूत

बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते ग्राम मलपुरी के किसान द्वारिका साहू ने कहा कि केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा आज जो अंतरिम बजट पेश किया गया है, उसमें किसानों पर विशेष फोकस किया गया है। जिसमें मनरेगा, पीएम कृषि सिंचाई योजना, यूरिया में सब्सिडी सहित अन्य प्रावधान रखा गया है। जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति और भी मजबूत होगी।

बजट में महिलाओं के लिए भी प्रावधान

गृहणी तेजस्वनी कालेश्वर ने कहा कि केन्द्र सरकार महिलाओं के हित में कई कार्य कर रही है। जिसके तहत बजट में लगभग 3 करोड़ लखपति दीदी बनाने की योजना बेहद सराहनीय है। पूर्व में महिलाओं के लिए आरक्षण का प्रावधान रखकर भी महिलाओं को राजनीति क्षेत्र में आगे आने का अवसर दिया गया है। महंगाई पर अंकुश लगाने के लिए भी सार्थक कदम उठाया जाना चाहिए।

घर का सपना होगा पूरा

बांसपाई पारा निवासी सुरेन्द्र ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा अंतरिम बजट में गरीबों के लिए घर का जो प्रावधान रखा गया है, उससे गरीबों का पक्का घर बनाने का सपना साकार होगा। इसके अलावा गरीबी रेखा में जीवन-यापन करने वालों को पूर्व में भी मुफ्त अनाज प्रदान किया जा रहा है। गरीबों के लिए घर की व्यवस्था से उनकी स्थिति में सुधार होगा।

विकास परख बजट

युवा व्यवसायी नितिन अवचट ने कहा कि अंतरिम बजट में महिलाओं, किसान, युवा वर्ग के लिए कई प्रावधान रखे गए हैं। इसके अलावा रेलवे का विस्तार सहित अन्य प्रावधान विकास परख साबित होगा। इस बजट में सर्वहारा वर्ग एवं विकास को महत्व दिया गया है।

हरिभूमि
रायपुर, शुक्रवार 2 फरवरी 2024

haribhoomi.com

बजट में खास

स्टार्टअप में अब डेयरी और मछली पालन भी रोजगार निर्माण के लिए खोला जाएगा खजाना

नई दिल्ली। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने अंतरिम बजट में युवाओं, महिलाओं, किसानों व शिक्षा के लिए कई घोषणाएं की हैं। इसके तहत युवा उद्यमियों को कृषि स्टार्टअप के लिए प्रोत्साहित करने कृषि फंड बनाया जाएगा, जिसके जरिए युवा पशुपालन, डेयरी उद्योग, मत्स्य पालन के क्षेत्र में अपना स्टार्टअप कर सकेंगे। वहीं रोजगार निर्माण के लिए 10 लाख करोड़ का निवेश किए जाने की भी घोषणा की गई। युवाओं को अंतरराष्ट्रीय अवसरों के लिए देश के विभिन्न राज्यों में 30 स्किल इंडिया इंटरनेशनल सेंटर स्थापित किए जाएंगे। वित्त मंत्री ने महिलाओं के लिए घोषणा करते हुए जहां सर्वाइकल कैंसर को रोकने नौ साल से लेकर 14 साल की बच्चियों के टीकाकरण होगा वहीं तीन करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य भी रखा गया है।

टेक-सेवी युवाओं के लिए स्वर्णिम काल

अपने बजट भाषण में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि नए युग की टेक्नोलॉजी और डेटा लोगों की जिंदगी और व्यवसाय को बदल रही है। यही नहीं, नई टेक्नोलॉजी नई आर्थिक व्यवस्था को भी सक्षम बना रही है। वित्त मंत्री ने कहा कि आज के टेक-सेवी युवाओं के लिए यह एक स्वर्णिम काल है। युवाओं को बढ़ावा देने के लिए 1 लाख करोड़ रुपये का कोष स्थापित किया जाएगा। इससे निजी क्षेत्र को अनुसंधान बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। अगले तीन वर्षों में 47 लाख युवाओं को सहायता प्रदान करने के लिए 'अखिल भारतीय राष्ट्रीय शिक्षुता योजना' के तहत प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण शुरू करने की घोषणा की गई।

1.37 लाख करोड़ आत्मनिर्भरता के लिए

आत्मनिर्भरता को स्थापित करने के लिए सरकार रक्षा जरूरतों को ध्यान में रखते हुए डीप-टेक टेक्नोलॉजी के लिए नई स्कीम लाएगी। संचार मंत्रालय के लिए 1.37 लाख करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है।

1.4 करोड़ युवाओं को किया प्रशिक्षित

वित्त मंत्री ने कहा कि स्किल इंडिया मिशन के अंतर्गत 1.4 करोड़ युवाओं को प्रशिक्षित किया गया है, 54 लाख युवाओं का कौशल-उन्नयन किया गया है तथा उन्हें दूसरे हुनर में कुशल बनाया गया है। पीएम मोदी ने लाल बहादुर शास्त्री और अटल बिहारी वाजपेयी के जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान के साथ जय अनुसंधान जोड़ा है, जो दर्शाता है कि विकास के लिए इनोवेशन जरूरी है।

4000 करोड़ स्कूली शिक्षा के लिए

सीतारमण ने कहा कि वर्ष 2022 के बजट भाषण में शामिल स्कूलों के लिए 4000 करोड़ रुपये का आवंटन किया जाएगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 से

परिवर्तनकारी सुधार लाए जा रहे हैं। पीएम स्कूल (पीएम श्री) में गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई हो रही है, और बच्चों का समग्र और चहुंमुखी विकास किया जा रहा है। शिक्षा विभाग को वर्ष 2023-24 में अब तक का सर्वाधिक आवंटन किया गया, जो कि 1,12,898.97 करोड़ था।

शिक्षा में महिलाओं का प्रतिशत बढ़ा

वित्त मंत्री ने कहा कि उच्चतर शिक्षा के लिए बड़ी संख्या में नए संस्थानों के अंतर्गत 7 आईआईटी, 16 आईआईआईटी, 7 आईआईएम, 15

एम्स और 390 विश्वविद्यालय स्थापित किए गए हैं। दस वर्षों में उच्चतर शिक्षा में महिलाओं का नामांकन 28 प्रतिशत बढ़ गया है। स्टेम पाठ्यक्रमों में 43 प्रतिशत नामांकन बालिकाओं और महिलाओं का है, जो कि दुनिया में सबसे अधिक है।

22.5 लाख करोड़ पीएम मुद्रा योजना के लिए

पीएम मुद्रा योजना के अंतर्गत 22.5 लाख करोड़ रुपये मूल्य के कुल 43 करोड़ ऋण मंजूर किए गए हैं। निधियों की निधि, स्टार्ट-अप इंडिया और स्टार्ट-अप क्रेडिट गारंटी जैसी योजनाओं से भी हमारे युवा वर्ग को सहायता प्रदान की जा रही है। वे भी 'रोजगारदाता' बन रहे हैं।

28% बढ़ी महिलाओं की भागीदारी

उद्योगों में महिलाओं की सहभागिता बढ़ी है। महिलाओं में आंत्रप्रेन्योरशिप 28 प्रतिशत बढ़ी है। तीन करोड़ नई लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य तय किया गया है।

लखपति दीदी योजना के तहत महिलाओं को आंत्रप्रेन्योरशिप इंडस्ट्री, एजुकेशन या दूसरी जरूरतों के लिए लोन दिए जाते हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने महिला बचत सम्मान पत्र पेश किया जो दो साल के लिये यानी साल 2025 तक वैलिड होगा।

11.1 लाख करोड़ मैन्युफैक्चरिंग के लिए

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट पेश करते हुए बताया कि बुनियादी संरचनाओं के लिए खर्च को 11.1 फीसदी बढ़ाया गया है। सरकार ने इसे नए बजट

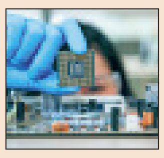

में बढ़ाकर 11.1 लाख करोड़ रुपये कर दिया है। इसके तहत सभी श्रेणियों के कारखानों के लिए परियोजना लागत का 50 प्रतिशत प्रोत्साहन देने की पेशकश की गई है। सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम के विकास के लिए बजट को ज्यादा कर दिया गया है।

युवाओं के लिए इतना सब-कुछ

- *नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी की शुरुआत होगी जिसमें सभी आयु वर्गों के लिए जरूरी किताबें होंगी।*
- *शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए एनजीओ में काम कर रहे युवाओं से सरकार जुड़ने का प्रयास करेगी।*
- *डिजिटल ट्रेनिंग के माध्यम से कई कौशल शिक्षाएं दी जाएंगी।*
- *रोजगार निर्माण के लिए 10 लाख करोड़ का निवेश होगा*
- *डिजिटल ट्रेनिंग के माध्यम से कई कौशल शिक्षाएं दी जाएंगी।*
- *पारंपरिक शिल्पकारों के लिए लागू की जाएगी 'नई पीएम विकास योजना'।*
- *युवाओं के लिए नेशनल एंटरप्रेन्योरशिप ट्रेनिंग स्कीम की शुरुआत की जाएगी*
- *युवाओं को अंतरराष्ट्रीय अवसरों के लिए देश के विभिन्न राज्यों में 30 स्किल इंडिया इंटरनेशनल सेंटर स्थापित किए जाएंगे।*
- *आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए तीन उत्कृष्ट संस्थानों की स्थापना की जाएगी*
- *कौशल उन्नयन के लिए सिविल सर्वेंट और सरकारी कर्मचारियों के लिए एकीकृत ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।*
- *युवाओं के लिए होगी डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर स्कीम 2023) की शुरुआत*
- *अगले तीन वर्षों में 47 लाख युवाओं को सहायता प्रदान करने के लिए 'अखिल भारतीय राष्ट्रीय शिक्षुता योजना' के तहत प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण शुरू करने की घोषणा की गई।*

युवाओं पर फोकस

आयुष्मान के दायरे में आएंगी 'आशा'

3 करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य

निर्मला सीतारमण ने कहा कि, सरकार ने दो करोड़ लखपति दीदी को बढ़ाकर तीन करोड़ का लक्ष्य बना दिया है। इससे करीब 9 करोड़ महिलाओं के जीवन में बदलाव आया है। मत्स्य संपदा योजना से 55 लाख लोगों को नया रोजगार मिला। इसके साथ ही 5 इंटीग्रेटेड एक्वा पार्क डेवलप किए जाएंगे।

आंगनबाड़ी केंद्रों को किया जाएगा अपग्रेड

आंगनवाड़ी केंद्रों को आने वाले समय के लिए और भी बेहतर तरीके से अपग्रेड किया जाएगा। आयुष्मान भारत के तहत सभी आशा और आंगनवाड़ी कर्मियों को सुविधा दी जाएगी। अगले 5 सालों में विकास की नई परिभाषा को गढ़ने का काम किया जाएगा। आशा बहनों को आयुष्मान योजना का भी लाभ दिया जाएगा।

सर्वाइकल कैंसर रोकने लगेगी वैक्सीन

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि सर्वाइकल कैंसर को रोकने नौ साल से लेकर 14 साल की बच्चियों के टीकाकरण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। सीतारमण ने कहा कि मां और बच्चे की देखरेख जैसी योजनाओं को और बड़े रूप लाया जाएगा। वर्तमान समय में बने हेल्थ ढ़ाचे का इस्तेमाल करते हुए सरकार मेडिकल कॉलेज तैयार करेगी।

10 साल में महिलाओं को 30 करोड़ मुद्रा ऋण

संसद में अंतरिम बजट को पेश करते हुए फाइनेंस मिनिस्टर निर्मला सीतारमण ने कहा कि, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए हमारी सरकार ने बीते दस सालों में 30 करोड़ मुद्रा योजना का ऋण महिलाओं को दिया है।

26,000 करोड़ महिला एवं बाल विकास मंत्रालय को

अंतरिम बजट में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय को 2024-25 के लिए 26,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जो पिछले बजट की तुलना में 2.52 प्रतिशत अधिक है. 2023-24 के संशोधित बजट अनुमान के अनुसार, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय को 25,448.68 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे।

ज्यादा काम तो रोजगार भी ज्यादा, सबको मौका

वैक्सीन बनाने और लगाने वालों को रोजगार

आशा वर्करों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए को रोजगार मिलने की संभावना हैं.क्योंकि वित्त मंत्री ने कहा कि है इन वर्कर्स को आयुष्मान भारत योजना के दायरे में लाया जाएगा। वैक्सीन बढ़ाने की बात की गई है इस काम से वैक्सीन बनाने और उसे लगाने वालों को रोजगार मिलेगा।

रेलवे डिब्बों को वंदे भारत में बदलने में रोजगार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कहा है कि इस बजट में युवाओं के लिए अनगतिनत रोजगार के अवसर होंगे। वित्त मंत्री ने 40 हजार रेलवे डिब्बों को वंदे भारत में बदलने की बात की है। इसमें भी रेलवे डिब्बों को वंदे भारत में बदलने के लिए डिब्बे के नक्शों पर काम होगा तो राजगार बढ़ेगा।

इलेक्ट्रिक वाहन में जॉब्स

इलेक्ट्रिक वाहन बढ़ाए जाने की बात कही गई है, जिसमें पब्लिक ट्रांसपोर्ट के लिए ई-बसों के होने की बात की गई है। इस प्लान को अंजाम देने के लिए काफी राजगार निकलेंगे। इलेक्ट्रिक वाहन बनाने में काफी नौकरियां निकलेंगी। इसके साथ ही वाहनों को सुधारने व उनके कलपुर्जे बनाने व ढोने वालों को भी रोजगार मिलेगा।

बड़ी कंपनियां कर रहीं भारत में निवेश

वित्त मंत्री सीतारमण ने आत्मनिर्भर भारत को बढ़ाने के लिए यह घोषणा की है। बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियां अब भारत में स्मार्टफोन, लैपटॉप बना रही हैं। सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले का इकोसिस्टम डेवलप होने के बाद इन कंपनियों की सप्लाई चेन सुदृढ़ होगी और डिवाइस मैन्युफैक्चरिंग में तेजी आएगी।

पीएम आवास योजना से मजदूरों को लाभ

देश ग्रामीण आवास योजना के तहत अगले पांच साल में दो करोड़ घरों का निर्माण किया जाएगा। इस दौरान राज मिस्त्री मजदूरों को रोजगार मिलेगा। भवन निर्माण से जुड़ी अन्य चीजों के निर्माण में बढ़ोतरी होने से इन क्षेत्रों में भी रोजगार मिलेगा। छत पर सौर प्रणाली लगाने से भी आय के साधन बढ़ेंगे।

कृषि सेक्टर के लिए भी घोषणाएं

केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को अंतरिम बजट पेश किया। इसमें कृषि और किसानों के लिए कई योजनाएं शामिल हैं। इसमें अनुसंधान, स्टार्टअप और अत्याधुनिक तकनीक के इस्तेमाल पर जोर दिया गया है। किसानों को प्रधानमंत्री सम्मान निधि बढ़ाए जाने की उम्मीद थी, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। वित्तमंत्री ने खेती के साथ पुशपालन और मत्स्य पालन को बढ़ावा देते हुए किसानों की आय बढ़ाने पर जोर दिया है।

नैनो यूरिया से किसानों के चेहरे पर आएगी खुशी

- प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना के तहत किसानों को सशक्त बनाया जाएगा।
- डेयरी क्षेत्र का विकास कर दुग्ध उत्पादन को बढ़ाया दिया जाएगा।
- पीएम सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम विकास योजना का बजट 639 करोड़ से बढ़ाकर 880 करोड़ किया गया।
- नीली क्रांति यानी मत्स्य उत्पादन के लिए सरकान ने अपना बजट 2025 करोड़ से बढ़ाकर 2352 करोड़ किया गया।
- फसलों में नैनो खाद के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया जाएगा।
- तिलहन के अनुसंधान को बढ़ावा दिया जाएगा।

- फसल कटाई के क्रियाकलापों में निजी और सरकार निवेश को बढ़ावा दिया जाएगा।
- पीएम मत्स्य संपदा योजना को बढ़ाकर मत्स्य उत्पादन दोगुना किया जाएगा।
- माल भाड़ा परियोजना विकिसत करेंगे। इससे कृषि व्यापार को आसानी होगी।
- स्टार्ट-अप के माध्यम से प्रौद्योगिकी और नवाचारों को बढ़ावा देकर खेती को लाभ का धंधा बनाया जाएगा।
- मत्स्य उत्पादन के विस्तार और दोहरे परिवहन को बढ़ावा देने पांच एकीकृत एक्वापार्क स्थापित किए जाएंगे।
- ग्रामीण इलाकों में पांच साल में दो करोड़ घर बनाए जाएंगे। इसमें किसान परिवारों को भी महत्व मिलेगा।
- 1361 मंडियों को ई नमो से जोड़ा गया है। इसमें इसमें 3 लाख करोड़ का कारोबार हो रहा है।
- 1.4 करोड़ किसानों को स्किल इंडिया मिशन का फायदा मिला।

समावेशी विकास का केंद्रीय बजट केंद्र में महिलाएं-गरीब और युवा

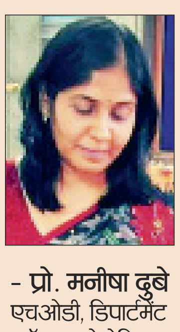

- प्रो. मनीषा दुबे
एचओडी, डिपार्टमेंट ऑफ़ इकोनोमिक्स
गुरु घासीदास सेंट्रल यूनिवर्सिटी
बिलासपुर

केंद्र सरकार की ओर से पेश अंतरिम बजट समावेशी विकास का बजट है। यह बजट यह दिखाता है कि क्या स्थिति है और देश को किस दिशा में ले जाएंगे, इसलिए इस बजट को देखकर सरकार का दृष्टिकोण समझ में आ रहा है। अंतरिम बजट में भी समावेशी विकास तथा अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने की बात हो रही है। विकास भी ग्रीन ग्रोथ को ध्यान में रखते हुए, ताकि पर्यावरण को नुकसान न पहुंचे और हरित विकास को बढ़ाया जाए। इसी प्रकार महिलाओं, गरीब, आदिवासी व यूथ के लिए बजट में प्रावधान किए गए हैं। रोजगार की दिशा में स्किल्स डेवलपमेंट कौशल विकास पर जोर दिया गया है, जिससे आत्मनिर्भर भारत की ओर ले जाने की बात हो रही है। जनजातीय वर्ग के लिए प्रधानमंत्री आदिम जनजातीय कमजोर मिशन शुरू किया जा रहा है, जिसमें उन्हें सुरक्षित करने आवास, साफ-सफाई, बिजली, पानी के लिए बजट प्रावधान किया गया है।अंतरिम बजट में स्टार्टअप कृषि के क्षेत्र में प्रस्तावित किया गया है और कृषि त्वरक कोष स्थापित किया जाएगा तथा आर्गेनिक खेती पर जोर दिया गया है।

रायपुर
शुक्रवार, 2 फरवरी 2024
माघ कृष्ण पक्ष सप्तमी
वर्ष : 22, अंक : 196
पृष्ठ : 12+4 +4 = 20, मूल्य : 5.00**

मौसम
अधि. 29.5
न्यून. 18.5

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

07 इंग्लैंड के बैजबॉल के खिलाफ भारत ...

विचार पेज
04 राहत के लिए पिक्चर अभी बाकी है

छापे में मिले एक करोड़ रुपए सीज, कुछ जगह जांच पूरी, कुछ ठिकानों पर अब भी डेरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पूर्व मंत्री अमरजीत भगत के साथ जिन रियल एस्टेट से जुड़े कारोबारियों के यहां आयकर अफसरों ने छापे की कार्रवाई की है, वहां से एक करोड़ रुपए सीज कर लिए गए। खबर है, कैश के साथ कुछ ज्वेलरी भी मिली है। आईटी अफसर ज्वेलरी का मूल्यांकन कर रहे हैं। इसके लिए जौहरी की मदद ली जा रही है।

खास खबर

रायपुर की कुछ जगहों से गुरुवार दोपहर आयकर अफसरों द्वारा जांच कंपलीट कर वापस आने की जानकारी मिल रही है। छापे की कार्रवाई दो से तीन दिन और चल सकती है। गौरतलब है कि आय से अधिक संपत्ति तथा टैक्स चोरी के साथ कस्टम मिलिंग में गड़बड़ी को लेकर आयकर अफसर कर्मियों की टीम ने बुधवार को अमरजीत भगत के साथ हरपाल सिंह अरोरा, कैलाश बजाज, नरेश शेरवानी, विक्की शेरवानी, अविनाश शेरवानी, अजय चौहान पूर्व मंत्री अमरजीत भगत के निज सहायक राजेश वर्मा तथा पूर्व मंत्री के करीबी टीआई रूपेश नारंग के ठिकानों पर छापे की कार्रवाई की है।

उनमें से ज्यादातर कारोबारियों के पूर्व मंत्री के साथ बेहद करीबी संबंध रहे हैं। छापे की कार्रवाई के दूसरे दिन कई महत्वपूर्ण दस्तावेज आईटी अफसरों के हाथ लगने की जानकारी सूत्र दे रहे हैं।

पूर्व मंत्री और उनके करीबियों के ठिकानों पर दूसरे दिन भी जांच

अफसरों को प्रापर्टी, बोगस लेन-देन के दस्तावेज

दो दिन की कार्रवाई में आयकर अफसरों को कई जगहों से प्रापर्टी के बड़े पैमाने पर दस्तावेज मिलने की जानकारी सूत्र दे रहे हैं। इसके साथ आईटी अफसरों को कारोबारियों के यहां से बोगस-लेन देन के दस्तावेजों के साथ डिजिटल साक्ष्य मिलने की जानकारी सूत्रों ने दी है। छापे की कार्रवाई में आयकर अधिकारी काफी ज्यादा गोपनीयता बरत रहे हैं।

रायपुर, अंबिकापुर, दुर्ग, भिलाई और रायगढ़ में आईटी की कार्रवाई
पूर्व मंत्री अमरजीत सहित रियल एस्टेट और बिल्डर्स के 45 ठिकानों पर छापे

फोरेंसिक एक्सपर्ट की मदद

जिन लोगों के यहां छापे की कार्रवाई की जा रही है, उन लोगों द्वारा पुराने डेटा को डिलीट किए जाने की आशंका है। इस बात को ध्यान में रखते हुए आईटी अफसर अपने फोरेंसिक एक्सपर्ट की टीम की मदद ले रहे हैं। आयकर विभाग के एक्सपर्ट डिलीट डेटा रिकवर करने की कोशिश में जुटे हुए हैं।

मनी लांड्रिंग का केस दर्ज हो सकता है

जिन लोगों के यहां आयकर अफसर छापे की कार्रवाई कर रहे हैं, उनमें से कई लोगों द्वारा ब्लैकमनी को व्हाइट मनी करने का खेल किया गया है। इस बात के आईटी अफसरों को पुख्ता प्रमाण मिलने की बात सूत्र बता रहे हैं। ऐसी स्थिति में उन लोगों के खिलाफ मनी लांड्रिंग का अपराध दर्ज हो सकता है। ऐसी स्थिति में आईटी अफसर, ईडी को केस ट्रांसफर कर सकते हैं।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

पूर्व राजनयिक संजय यूपीएससी के सदस्य

नई दिल्ली। पूर्व राजनयिक संजय वर्मा को संघ लोक सेवा आयोग के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है। यूपीएससी के अध्यक्ष मनोज सोनी ने उन्हें शपथ दिलाई। यूपीएससी सदस्य को छह साल की अवधि के लिए या 65 वर्ष की आयु होने तक नियुक्त किया जाता है। वर्मा स्पेन और अंडोरा, इथियोपिया, जिबूती और अफ्रीकी संघ में भारत के राजदूत रहे थे।

आठ और शहरों से अयोध्या आना हुआ आसान

नई दिल्ली। अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के साथ ही पर्यटकों और श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ रहा है। दरभंगा, अहमदाबाद, चेन्नई, जयपुर, पटना, दिल्ली, मुंबई, और बेंगलुरु से अयोध्या के लिए स्पाइसजेट द्वारा सीधी उड़ान सेवाएं शुरू होने से अयोध्या की हवाई संपर्क व्यवस्था और बेहतर हो गई है। गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्पाइसजेट की सीधी उड़ान सेवा को हरी झंडी दिखाई।

केजरीवाल फिर टाल सकते हैं ईडी का समन

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री एवं आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल के दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन मामले में पूछताछ के लिए शुक्रवार को ईडी के समक्ष उपस्थित होने की संभावना नहीं है। ईडी ने बुधवार को केजरीवाल को एक नया और पांचवां समन जारी किया। इससे पहले, पिछले चार महीनों में वह संघीय एजेंसी द्वारा चार समन को टाल चुके हैं। हालांकि, आप इस बारे में चुप्पी साधे हुए है कि क्या दिल्ली के मुख्यमंत्री जांच एजेंसी के समक्ष उपस्थित होंगे।

झारखंड में सियासी सस्पेंस खत्म, राज्यपाल से मिले चंपई सोरेन

सोरेन हिरासत में, चंपई आज लेंगे शपथ 10 दिन में साबित करना होगा बहुमत

ईडी ने सोरेन का 10 दिन का मांगा था रिमांड

कोर्ट में आज फिर पेश होंगे हेमंत सोरेन

एजेंसी ▶▶| रांची

धन शोधन रोकथाम अधिनियम अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय द्वारा गिरफ्तार किए गए झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को गुरुवार को एक दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। ईडी ने सोरेन का 10 दिन का रिमांड मांगा था। अदालत ने अपना आदेश शुक्रवार के लिए सुरक्षित रख लिया। इस बीच, झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता चंपई सोरेन ने गुरुवार को राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन से मुलाकात की और राज्य में भ्रम की स्थिति होने के चलते सरकार गठन के उनके अनुरोध को यथाशीघ्र स्वीकार करने का अनुरोध किया। झामुमो विधायक दल के नेता चंपई सोरेन को राज्यपाल द्वारा मुख्यमंत्री नियुक्त करने में देरी को लेकर चिंताओं के बीच, गठबंधन ने अपने विधायकों को दो निजी विमानों से दूसरी जगह ले जाने के भी प्रयास किए। भाजपा द्वारा अपने विधायकों ▶▶| शेष पेज 3 पर

झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद राज्य में राजनीतिक उलटफेर शुरू हो गई है। कोर्ट ने सोरेन को एक दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इधर, विधायक दल के नेता चुने गए चंपई सोरेन शुक्रवार को सीएम पद की शपथ लेंगे। इसके साथ ही जेएमएम सरकार को 10 दिनों में अपनी सरकार का बहुमत विधानसभा में साबित करना होगा।

भाजपा की बैठक आज

झारखंड में भाजपा विधायक दल की बैठक शुक्रवार को दोपहर 1:30 बजे बुलाई गई है। इसी बीच भाजपा के झारखंड प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी रांची पहुंच गए हैं। वह पार्टी नेताओं के साथ बैठक कर रहे हैं.भाजपा के राज्यसभा सांसद और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश का दावा है कि विधायक भ्रमित हैं और चंपई सोरेन का समर्थन करने को तैयार नहीं हैं।

क्या है मामला

बता दें कि झारखंड के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद झामुमो नेता हेमंत सोरेन को बुधवार रात गिरफ्तार किया गया। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तारी के बाद राज्य के परिवहन मंत्री चंपई सोरेन को झामुमो विधायक दल का नेता नामित किया गया। प्रवर्तन निदेशालय ने आधिकारिक सीएम आवास पर सात घंटे की पूछताछ के बाद हेमंत सोरेन को देर रात गिरफ्तार किया।

झामुमो ने जारी किया वीडियो

झामुमो ने एक वीडियो भी जारी किया, जिसमें 81-सदस्यीय राज्य विधानसभा के 43 विधायक गठबंधन की मजबूती दिखाने के लिए मौजूद नजर आये। इससे पहले दिन में, प्रदेश कांग्रेस प्रमुख राजेश ठाकुर ने कहा, गठबंधन का नेतृत्व कर रहे झामुमो विधायक दल के नेता चंपई सोरेन ने आज अपराह्न तीन बजे राज्यपाल से बहुमत साबित करने का समय मांगा था।

सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई

इधर, सुप्रीम कोर्ट ने धनशोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा की गयी गिरफ्तारी के खिलाफ झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री के नेता हेमंत सोरेन की याचिका पर सुनवाई के लिए गुरुवार को तीन न्यायाधीशों की एक विशेष पीठ का गठन किया। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति एम. एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी की पीठ जेल में बंद झामुमो नेता की याचिका पर शुक्रवार सुबह 10.30 बजे सुनवाई करेगी।

पुलिस को मिली सफलता

साड़ियों के बंडल में भेजे जा रहे थे पौने 4 करोड़ के नकली नोट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

साड़ियों के बंडल के बीच छिपाकर राजधानी रायपुर की ओर भेजा जा रहा नकली नोट का जखीरा पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है। मामले में पुलिस ने एक युवक को 3 करोड़ 80 लाख रुपए के नकली नोटों के साथ गिरफ्तार किया है। पकड़े गए सभी 76000 नोट 5-5 सौ के नोट हैं। जिला पुलिस ने जांच शुरु करते हुए मामले को आरबीआई को सौंप दिया है।

- पुलिस और सायबर सेल ने जब्त किए नोट, एक युवक गिरफ्तार

मामले का खुलासा करते हुए गुरुवार ▶▶| शेष पेज 3 पर

भाड़े की लालच में इस कृत्य को अंजाम दिया

आरोपी ने बताया कि एक अज्ञात ने फोन पर कहा कि साड़ी के 12 बंडल को सारंगढ़ से रायपुर लेकर जाना है। भाड़े की लालच में उसने इस कृत्य को अंजाम दिया। वाहन की तलाशी में साड़ी के बंडल की आड़ में छिपाकर रखे 04 प्लास्टिक बोरी जिसके अंदर 500-500 रुपए के कुल 760 बण्डल कुल 3 करोड़ 80 लाख के ▶▶| शेष पेज 3 पर

जमीन विवाद बनी वजह

नाबालिग चचेरे भाई ने की थी बालक की हत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बालोद/अर्जुंदा

परिवार में चल रहे जमीन जायदाद के विवाद में बच्चों के मन में भी आपसी द्वेष ने घर कर लिया और मामूली विवाद के बाद 14 साल के नाबालिग ने अपने चचेरे भाई को ही मौत की नींद सुला दिया। चीचा हत्या कांड में यही कहानी निकल कर सामने आई है। अर्जुन्दा थाना के चीचा गांव में 10 साल ▶▶| शेष पेज 3 पर

वारदात को स्वीकारा

घटना के बाद रातभर पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी रही। इस बीच मृतक के नाबालिग चचेरे भाई से संदेह के आधार पर जब पुलिस ने पूछताछ की, तो उसने घटना को अंजाम देने की बात कबूल ली। उसके बाद पुलिस ने न्यायालय में पेश कर उसे बाल संप्रेक्षण गृह भेज दिया है।

आरबीआई के आदेश से वार्षिक परिचालन पर पड़ेगा असर

पेटीएम को 300-500 करोड़ रुपए का लगेगा झटका!

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

पेटीएम पेमेंट्स बैंक की करीब सभी सेवाएं 29 फरवरी के बाद बंद करने के आरबीआई के आदेश से कंपनी के वार्षिक परिचालन लाभ पर 300-500 करोड़ रुपए का असर पड़ने की आशंका है। भारतीय रिजर्व बैंक ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड को किसी भी ग्राहक खाते, प्रीपेड साधन, वॉलेट एवं फास्टैग में 29 फरवरी 2024 के बाद जमा या टॉप-अप स्वीकार न ▶▶| शेष पेज 3 पर

इस पर लग जाएगा बैन

पेटीएम कई बैंकों के साथ पार्टनरशिप कर लोन समेत अन्य तरह की सर्विसेज देता है। इनमें से एक पेटीएम पेमेंट्स बैंक भी है। आरबीआई के फैसले के बाद अब पेटीएम पेमेंट्स बैंक की सर्विस पर रोक लग जाएगी। यह रोक 29 फरवरी के बाद प्रभावी होगा।

पेटीएम के शेयर में 20 प्रतिशत की गिरावट

पेटीएम के शेयर में बृहस्पतिवार को 20 प्रतिशत तक की गिरावट आई। बीएसई पर शेयर 20 प्रतिशत की गिरावट के साथ 608.80 रुपये पर पहुंच गए। एनएसई पर 19.99 प्रतिशत गिरकर 609 रुपये पर रहे। कंपनी का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) भी शुरुआती कारोबार में 9,646.31 करोड़ रुपये घटकर 38,663.69 करोड़ रुपए हो गया।

व्यास जी का तहखाना खुला सफाई के बाद हुई पूजा

एजेंसी ▶▶| वाराणसी

वाराणसी जिला अदालत द्वारा हिंदुओं को ज्ञानवापी परिसर स्थित व्यास जी के तहख़ाने में पूजा का अधिकार दिये जाने के चंद घंटे बाद बुधवार देर रात तहखाने को खोलकर उसकी साफ सफाई की गई और फिर वहां पूजा की गई। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के अध्यक्ष नागेंद्र पांडेय ने बताया कि

जिला अदालत के आदेश के बाद व्यास जी के तहखाने में पूर्व की तरह अब पूजा पाठ नियमित किया जाएगा। पूजा कार्यक्रम में शामिल हुए व्यास परिवार ▶▶| शेष पेज 3 पर

बजट पर एक्सपर्ट की राय

ग्रामीण क्षेत्रों का विकास और संतुलन जरूरी

- प्रो. मोहम्मद शमीम
वाणिज्य विभाग
अलीगढ़ मुस्लिम विवि

आसान शब्दों में कहें तो बजट वित्तीय योजना होती है। मौजूदा सरकार के 3 माह ही शेष हैं। इसके अनुसार ही बजट पेश किया गया है। बजट से आपको क्या मिल रहा है, यह देखने के स्थान पर यदि आप यह देखें कि देश को क्या मिल रहा है तो चीजें बेहतर होंगी। तीन माह के बजट के आधार पर सबसे अच्छी बात सोलर पैनल संबंधित योजना को कह सकते हैं। ऊर्जा के क्षेत्र में यह सकारात्मक पहल साबित होगी। निम्न मध्यमवर्गीय परिवार के लिए की गई आवासीय व्यवस्था भी लोगों को घर प्रदान करने की दिशा में बड़ा कदम है। संतुलित विकास जरूरी है। ग्रामीण क्षेत्रों में विकास के लिए और अधिक कोशिश की जानी चाहिए। गांवों के लिए और अधिक किया जा सकता था। कई ग्रामीण क्षेत्र अब भी बुनियादी चीजों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। एक दिन में संपूर्ण बदलाव नहीं हो सकते, लेकिन छोटे कदम उठाए जा सकते हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लिए मिलना था फंड जरूरी

- प्रो. जीसी त्रिपाठी
प्राध्यापक अर्थशास्त्र
इलाहाबाद विवि, पूर्व कुलपति बीएचयू

किसी भी बजट के दो बिंदु होते हैं, अल्पकालिक और दीर्घकालिक। दोनों बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए बजट पेश किया गया है। लोगों को दीर्घकालिक लाभ प्रदान करने के साथ उन्हें तत्कालिक रूप से लाभ देने की भी कोशिश की गई है। प्रथम दृष्टया देखने पर यह उद्यमशीलता को बढ़ावा देने वाला प्रतीत होता है। देश को स्वावलंबी बनाने के लिए भी योजनाएं लाई गई हैं। इनके उचित क्रियान्वयन से फायदा मिलेगा। इसके अलावा आत्मनिर्भरता के लिए किए गए प्रयास भी बेहतर हैं। एक प्राध्यापक होने के नाते मुझे लगता है कि शिक्षा क्षेत्र में थोड़ा और दिया जाना चाहिए था। हम राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने की बात कह रहे हैं। इसके अंतर्गत पूरे ढांचे में बदलाव होना है। राष्ट्र निर्माण की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम है। इसे लागू करने के लिए और बजट दिया जाना चाहिए था, तभी बुनियादी स्तर पर एनईपी-2020 के लिए कार्य हो सकेगा।

तकनीक-प्रेमी युवाओं के लिए स्वर्ण युग

- प्रो. आरएस मीणा
वाणिज्य संकाय, बनारस हिंदू विवि, वाराणसी

सरकार ने गरीबों की भलाई को प्राथमिकता देकर समावेशी विकास पर ध्यान केंद्रित किया है। महिलाएं, युवा और किसान, ये मुख्य बिंदु हैं। वित्तीय समावेशन के लिए पीएम जन धन खाते, किसानों के लिए पीएम किसान सम्मान योजना, कारीगरों के लिए पीएम विश्वकर्मा योजना जैसी सामाजिक पहल की गई है। 2024-25 के लिए देश का पूंजीगत व्यय 11% बढ़ाकर 11.11 लाख करोड़ तक पहुंच गया है। सरकार ने नवाचार और अनुसंधान को महत्व दिया है। साथ ही ▶▶| शेष पेज 3 पर

पहाड़ों में बर्फबारी

सफेद चादर में ढके उत्तराखंड, जम्मू कश्मीर व हिमाचल के कई इलाके

जम्मू कश्मीर सहित हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में हुई बर्फबारी ने पारा गिरा दिया है। हिमाचल प्रदेश में ऑरेंज अलर्ट के बीच तीसरे दिन भी बारिश-बर्फबारी का दौर जारी है। वहीं, लंबे ड्राई स्पैल के बाद बीत रात श्रीनगर, अनंतनाग, पुलवामा, कुलगाम समेत घाटी के कई इलाकों में इस सीजन की पहली बर्फबारी हुई है। उधर, उत्तराखंड के कई जिलों में बारिश तो कही बर्फबारी हुई है। चारधाम में लगातार बर्फबारी हो रही है। केदारनाथ धाम में लगभग डेढ़ फीट बर्फ जम चुकी है। बर्फबारी के बाद कई पर्वतीय मार्ग बंद हैं। गंगोत्री- यमुनोत्री और बदरीनाथ हाईवे भी बर्फबारी के बाद से बंद है। बीआरओ गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग को खोलने में जुटा है। इसी तरह, कश्मीर के रियासी जिले के कटरा में ताजा बर्फबारी के बाद माता वैष्णो देवी भवन बर्फ से ढक गया।

खबर संक्षेप

इब्राहिम इस्कंदर बने मलयेशिया के नए सुल्तान

कुआलालंपुर। मलयेशिया में जोहोर राज्य के इब्राहिम इस्कंदर देश के नए सुल्तान बन गए हैं। उन्होंने बुधवार को देश के 17वें सुल्तान के रूप में शपथ ली।। वह अगले पांच वर्षों तक देश के सुल्तान बने रहेंगे। बता दें कि ब्रिटेन से आजादी मिलने के बाद साल 1957 से ही मलयेशिया में हर पांच वर्षों में सुल्तान का चयन होता है। शपथ समारोह से पहले सुल्तान इस्कंदर ने प्राइवेट जेट से कुआलालंपुर के लिए उड़ान भरी थी।

गुजरात के कच्छ में भूकंप से कांपी धरती

कच्छ। गुजरात के कच्छ में आज सुबह (1 फरवरी) भूकंप के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने जानकारी दी कि रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.1 मापी गई। यह भूकंप सुबह 8 बजकर 6 मिनट पर महसूस किए गए। इससे पहले रविवार (28 जनवरी) को भी कच्छ में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4 थी।

केरल की 'दबंग जज' को मिल रही धमकियां

तिरुवनंतपुरम। केरल पुलिस ने भाजपा के नेता रंजीत श्रीनिवासन की हत्या मामले में फैसला सुनाने वाली मावेलिक्कारा की अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश वी जी श्रीदेवी की सुरक्षा बुधवार को बढ़ा दी. उन्हें इस मामले में फैसला सुनाए जाने के बाद विभिन्न सोशल मीडिया मंचों पर धमकियां मिली हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि उन्होंने ऑनलाइन मंचों पर मिली धमकियों को गंभीरता से लिया है और न्यायाधीश की सुरक्षा में एक उपनिरीक्षक और कुछ अन्य पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है।

सोरेन की गिरफ्तारी पर बिफरा विपक्ष

कांग्रेस नेता खड़गे सहित कई नेताओं ने साधा निशाना

'जो प्रधानमंत्री मोदी के साथ नहीं जाएगा, वह सीधा जेल जाएगा'

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गिरफ्तारी के बाद एक्स पर सरकार की आलोचना की। उन्होंने ट्वीट करते हुए कहा कि जो मोदी के साथ नहीं जाएगा, वह सीधा जेल जाएगा। सोरेन के खिलाफ ईडी जांच शुरू करना और उन्हें इस्तीफा देने के लिए मजबूर करना संघवाद पर आघात है। विपक्षी नेताओं को डराया-धमकाया जा रहा है। मोदी सरकार ने पीएमएलए के प्रावधानों को कठोर बना दिया है। विपक्षी सरकारों को कमजोर करना बीजेपी की साजिश है। भाजपा की वाशिंग मशीन में जो गया, वह सफेद, जो नहीं गया वह दागदार है। देश में अगर तानाशाही को खत्म करना है तो भाजपा को अब हराना होगा। हम डरेंगे नहीं। लड़ेंगे, सड़कों से लेकर संसद तक।

मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी होने के एक दिन बाद गुरुवार को तमाम विपक्षी नेताओं ने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए हैं। विपक्षी दलों ने कहा कि भाजपा सरकार ईडी जैसे एजेंसियों के जरिए आवाज दबाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने मोदी सरकार को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया है।

लोकतंत्र मुक्त भारत, भाजपा का लक्ष्य : प्रियंका

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि भाजपा सरकार का लक्ष्य है कि वह विपक्ष मुक्त संसद बनाए। लोकतंत्र मुक्त भारत, और प्रश्न मुक्त मीडिया के साथ-साथ सद्भाव मुक्त जनता बनाए। ट्वीट करते हुए प्रियंका ने कहा कि एक-एक करके सभी राज्यों की सरकार को गिराया जा रहा है। विपक्षी नेताओं को परेशान किया जा रहा है। जो बीजेपी में नहीं आएगा, वह जेल जाएगा। सोरेन को ईडी से परेशान कराना और उन्हें इस्तीफा देने के लिए मजबूर करना, दुर्भावनापूर्ण अभियान का हिस्सा है। बीजेपी को भ्रम है कि वह 140 करोड़ लोगों की आवाज को कुचल सकती है।

केंद्र सरकार निष्पक्षता को खत्म कर रही है

राजद नेता तेजस्वी यादव ने भी ईडी की कार्रवाई पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। पहले बिहार फिर चंडीगढ़ और अब झारखंड बीजेपी ने एक ही हफ्ते में लोकतंत्र को बर्बाद कर दिया। केंद्र सरकार निष्पक्षता को खत्म कर रही है।

विपक्षी नेताओं को दबाने का केंद्र कर रहा प्रयास

झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) नेता की गिरफ्तारी पर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद सौगत रॉय ने कहा कि यह विपक्ष को दबाने के सरकार के प्रयासों का हिस्सा है। ईडी और सीबीआई (केंद्रीय जांच ब्यूरो) सरकार के हथियार हैं।

अगले महीनें कई विपक्षी नेता होंगे गिरफ्तार

वहीं आम आदमी पार्टी की नेता और दिल्ली की मंत्री आतिशी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा, हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी केंद्र सरकार द्वारा लोकसभा चुनाव से पहले विपक्ष पर हमला करने का एक प्रयास है।

लोग जानते हैं कि झामुमो सरकार भ्रष्ट : सिन्हा

तमाम विपक्षी नेताओं के आरोपों पर भाजपा ने पलटवार किया है। हजारीबाग से भाजपा सांसद जयंत सिन्हा ने कहा कि हेमंत सोरेन कहते रहे कि अगर उन्होंने कुछ गलत किया है तो उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए। उन्हें गिरफ्तार किया गया है क्योंकि उन्होंने कुछ गलत किया है। उन्होंने कहा कि हम झारखंड के लोग देख सकते हैं कि यह सरकार कितनी भ्रष्ट है। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा कि ईडी एक स्वतंत्र एजेंसी है, कोई भी कानून से ऊपर नहीं है।

भारत ने एक बार फिर लगा दी लताड़

राजनीति में आतंकियों को जगह दे रहा कनाडा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत और कनाडा के बीच पिछले कुछ समय से रिश्ते ठीक नहीं हैं। खालिस्तान के मामले में कनाडा में बढ़ते प्रदर्शनों को लेकर भारत की ओर से कई बार चिंता और फटकार भी लगाई जा चुकी है। एक बार फिर से भारत ने कनाडा को लताड़ लगाई है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि कनाडा कुछ सालों से आतंकियों और चरमपंथियों को अपनी राजनति में जगह दे रहा है। कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने पिछले साल खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का कनेक्शन भारत से जोड़ा था, जिसे भारत ने खारिज कर दिया था। अब इस मामले में विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा है कि कनाडा ने जानकारी साझा करने के भारत के अनुरोध को नजरअंदाज किया है। जयशंकर ने भारत के प्रति कनाडा के हालिया व्यवहार के पीछे वहां की राजनीति में चरमपंथियों के शामिल होना बताया।

एक न्यूज चैनल से बात करते हुए विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा, ''पिछले कुछ सालों से कनाडा चरमपंथियों और आतंकवादियों को अपनी राजनीति में जगह दे रहा है। मेरा मानना है कि यह उनकी राजनीति की कमजोरी है।

कनाडाई पीएम ने कुछ नहीं शेयर किया

एस जयशंकर ने कहा कि इस पर कनाडाई पीएम ने हमसे कुछ नहीं शेयर किया और फिर बाद में सार्वजनिक तौर पर आरोप लगा दिए। वहीं, दूसरी ओर अमेरिका को देखिए। अमेरिका ने हमें जानकारी दी कि उनके पास अपराधियों के बारे में कुछ जानकारी है, और वे हमें अपनी तरफ से देखने के लिए कुछ जानकारी देंगे, और हम जानकारी का मिलान करेंगे और फिर मामले की जांच करेंगे। विदेश मंत्री ने इंटरव्यू में बताया कि कनाडा की राजनीति में अलगाववाद, उग्रवाद और हिंसा को जगह दी गई है, जबकि अमेरिका में ऐसी कोई दिक्कत नहीं है।

बीड़ी बनाती महिलाओं संग गुफ्तगू

मुर्शिदाबाद पहुंची भारत जोड़ो न्याय यात्रा

एजेंसी ▶▶| मुर्शिदाबाद

कांग्रेस नेता राहुल गांधी गुरुवार (1 फरवरी) को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में पहुंचे। यहां पर उन्होंने महिला बीड़ी वर्कर्स से मुलाकात की। राहुल ने महिलाओं से उनका हाल भी जाना। इसका एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें उन्हें महिला बीड़ी मजदूरों से बात करते हुए देखा जा सकता है। भारत जोड़ो न्याय यात्रा ने राज्य के उत्तरी हिस्से में मालदा जिले के रतुआ, बर्द्धमान जिले के देवीपुर के रास्ते पश्चिम बंगाल में फिर से प्रवेश किया।

राहुल न्याय यात्रा के जरिए अब तक पश्चिम बंगाल के छह जिलों का दौरा कर चुके हैं। इस दौरान न्याय यात्रा ने 523 किमी की दूरी तय की है। न्याय यात्रा दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार और उत्तर दिनाजपुर जैसे जिलों को कवर कर चुकी है।

राहुल ने किया जातिगत सर्वे का वादा

राहुल की न्याय यात्रा जब बुधवार (1 फरवरी) को मालदा जिले से गुजरी तो यहां उन्होंने लोगों को भी संबोधित किया। राहुल ने लोगों से कहा कि अगर उनकी पार्टी की सरकार देश में बनती है, तो देशभर में जातिगत सर्वे करवाया जाएगा। उन्होंने लोगों से राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ (आरएसएस) और बीजेपी पर नफरत और हिंसा फैलाने का आरोप भी लगाया। राहुल ने लोगों से ये भी कहा कि वह राज्य में मोहब्बत की दुकान खोलने आए हैं।

एएमयू मामले में सुप्रीम कोर्ट की महत्वपूर्ण टिप्पणी

'अल्पसंख्यक' का निर्णय आज के मानकों के आधार पर लेने की जरूरत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि क्या कोई समूह 'अल्पसंख्यक' है, इसका निर्णय वर्तमान मानकों के आधार पर किया जाना चाहिए न कि उस स्थिति के आधार पर जो भारत के संविधान के लागू होने से पहले मौजूद थी। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) के अल्पसंख्यक दर्जे से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान सात सदस्यीय संविधान पीठ ने यह टिप्पणी तब की जब वरिष्ठ वकील राकेश द्विवेदी ने कहा कि ब्रिटिश शासन के दौरान 1920 में एएमयू की स्थापना के समय मुस्लिम अल्पसंख्यक नहीं थे। द्विवेदी उन याचिकाकर्ताओं में से एक की ओर से पेश हो रहे थे, जिन्होंने एएमयू की अल्पसंख्यक स्थिति को चुनौती देते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट का रुख किया था। द्विवेदी ने कहा, मुसलमान होना एक बात है और अल्पसंख्यक होना दूसरी बात है।

सुको का संशय

हालांकि सीजेआई की पीठ ने संविधान के तहत अल्पसंख्यक स्थिति का आकलन करने के लिए पूर्व-सांविधानिक परिस्थितियों का इस्तेमाल करने के दृष्टिकोण पर संशय व्यक्त किया।पीठ ने कहा, जो सवाल उठाया गया है, वह यह है कि क्या एएमयू अल्पसंख्यकों की ओर से स्थापित और प्रशासित है। प्रासंगिक यह है कि क्या वे आज अल्पसंख्यक हैं।

डॉ. वाशानी दर-दाँत (गम पेंट)
बायो-डेंट गम पेंट, मुंह के छाले, दांत दर्द और जलन में लाभकारी यह आर्युवेदिक दवा है, यह हर्बल दवा 100 प्रतिशत सुरक्षित है
HMS देखकर खरीदें
94060-21769
हर्बल लेप शिव मस्सानाशक
शिव मस्सानाशक को 12-15 घटों तक लगाकर रखेंगे तो यह मस्से को शीघ्र हटा देगा। जब तक मस्सा न हट जाए, रोज 1-2 बार लगाना है। यदि लगाने के बाद किसी कारणवश लेप पुछ जाए तो पुन: लगा दें।
HMS शिव मस्सा नाशक

गौमांस रखवाकर खुद किया प्रदर्शन

गोकशी मामला : बजरंग दल के नेता समेत 4 गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶| मुरादाबाद

यूपी के मुरादाबाद में पुलिस ने गोकशी की दो घटनाओं को लेकर सनसनीखेज खुलासा किया है। पुलिस के मुताबिक, इसमें बजरंग दल का नेता भी शामिल था। मामले में आरोपी नेता सहित 4 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि, दो लोग अभी फरार हैं। उनकी तलाश में पुलिस की टीमें लगी हुई हैं। दरअसल, मामला 16 जनवरी का है जब थाना छजलैट इलाके के कांवड़ पथ पर गोवंश के अवशेष मिले थे। इसे लेकर काफी बवाल हुआ था। इसके कुछ दिन बाद फिर इसी तरह की घटना थाना छजलैट में हुई। 28 जनवरी को चेतरामपुर गांव में गोवंश पड़ा मिला। इसको लेकर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने थाने का घेराव कर जमकर हंगामा किया था।

ये है मामला

मामले में गिरफ्तार एक आरोपी शहाबुद्दीन ने कबूला की उसके भाई की कुछ लोगों ने हत्या कर दी थी। इसलिए अपने विरोधियों को फंसाने के लिए उसने बजरंग दल से जुड़े लोगों (अन्य आरोपियों) संग मिलकर एक योजना बनाई। क्योंकि, कथित तौर पर छजलैट थाना प्रभारी ने उसकी बात नहीं सुनी थी इसलिए उनके थाना क्षेत्र में गोकशी की घटना को अंजाम देना तय हुआ। शहाबुद्दीन ने अपने साथी नईम (निवासी सिकरी छजलैट) को रुपये देकर कांवड़ पथ पर गोवंश के अवशेष रखवा दिए।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 8223883311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Centre
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 9827000035
0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर
ई.एन.टी. हॉस्पिटल
(ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ष पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी
• जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
• ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल)
• गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन
(MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

विज्ञापन हेतु संपर्क करें :
7987119756, 9303508133

पेज एक के शेष

सोरेन हिरासत में...

की संभावित खरीद-फरोख्त नाकाम करने के लिए झामुमो और सहयोगी दलों ने यह कोशिश की। गठबंधन के कुछ विधायकों के अनुसार, उन्हें दो निजी विमानों से हैदराबाद ले जाने की योजना थी, जिनमें एक में 12 सीट और दूसरे में 37 सीट है। हालांकि, विधायकों को हैदराबाद ले जाने की योजना रद्द करनी पड़ी, क्योंकि इसके लिए किराये पर लिये गए निजी विमान हवाई अड्डे पर कम दृश्यता के कारण उड़ान नहीं भर सके। सूत्रों ने यह जानकारी दी। हैदराबाद, कांग्रेस-शासित तेलंगाना की राजधानी है। कांग्रेस राज्य में झामुमो-नीत गठबंधन का हिस्सा है। हवाई अड्डे पर करीब दो घंटे प्रतीक्षा करने के बाद विधायक सर्किट हाउस लौट गए, जहां वे ठहरे हुए हैं। इस बीच, पीएमएलए (धनशोधन निवारण अधिनियम) अदालत ने ईडी द्वारा बुधवार को गिरफ्तार किए गए पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को एक दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। वकीलों ने यह जानकारी दी। ईडी ने सोरेन का 10 दिन का रिमांड मांगा था। अदालत ने अपना आदेश शुक्रवार के लिए सुरक्षित रख लिया।

साड़ियों के बंडल ....

को पुलिस अधीक्षक राजेश कुकरेजा ने बताया कि मुखबिर से मिली सूचना पर पिकअप वैन क्रमांक सीजी 13 एयू 4670 को सरायपाली स्थित अग्रसेन चौक में रोका गया। उसमें सवार अरुण पिता जयपाल सिंह सिदार 18 वर्ष निवासी सराईपाली थाना सारंगढ़ हिरासत में लेकर पूछताछ की गई।

यह रहे कार्रवाई में शामिल : कार्रवाई में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश राव एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) सरायपाली अभिषेक केसरी के निर्देशन मे थाना प्रभारी निरीक्षक शिवानंद तिवारी, थाना सिंघोडा प्रभारी अमित शुक्ला, सायबर सेल प्रभारी संतोष सिंह एवं थाना सरायपाली टीम शामिल रही।

भाड़े की लालच .....

नकली नोट बरामद हुआ। जिस पर तत्काल थाना सरायपाली द्वारा वाहन चालक व उसके सथियों के विरुद्ध धारा 489 (ख)(ग) 34 अपराध पंजीबद्ध किया गया। व नकली नोटों को जब्त कर प्रकरण में शामिल अन्य आरोपियों तक पहुंचकर नकली नोटों के टकसाल तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है।

नाबालिग चचेरे भाई ....

के तोरण लाल साहू की हत्या उसके नाबालिग चचेरे भाई ने की है। मामले में अपचारी बालक को गिरफ्तार कर बाल संप्रेक्षण गृह भेज दिया गया है। चीचा गांव में बुधवार को चौथी कक्षा में पढ़ने वाले 10 वर्षीय बच्चे की निर्मम हत्या कर दी गई थी। बच्चे की स्कूल ड्रेस में लाश गौठान के निर्माणाधीन भवन की टंकी में मिली थी। उसकी गर्दन से लोहे की रॉड आर पार हो गई थी, वहीं सिर पर भी चोट के निशान थे।

अकेला पाकर किया विवाद : पूछताछ के दौरान ओरापी बालक ने पुलिस को बताया कि मृतक तोरण साहू खाने की छुट्टी होने पर अपने दोस्तों के साथ स्कूल से लगे तालाब के पास शौच करने आया था। इसी बीच तोरण और उनके चचेरे भाई के बीच विवाद हो गया। दोनों में झगड़ा बढ़ता देखकर तोरण के साथी वहां से भाग गए। उसके बाद तोरण अपने आप को बचाने के लिए गौठान की ओर भागा और गौठान का दीवार लांघकर अंदर जाकर छुप गया। **यह थी हत्या की वजह :** जनकारी के मुताबिक दोनों के परिवार में आए दिन जमीन सहित अन्य मामलों को लेकर विवाद होता था। बताया जा रहा है कि हत्या करने वाला अपचारी बालक 6 दिनों से गांव से गायब था। अनुमान लगाया जा रहा है कि बुधवार को दोनों परिवार के बीच होने वाले विवाद की रंजिश निकालने के लिए गांव पहुंचा था और वारदात को अंजाम देने के बाद अपने रिश्तेदार के घर छुप गया था।

पेटीएम को 300-500 .....

करने का बुधवार को निर्देश दिया था। यह कदम व्यापक प्रणाली ऑडिट रिपोर्ट और बाहरी ऑडिटरकी अनुपालन सत्यापन रिपोर्ट के बाद उठाया गया है। इन रिपोर्ट में भुगतान बैंक में लगातार नियमों के गैर-अनुपालन और सामग्री पर्यवेक्षण से जुड़ी चिंताएं सामने आईं हैं। पेटीएम ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया, इस कदम से कंपनी की वार्षिक कर पूर्व आय पर 300-500 करोड़ रुपए का असर पड़ने की आशंका है। हालांकि, कंपनी को उम्मीद है कि वह अपनी लाभप्रदता में सुधार के पथ पर आगे बढ़ती रहेगी। पेटीएम ने कहा, ओसीएल एक भुगतान कंपनी के रूप में विभिन्न भुगतान उत्पादों पर विभिन्न बैंकों (सिर्फ पेटीएम पेमेंट्स बैंक नहीं) के साथ काम करती है। प्रतिबंध से ओसीएल ने अन्य बैंकों के साथ काम करना शुरू कर दिया। अब हम योजनाओं में तेजी लाएंगे और पूरी तरह से अन्य बैंक साझेदारों की ओर बढ़ेंगे। भविष्य में ओसीएल केवल अन्य बैंकों के साथ काम करेगा, पीपीबीएल के साथ नहीं।आरबीआई ने आदेश में कहा था कि कि पेटीएम का संचालन करने वाली कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड और पेटीएम पेमेंट्स सर्विसेज के 'नोडल खातों' को 29 फरवरी से पहले जल्द-से-जल्द जल्द समाप्त किया जाना चाहिए। वन97 कम्युनिकेशंस के पास पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी है लेकिन वह इसे अपनी सहयोगी के रूप में वर्गीकृत करता है, न कि अनुषंगी कंपनी के रूप में। आरबीआई ने कहा कि पहले किए जा चुके लेनदेन और नोडल खातों का निपटान 15 मार्च 2024 तक पूरा किया जाए तथा उसके बाद किसी और लेनदेन की अनुमति नहीं दी जाएगी। इससे पहले, एनएचएआई की इकाई आईएचएमसीएल ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक को नए फास्टैग जारी करने से रोक दिया। उसने पाया था कि पीपीबीएल सेवा-स्तर समझौते में निर्धारित मानकों का पालन नहीं कर रही है।

बंद नहीं होगी यह सेवा : अगर आपके पास पेटीएम का ऐप है और पेटीएम के पेमेंट्स बैंक की सर्विस नहीं ले रहे हैं तो आपको इस फैसले से घबराने की जरूरत नहीं है। मतलब आप पहले की तरह आगे भी अपनी हर एक्टिविटी कर सकेंगे। उदाहरण के लिए मोबाइल रिचार्ज, पानी, बिजली बिल भुगतान आदि। इसमें आप बिल का भुगतान करते हैं तो पेमेंट यूपीआई के जरिए एसबीआई, एचडीएफसी जैसे अपने बैंक से करते हैं।

व्यास जी का तहखाना ....

के सदस्य जितेंद्र नाथ व्यास ने बताया कि अयोध्या स्थित नवनिर्मित मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का मुहूर्त निकालने वाले गणेश्वर द्रविड़ की अगुआई में बुधवार देर रात काशी विश्वनाथ मंदिर के पुजारी ने व्यास जी के तहखाने में पूजा कराई। इस दौरान जिलाधिकारी एस राजलिंगम, मण्डलायुक्त कौशल राज शर्मा और पुलिस आयुक्त अशोक मुथा जैन तथा मंदिर के कई ट्रस्टी मौजूद थे।

तकनीक-प्रेमी युवाओं ....

युवाओं के लिए 1 लाख करोड़ रुपए का कोष आवंटित करने की घोषणा की है। इसका लक्ष्य 'तकनीक-प्रेमी युवाओं के लिए स्वर्ण युग' बनाना है। इससे युवा नवीन विचारों के साथ आ सकेंगे और युवाओं के लिए रोजगार के अधिक अवसर पैदा होंगे। पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए ई-वाहन अब आवश्यक होते जा रहे हैं। इसके लिए सरकार ने विनिर्माण और चार्जिंग जैसी बुनियादी चीजों की ओर ध्यान दिया है। इससे इनके विकास में सहायता मिलेगी।

कार्यालय जिला बाल संरक्षण इकाई, जिला कोण्डागांव (छ.ग.)

दावा आपत्ति

1. बच्चे का नाम - अज्ञात बालक
2. बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत दिनांक - 29.01.2024
3. संस्था - विशिष्ट दत्तक ग्रहण अभिकरण, सेवा भारती मातृ छाया जगदलपुर छ.ग.
4. रंग - गोरा
5. उम्र - 14 दिन

उक्त बालक दिनांक 29.01.2024 को बाल कल्याण समिति कोण्डागांव के आदेश क्रमांक/396/जिबाकस / मि.वा. / 2024 कोण्डागांव, दिनांक 29.01.2024 से अस्थाई संरक्षण हेतु विशिष्ट दत्तक ग्रहण अभिकरण, सेवा भारती मातृ छाया जगदलपुर छ.ग. में संरक्षण प्राप्त है।

सर्व संबंधित को जो कि बालक के वैधानिक पालक अभिभावक होने का दावा आपत्ति दर्ज कराना चाहते हैं, प्रकाशन दिनांक से 30 दिवस के भीतर जिला बाल संरक्षण अधिकारी, जिला बाल संरक्षण इकाई, मिशन वात्सल्य महिला एवं बाल विकास विभाग कोण्डागांव अथवा विशिष्ट दत्तक ग्रहण अभिकरण, सेवा भारती मातृ छाया जगदलपुर जिला - बस्तर (छ.ग.) में अपना दावा आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। उक्त समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

यह विज्ञापन मेरे द्वारा जारी किया गया।

जिला बाल संरक्षण अधिकारी
जिला बाल संरक्षण इकाई
जिला कोण्डागांव (छ.ग.)

G-07454/1

कार्यालय वनमंडलाधिकारी, कोंडागांव वनमंडल, कोंडागांव जिला - कोंडागांव (छ.ग.)

विज्ञापन क्रमांक G-07393/3 में प्रकाशित नीलाम सूचना में तिथि संशोधन की सूचना

विज्ञापन क्रमांक G-07393 / 3 द्वारा प्रकाशित कोंडागांव वनमंडल के काष्ठागार कोंडागांव में "नीलाम तिथि 06/02/2024" के स्थान पर "नीलाम तिथि 07/02/2024" पढ़ा जावे । शेष नीलाम सूचना यथावत रहेगी ।

वनमंडलाधिकारी
कोण्डागांव वनमंडल कोण्डागांव

G- 07466/3

Directorate Veterinary Services. Chhattisgarh

IndrawatiBhawan, Block-3, Nawa Raipur Phone no.0771-2331393,94,95Faxn0.0771-2331392/95 email-dirvet.cg@nic.in

Tender Cancellation Notice

Tender Ref. No.: 7263/ NLM/LIS/E-PRO/DVS/2023-24/Nawa Raipur Atal Nagar Dated: 07.12.2023

निविदा शर्तो के अनुरूप आवश्यक अभिलेख की पूर्ति नहीं किये जाने के कारण निविदा क्रमांक 7263/ NLM /LIS E-PRO/DVS/2023-24/Nawa Raipur Atal Nagar Dated: 07.12.2023 को निरस्त किया जाता है

Director
Veterinary Services,
Chhattisgarh, Raipur

G-07455/2

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, सरायकेला

पत्रांक ..../सरायकेला दिनांक ....

:: शुद्धि–पत्र ::

इस कार्यालय के पत्रांक 102, दिनांक 24.01.2024 के द्वारा आमंत्रित निविदा (e-Procurement) notice no. RDD/SD/SKELLA/11/2023-24 को अपरिहार्य कारणों से निम्न प्रकार संशोधित किया जाता है, जिसका PR 317226 Rural Developmnet(23-24)#D है।

क्र0 सं0		संशोधित तिथि
2	वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि	दिनांकः 05.02.2024
3	ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय	दिनांक 05.02.2024 से दिनांक 10.02.2024 अपराह्न 5:00 बजे तक
5	निविदा खोलने की तिथि एवं समय –	दिनांक 12.02.2024 अपराह्न 2:00 बजे

अन्य शर्त्ते पूर्ववत् रहेंगी।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, सरायकेला

PR.NO.317600 Rural Development(23-24):D

कार्यालय नगर पालिक निगम बिलासपुर (छ.ग.)

जोन क्र.01 सकरी
मैनुअल निविदा सूचना

निविदा क्र./57/जोन क्र.01 सकरी/जन.कार्य .वि./2024 सकरी, दिनांक 01/02/2024

कार्यालय नगर पालिक निगम, बिलासपुर, जोन क्रं–01 (सकरी) में निम्नांकित कार्य हेतु एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से मैनुअल निविदा दिनांक 22/02/2024 को सायं 3:00 बजे तक पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट के माध्यम से निविदा आमंत्रित किया जाता है:–

क्र.	कार्य का नाम	प्राक्कलन राशि (लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	निविदा प्रपत्र	समयावधि	ठेकेदार की श्रेणी
1	वार्ड क्र.01, दलदलिहापारा में बोर खनन एवं पाईप लाईन विस्तार कार्य। (पी.एच. ई. एस.ओ.आर.01.06.2020)	2.54	2550/-	750/-	प्रपत्र–अ	एक माह	क्लास 'D' एवं उच्च
2	वार्ड क्र.03 साई नगर के सत्य नगर में सांस्कृतिक मंच निर्माण कार्य– पार्षद मद (पी. डब्लू.डी. भवन एस.ओ.आर. 01.01.2015)	6.00	5000/-	750/-	प्रपत्र–अ	तीन माह	क्लास 'D' एवं उच्च

नोट:– कार्य का विस्तृत विवरण/निविदा शर्ते एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय में देखी जा सकती है। जानकारी www.bilaspurnagarnigam.com में देखी जा सकती है।

जोन कमिश्नर, जोन क्र.01
न.पा.नि., बिलासपुर (छ.ग.)

वृक्षारोपण कार्य महान, एक वृक्ष सौ पुत्र समान

छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड

(छत्तीसगढ़ शासन का उपक्रम)
छ.ग. हाट परिसर, महालक्ष्मी कपड़ा मार्केट के पास, पण्डरी, रायपुर (छ.ग.)
Phone/Fax : 0771-4016500 Email:- cghandicrafts@gmail.com
Website :- www. cghandicraft.cgstate.gov.in

क्रमांक /1051/ हस्तशिल्प / विप./2023-24 रायपुर, दिनांक : 01/02/2024

:: निविदा आमंत्रण सूचना ::

जगार प्रदर्शनी - 2024 का आयोजन माह फरवरी - मार्च 2024 में किया जाना प्रस्तावित है। इस हेतु टेण्ट निर्माण एवं विद्युत कार्य हेतु पंजीकृत किराया भण्डारों / इवेंट मैनेजमेंट फर्मों एवं विद्युत ठेकादारों से सीलबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र राशि रू. 3000/- (अक्षरीय- तीन हजार रूपये मात्र) नगद भुगतान कर छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड, छत्तीसगढ़ हाट परिसर, पंडरी रायपुर से प्राप्त किया जा सकता है । किये जाने वाले कार्यो का विवरण एवं शर्ते निविदा प्रपत्र के साथ संलग्न है। निविदाएं दिनांक 04/03/2024 को दोपहर 12:00 बजे तक प्राप्त की जावेगी एवं उसी दिन अपरान्ह 03:00 बजे उपस्थित निविदाकार या उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जावेगी । निविदा बिना कोई कारण बतायें स्वीकार /अस्वीकार करने का अंतिम निर्णय प्रबंध संचालक के पास सुरक्षित रहेगा । निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी एवं शर्तो का अवलोकन विभागीय वेबसाईड http://cghandicraft.cgstate.gov.in पर किया जा सकता है ।

प्रबंध संचालक
छ. ग. हस्तशिल्प विकास बोर्ड
रायपुर (छ.ग.)

S- 39524/2

कार्यालय क्षेत्रीय प्रमुख

संचालनालय भौमिकी तथा खनिकर्म, क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर सोनाखान भवन रिंग रोड नं. 1, रविग्राम रायपुर - 492001 (छ.ग.)
टेलीफेक्स 0771-4052874, Email: rhraipur.dgm-cg@gov.in, rhdgmraipurcg@gmail.com

निविदा – सूचना

क्षेत्रीय प्रमुख, संचालनालय भौमिकी तथा खनिकर्म क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर के क्षेत्रीय कार्यों में उपयोग हेतु वर्ष 2023-24 के अन्तर्गत वाहन किराये पर लिये जाने हेतु मुहरबंद निविदाएँ आमंत्रित की जाती है । प्राप्त निविदाओं को कार्यालय द्वारा गठित समिति के समक्ष निविदाकर्ता अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों की उपस्थिति में खोला जावेगा । निविदा प्रपत्र संचालनालय भौमिकी तथा खनिकर्म, क्षेत्रीय कार्यालय सोनाखान भवन रिंग रोड नं.1, रविग्राम रायपुर से प्राप्त किया जा सकता है ।

क्र.	निविदा का संक्षिप्त विवरण	धरोहर राशि (रु.)
1.	क्षेत्रीय / कार्यालयीन कार्यों के प्रयोजन हेतु किराये पर वाहन लेने हेतु	30,000.00

- निविदा प्रपत्र का मूल्य - रूपये 1000.00 (रूपये एक हजार मात्र)
- निविदा प्रपत्र प्राप्त करने की तिथि एवं समय - 31.01.2024 प्रातः 10.00 बजे से 14.02.2024 अपरान्ह 02.00 बजे तक
- निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय - 14.02.2024 अपरान्ह 03.00 बजे तक
- निविदा प्रपत्र खुलने की तिथि एवं समय - 14.02.2024 अपरान्ह 04.00 बजे
- निविदाधरोहर राशि - रू. 30,000/- (रू. तीस हजार मात्र)

क्षेत्रीय प्रमुख
संचालनालय भौमिकी तथा खनिकर्म
क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर (छ.ग.)

G-07452/2

OFFICE OF THE COMMISSIONER MUNICIPAL CORPORATION RAIPUR (C.G.)

e–Procurement Tender Notice
Main Portal:http://eproc.cgstate.gov.in
(Call–1st call)

NIT NO:-611/Fin./RMC/2024 RAIPUR DATED : 01/02/2024

Online bids are invited for the following works of works up to 22/02/2024 at 17:30 hours.

S. No.	System Tender No.	Name of work / Description of work	Probable Amount
1	152336	"RFP for Engagement of Consultant Internal/ Pre-audit For Raipur Municipal Corporation all Works and Management reporting."	42.00 Lacs

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of chhattisgarh e-Procurement Portal https://eproc.cgstate.gov.in from 01/02/2024, 10:30 Hours (IST) on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above mentioned portal.

Note:- 1. All eligible / interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal.
2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. *Help Desk at Toll Free No.* 18002582502 or through Email ID *helpdesk.eproc@cgswan.gov.in*
3. For More Details please download NIT details.

घरों से निकलने वाले गीला व सूखा कचरें को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

ADDL. COMMISSIONER
MUNICIPAL CORPORATION
RAIPUR (C.G.)

कार्यालय, अधिष्ठाता

पं.ज.ने. स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर (छ.ग.)
Phone No. 0771-2525602, 2890001 (Fax) 0771-2523919 Email - ptjnm-mcr@rediffmail.com Website - www.ptjnmraipur.in

क्रमांक/चिकि./स्था.I, II / संविदा / 2024 / 1536 रायपुर, दिनांक. 31/1/2024

// विज्ञापन सूचना //

पंडित जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर हेतु शासन द्वारा स्वीकृत सेटअप अनुसार **सहायक प्राध्यापक, सीनियर रेसीडेंट, जूनियर रेसीडेंट** के स्वीकृत पदों के रिक्त 70 पदों पर आरक्षण रोस्टर अनुसार संविदा से भर्ती किये जाने हेतु दिनांक 05-02-2024 को वाक-इन-इण्टरव्यू आयोजित किया जा रहा है । इन्टरव्यू बोर्ड रूम, अधिष्ठाता कक्ष में आयोजित किया गया है। रिक्त पदों का विवरण महाविद्यालय के सूचना पटल पर चस्पा किया जावेगा । आवेदक निर्धारित तिथि को कार्यालयीन अवधि में अपने आवेदन साक्षात्कार स्थल पर अनिवार्य रूप से जमा करे। जिसमें पात्रतानुसार उम्मीदवार अपने समस्त मूल दस्तावेजों मय पासपोर्ट साईज फोटोग्राफ के साथ सम्मिलित हो सकते हैं । उक्त नियुक्ति छ.ग. चिकित्सा शिक्षा (राजपत्रित) संविदा सेवा भर्ती नियम 2012 की अधिसूचना के तहत होगी ।

विभागों की रिक्त पदों की उपलब्धता के अनुसार आवेदन की जॉच कर वॉक-इन-इन्टरव्यू लिये जायेंगे ।

उक्त पदों में आरक्षण नियम का पालन शासन के निर्देशानुसार करते हुये नियुक्ति की कार्यवाही की जावेगी ।

टीपः–
1. वॉक इन इन्टरव्यू प्रत्येक माह किया जावेगा। यदि उस दिन को शासकीय अवकाश होने पर उसी पद का अगले दिन वॉक इन इन्टरव्यू लिया जावेगा।
2. रिक्त पदों की जानकारी संस्था के नोटिस बोर्ड में चस्पा किया जावेगा।
3. रिक्त पदों की संख्या में कमी या वृद्धि की जा सकती है।
4. वाक इन इन्टरव्यू के आवेदन फार्म जमा करने का समय कार्यालीयन अवधि में दोपहर 12:00 बजे तक निर्धारित किया गया है।
5. समयावधि समाप्त होने पश्चात आवेदन फार्म जमा नही लिया जावेगा।
6. रिक्त पदों की विज्ञापन की सूची कॉलेज की वेबसाइट पर अवलोकन किया जा सकता है ।

अधिष्ठाता
पं. ज. ने.स्मृति चिकित्सा
महाविद्यालय रायपुर (छ.ग.)

G- 07456/2

Public Works Department

Sector-19, North Block, Naya Raipur (C.G.)

E-Procurement Tender Notice

E-mail: tenders-pwd.cg@gov.in

NIT No. 461/TC/EinC/ PWD/2023-24 Dated 24.01.2024

The Engineer-in-Chief, Public Works Department on behalf of Governor of Chhattisgarh invites percentage rate bids on electronic tendering system under RCPLWE RRP-III in the district of Kanker & Bijapur for construction of 01 road and 01 Bridge with estimated cost amounting Rs 1417.92 Lacs including their maintenance for five years from the contractors registered with unified registration system (e-registration) in Chhattisgarh. Non registered bidders may submit bid; however the successful bidder must get registered in appropriate class under "Unified Registration System (e- Registration) of Chhattisgarh before signing the agreement.

The bid document shall be available to bidders online free of cost and should be submitted online e-procurement system of government of Chhattisgarh in https://eproc.cgstate.gov.in. Bids form will be available on the website from 24.01.2024 and may be submitted up to 17:00 Hrs. on 09.02.2024.

For participating in bidding process, bidders are required to register in the above web-site with nominal fee of Rs 500/- to be paid onine to service provider. For submission of the bids, the bidder is required to have a valid Digital Signature Certificate (DSC) from authorized certifying authorities.

The bidders are required to submit (a) original bid security in approved form and (b) original affidavit duly verified and notarized as per clause 4.4 B (a) (ii) and 4.4 B (c)(i) to Chief Engineer, Tender Cell, First Floor, Nirman Bhawan, PWD, North Block, Sector-19, Naya Raipur (C.G.) 492-002 as per provisions of bid document through Speed/ Registered post, failing which the bids shall be declared non-responsive.

Detailed schedule of important dates may be seen on notice board of offices and also available on website of Public Works Department http://pwd.cg.nic.in

Chief Engineer
(Central Tender Cell)
Office of Engineer-In-Chief
P.W.D. Nava Raipur Atal Nagar (C.G.)

G-07437/3

कार्यालय कार्यपालन अभियंता

लोक निर्माण विभाग संभाग क्र. -2, सिरपुर भवन परिसर रायपुर (छ.ग.)

(निविदा आमंत्रण सूचना)

क्रमांक-564/NIT-29/2023-24 /नि.लि. दिनांक 31/01/2024

1. निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 12.02.2024 अपरान्ह 5.30 बजे तक
2. ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :- 19.02.2024 अपरान्ह 5.30 बजे तक
4. निविदा खोलने की तिथि :- 20.02.2024 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक
5. निविदा प्रपत्र की कीमत प्रत्येक हेतु (रू. में) :- रूपये 750.00
6. निविदा प्रपत्र का प्रकार :- प्रपत्र "A"
7. निविदाकारों की श्रेणी :- द-पंजीयन के अंतर्गत "द" से "अ" श्रेणी तक
8. कार्य पूर्ण करने की अवधि :- T0110 & T0111 हेतु 03 माह एवं T0112 हेतु 01 माह वर्षा ऋतु सहित ।

एन आई टी क्र. निविदा क्रं.	कार्य का नाम No of Calls	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में) अमानत राशि (रू.) बैंक साल्वेंसी (रू. में)
1	2	3
29 T0110	PETTY BAZAR SUPPLY IN KUTCHERYSECTION UNDER CONSTRUCTION SUB DIVISION NO.-2, RAIPUR (प्रथम आमंत्रण)	5.00 5,000.00 75,000.00
29 T0111	WHITE WASHING, COLOUR WASHING IN RESI. & NON RESIDENTIAL BUILDING AT KUTCHERY SECTION UNDER SUB DIVISION NO.-2 RAIPUR (प्रथम आमंत्रण)	19.00 14,250.00 2,85,000.00
29 T0112	INTERIOR BEAUTIFICATION AND FURNISHING WORK OF SHIVNATH, HASDEV, ARPA, PAIRI AND WITH CONNECTING VARANDA AT MAIN BANGLOW RAJBHAWAN RAIPUR (प्रथम आमंत्रण)	20.00 15,000.00 3,00,000.00

निविदा संबंधी शर्ते विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है । इनका अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग संभाग क्र.-2
रायपुर (छ.ग.)

G-07442/1

राशिफल

मेष – किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता के सानिध्य मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृष – व्यर्थ के क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। किसी मित्र से वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

मिथुन – आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। वाणी में मधुरता रहेगी। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां आ सकती है। परिश्रम भी अधिक रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कर्क – आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। तरक्की भी हो सकती है। आय बढ़ेगी।

सिंह – आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे, परन्तु धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें।

कन्या – मन में उतार–चढ़ाव रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। कार्यस्थल पर व्यर्थ के वाद–विवाद से बचें।

तुला – आत्मविश्वास में कमी रहेगी। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग–दौड़ अधिक रहेगी।

वृश्चिक – आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के अवसर मिलेंगे। आय में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

धनु – आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। परन्तु अति उत्साही होने से बचें। संयत रहें। माता का साथ मिलेगा। आय भी बढ़ेगी। संतान को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं।

मकर – माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के साधन बन सकते हैं। तरक्की के योग बन रहे हैं।

कुंभ – अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। भाइयों का सहयोग रहेगा।

मीन – शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मान–सम्मान की प्राप्ति होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा।

शब्द पहेली - 5412

बाएँ से दाए
1. ईष्ट कृपा, वर-4
3. मान का विलोम-4
8. शैतानी करना-4,3
10. झगड़ा, बैर-3
11. जंगल, वन-3
13. सर्दी से बचने के लिये जलाई गई लकड़ियों का ढेर-3
15. जलने के बाद बचे अवशेष-2
17. कार्य-2
18. पतवार-2
19. नमाज से पहले हाथ-पांव धोना-2
21. नमस्कार-3
25. बूंद-3
26. जिज्ञासा, लगन-3
27. आत्मोत्सर्ग करना-4,3
30. मां के माता-पिता-2,2
31. रपटना-4

ऊपर से नीचे
2. वलय, घेरा-3
4. तीन घंटे का समय-3
5. खिसकना-4
6. उन्मादी, मदमस्त-4
7. यज्ञ, होम-3
8. नगर-3
9. तिरस्कृत-3
12. रूप अभिमान-3
13. शांति-3
14. प्रतिज्ञा-3
16. सहभोज-3
20. मोजा, पायताबा-3
22. उदारता-4
23. परवरिश करना-3
24. वचन तोड़ना-4
25. लेखनी-3
28. लिखावट-3
29. अमीर, धनवान-3

शब्द पहेली- 5411 का हल

अ	मा	न	त	■	अ	■	बी	र	ब	ल
■	ला	■	वा	■	म	हि	मा	■	ल	व
म	■	■	य	की	न	■	र	■	■	कु
त	क	ली	फ	■	चै	त्र	■	क	ल	श
वा	■	ड	■	रा	न	■	गै	■	ह	■
ला	प	र	वा	ह	■	का	र	गु	जा	री
■	र	■	दा	■	अ	स्त	■	मा	■	मा
प्र	ख	र	■	पा	प	■	म	न	च	ला
जा	■	■	शा	■	ह	न	न	■	■	गू
प	र	■	पि	ह	र	■	ह	■	शा	■
ति	जा	र	त	■	ण	■	र	ह	म	त

सूडोकू नवताल - 5422

मध्यम

		5			8			3
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6			7			1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
6			2			7		

सूडोकू नवताल - 5421 का हल

9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

MANGAL SENACHA BANGALORE

चिंतन

समावेशी विकास को गति देने वाला बजट

अंतरिम बजट के चलते पहले से ही जैसी उम्मीद थी, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने किसी भी प्रकार के लोकलुभावन ऐलानों से परहेज किया। आयकर स्लैब को यथावत रखा गया है। कॉरपोरेट टैक्स में राहत दी गई है, पेंडिंग टैक्स 25 हजार व 10 हजार तक माफ किया गया है। अमृतकाल के इस दूसरे बजट में समावेशी विकास, सबके विश्वास और विकसित भारत विजन की अंतर्दृष्टि प्रस्तुत की गई है। इस बजट में अर्थव्यवस्था को दीर्घकालीन मजबूती देने का रोडमैप है। सड़क, रेल, एयरपोर्ट, सोलर व इलेक्ट्रिक एनर्जी, शोध व अनुसंधान, रक्षा तकनीक, ब्लू इकोनॉमी व डिजिटेक आदि भविष्य की अर्थव्यवस्था को विस्तार देने की योजना पेश की गई है। यह बजट ग्रोथ ओरिएंटेड है, इसमें मैक्रो व माइक्रो दोनों प्रबंधन हैं। वित्त मंत्री ने सरकार के फोकस वर्ग ज्ञान (गरीब, युवा, अन्नदाता व नारीशक्ति) पर अंतरिम बजट को केंद्रित किया है। इस बजट में मध्यम वर्ग का खास ध्यान रखा गया है। मध्यम वर्ग के लिए पहली बार अलग से आवास योजना शुरू करने की बात कही गई है। 2 करोड़ नए घर प्रधानमंत्री योजना के तहत बनाए जाएंगे। आशा वर्कर्स व आंगनबाड़ी में कार्यरत महिलाओं को आयुष्मान भारत योजना के दायरे में लाया गया है। सूर्योदय योजना के तहत एक करोड़ घरों में 300 यूनिट सोलर बिजली मुफ्त दी जाएगी। इससे बिजली आपूर्ति क्षेत्र में क्रांति आएगी। लखपति दीदी योजना के तहत 3 करोड़ लखपति दीदी बनाई जाएंगी। ब्लू इकोनॉमी 2.0 के तहत नई योजना शुरू की जाएगी। ज्ञान, आशा व आंगनबाड़ी वर्कर्स व मध्यवर्ग को लक्षित करने का मतलब एक बड़े वोटबैंक को साधना है। मोदी सरकार जबसे सत्ता में आई है, क्लास इंजीनियरिंग को लाभ देकर नया जनाधार तैयार किया है। इस बजट में भी क्लास वोटबैंक को लुभाने की बारीकी छिपी हुई है। अंतरिम बजट में गरीबी रेखा से बाहर आए नियो मिडिल कलास की आर्थिक समृद्धि बनाए रखने के लिए कई योजनाओं को रोलआउट किया गया है। दुनिया के विभिन्न हिस्सों में युद्ध और संघर्षों के कारण वैश्विक स्थिति अधिक जटिल और चुनौतीपूर्ण है, ऐसे भारत के सामने अपनी ग्रोथ को बरकरार रखने की महती चुनौती है। बजट में इस चुनौती से पार पाने की कोशिश है। 40,000 बोगियों को वंदे भारत स्टैंडर्ड में बदला जाएगा, 3 नए रेल कॉरिडोर बनेंगे। उड़ान स्कीम के तहत नए एयरपोर्ट बनेंगे, मौजूदा एयरपोर्ट का विस्तार होगा। इंफ्रास्ट्रक्चर बजट 11.1 फीसदी बढ़ाकर 11.11 लाख करोड़ रुपये किया गया है। रक्षा बजट के लिए सबसे ज्यादा 6.2 लाख करोड़ का आवंटन किया गया है, जो पिछले साल से 3.4 फीसदी ज्यादा है। मत्स्य संपदा योजना को बढ़ावा दिया जाएगा, इससे 55 लाख नए रोजगार मिलेंगे। टेक-सेवी यूथ के लिए एक लाख करोड़ रुपये का कोष बनाया जाएगा, 50 साल तक ब्याज नहीं लगेगा। वित्त मंत्री ने भविष्य की वैकल्पिक ऊर्जा को ध्यान में रखते हुए इलेक्ट्रिक, सोलर व ग्रीन हाइड्रोजन क्षेत्र को बढ़ावा देने का संकल्प दोहराया है। इलेक्ट्रिक वाहन को बढ़ावा देने के लिए 6,585 चार्जिंग स्टेशन बनाए जाएंगे। 2070 तक जीरो कार्बन एमिशन का लक्ष्य हासिल करना है। बजट में एफडीआई और जीडीपी को नए सिरे से परिभाषित किया गया है। एफडीआई यानी फर्स्ट डेवलपमेंट ऑफ इंडिया व जीडीपी यानी गवर्नेंस डेवलपमेंट एंड परफॉर्मेंस। भारत आत्मनिर्भर व विकसित अर्थव्यवस्था बनने के लिए संकल्पित है, इसलिए कृषि से लेकर उद्योग तक, कामगार से लेकर सेवा क्षेत्र तक सभी क्षेत्र के विकास पर ध्यान देना जरूरी है। सरकार बजट दर बजट यह प्रयास कर रही है, इस अंतरिम बजट में भी इसकी झलक है। राजकोषीय संतुलन का ध्यान रखा है। लक्षद्वीप सहित देश के पर्यटन स्थलों का विकास होगा। राज्यों के विकास को गति देने के लिए 50 वर्षीय दीर्घकालीन सस्ते ऋण देने के लिए 75 हजार करोड़ रुपये का कोष बनाया गया है। अमृतकाल के लिए सरकार ने ऐसी आर्थिक नीतियों को अपनाया है, जो टिकाऊ विकास, सभी के लिए अवसरों, क्षमता विकास पर केंद्रित है। सरकार रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म के साथ आर्थिक सुधारों को आगे बढ़ा रही है।

अंतरिम बजट

आर.के. सिन्हा

दशकों बाद बजट में रक्षा क्षेत्र के साथ हुआ न्याय

भारत ने एक बार फिर से शत्रुओं को साफ संकेत और सख़्त संदेश दे दिया कि वह अपनी सरहदों की निगाहबानी करने में कभी भी पीछे नहीं रहेगा। भारत अपने रक्षा क्षेत्र को निरंतर मजबूत करता रहेगा। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को लोकसभा चुनाव से पहले मोदी सरकार के अंतरिम बजट को देश के सामने पेश किया। उन्होंने बजट प्रस्तावों में रक्षा क्षेत्र के लिए पिछले वित्त साल की तुलना में 11.1 फीसद अधिक धन की व्यवस्था की। यह राशि देश के जीडीपी के कुल 3.4 फीसद होगी।यह एक स्पष्ट और सख़्त संदेश है कि चीन और पाकिस्तान जैसे दो घोषित शत्रुओं के साथ भारत कभी भी अपनी सीमाओं की रखवाली करने में कमजोर रहने वाला नहीं है। रक्षा क्षेत्र को लेकर सबसे अच्छी बात यह हो रही है कि भारत रक्षा उत्पादन में आत्म निर्भर बनने का संकल्प ले चुका है। नरेन्द्र मोदी के केन्द्र सरकार पर 2014 में सत्तासीन होने के बाद सरकार की कोशिश रही है कि हम अपनी रक्षा जरूरतों का उत्पादन खुद करें। भारत सरकार की 'आत्मनिर्भर भारत' पहल के अनुरूप और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए,सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में कई नीतिगत पहल की हैं और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) और स्टार्ट-अप सहित भारतीय उद्योग द्वारा रक्षा उपकरणों के स्वदेशी डिजाइन, विकास और निर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए सुधार लाए हैं, जिससे आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिला है। एक सुखद बात यह भी है कि टाटा, लार्सन एड टुब्रो, महिन्द्रा और जिंदल जैसे मशहूर उद्योग समूह रक्षा उत्पादन में निवेश कर रहे हैं। टाटा समूह रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में लंबी छलांग लगाने की तैयार कर चुका है। टाटा मोटर्स, टाटा पावर और टाटा एडवांस्ड मैटीरियल्स रक्षा उत्पादन के काम में खासतौर पर बहुत एक्टिव हैं। भारत के सालाना लगभग दो लाख करोड़ के रक्षा बाजार में कब्जा करने में टाटा समूह एक बड़े प्लेयर के रूप में ऊभर रहा है। भारत को अपने दुश्मनों से पूरी तरह से सुरक्षित रखने के लिए देश को इस क्षेत्र में हर हालत में एक स्तर तक तो आत्म निर्भर होना ही होगा। इस लिहाज से देश के निजी क्षेत्र पर बहुत बड़ी जिम्मेदारी आ जाती है। दरअसल स्टॉकहोम इंटरनेशनल ने अपनी एक हालिया रिपोर्ट में बताया है कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा हथियार आयातक देश है। रिपोर्ट के अनुसार, साल 2013-17 और 2018-22 के बीच भारत की हथियार खरीद में 11 प्रतिशत की कमी आई है, इसके बावजूद भारत हथियारों का सबसे बड़ा खरीदार देश बना हुआ है। बीते पांच सालों में दुनिया में जितने हथियार खरीदे गए, उनमें से 11 प्रतिशत अकेले भारत ने खरीदे। सऊदी अरब (9.6 फीसदी) खरीद के साथ दूसरे स्थान पर है। वहीं इनके बाद कतर (6.4%), ऑस्ट्रेलिया (4.7%) और चीन (4.7%) का नंबर आता है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा हथियारों का निर्यातक इसलिए बना क्योंकि वह चीन और पाकिस्तान जैसे देशों का पड़ोसी है। चीन और पाकिस्तान भारत को किसी ना किसी तरह से क्षति पहुंचाने की फिराक में रहते हैं। इसलिए भारत के पास अपने रक्षा बजट को लगातार बढ़ाने के अलावा कोई चारा नहीं बचता। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस सोच के चलते ही अपने अंतरिम बजट में रक्षा क्षेत्र को दिल खोल धन दिया। भारत की तरफ से पूरे विश्व को यह संदेश जाते रहना चाहिए कि हम रक्षा क्षेत्र को मजबूत करते हुए अपने अन्य क्षेत्रों की भी अनदेखी नहीं करेंगे। यह भी गौरतलब है कि भारत रक्षा निर्यात के क्षेत्र में एक बड़ी ताकत बनने जा रहा है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक पिछले नौ साल में देश में रक्षा निर्यात में 23 गुणा की बढ़ोतरी हुई है। फिलहाल 100 से अधिक कंपनियों के जरिए देश में रक्षा क्षेत्र से जुड़ा सामान का उत्पादन हो रहा है। इन्हें 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' के तहत बनाया जा रहा है।

(लेखक पूर्व सांसद हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

अंतरिम बजट

आलोक पुराणिक

अंतरिम बजट 2024-25 के पूरे बजट भाषण में वित्तमंत्री की ये 2 पंक्तियां सबसे महत्वपूर्ण हैं, जिनका आशय यह है कि आयकरदाताओं के कर दायित्व में कोई बदलाव नहीं है, वो जितना कर पहले दे रहे थे, वो ही कर उन्हें अब भी देना होगा। राहत अब भी उम्मीद है जो शायद 2024-2025 के पूरे बजट में पूरी हो भी सकती है, नहीं भी हो सकती है। पूरे बजट के लिए लोकसभा चुनावों के बाद की सरकार का इंतजार करना होगा। जिस आत्मविश्वास से बजट में आने वाले कई सालों की बात गई है, उसे देखकर लगता है कि केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण आश्वस्त हैं कि अगली कई सरकारें उन्हीं के गठबंधन की होंगी।

राहत के लिए पिक्चर अभी बाकी है

निर्मला सीतारमण अंतरिम बजट 2024-25 के भाषण में अपनी सरकार की करीब 10 साल की उपलब्धियां गिनवाईं और कोई नया बड़ा प्रस्ताव पेश नहीं किया। यूं अगर वह चाहती तो थोड़ी बहुत राहत कर आदि के मामले में खासकर मध्य वर्गीय करदाताओं को दे सकती थीं। पूरे बजट भाषण में वित्तमंत्री की ये 2 पंक्तियां सबसे महत्वपूर्ण हैं, जिनका आशय यह है कि आयकरदाताओं के कर दायित्व में कोई बदलाव नहीं है, वो जितना कर पहले दे रहे थे, वो ही कर उन्हें अब भी देना होगा। राहत की अब भी उम्मीद है जो शायद 2024-2025 के पूर्ण बजट में पूरी हो भी सकती है, नहीं भी हो सकती है। पूरे बजट के लिए लोकसभा चुनावों के बाद की सरकार का इंतजार करना होगा। जिस आत्मविश्वास से बजट में आने वाले कई सालों की बात गई है, उसे देखकर लगता है कि केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण आश्वस्त हैं कि अगली कई सरकारें उन्हीं के गठबंधन की होंगी। आत्मविश्वास तो भविष्य पर निर्भर है। कुल मिलाकर कर आयकर आदि को लेकर हालात जस के तस हैं, पर सरकार के तेवर चुनावी हैं और अंतरिम बजट के मौके का बखूबी इस्तेमाल किया सरकार ने अपनी उपलब्धियां गिनाने के लिए। यह भी कहा जा सकता है कि सरकार ने आयकरदाताओं की जेब से और कर नहीं खींचा है, तो इसे सकारात्मक ही मानना चाहिए। सरकार अगर आपसे कुछ नया नहीं ले रही है, तो समझिये कि आपको दे ही रही है। यह एक दृष्टिकोण है स्थितियों को समझने का। अंतरिम बजट के मुताबिक 23-24 में राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद का 5.8 प्रतिशत रहेगा। 24-25 में यह राजकोषीय घाटा 5.1 प्रतिशत रहने के अनुमान हैं। 25-26 में यह राजकोषीय घाटा 4.5 प्रतिशत रहने के अनुमान है। लक्ष्य चुनौतीपूर्ण है, पर आकर्षक है।

भारत और मालदीव के बीच हाल में एक विवाद खड़ा हो गया था। मालदीव सरकार के कुछ महत्वपूर्ण लोगों ने प्रधानमंत्री मोदी के लक्षद्वीप दौरे पर आपत्ति जताई। अब अंतरिम बजट में पर्यटन विकास की बात कही गई हैं। पर्यटन अपने आप में महत्वपूर्ण क्षेत्र है, उस पर जल्द से जल्द काम होना चाहिए, पर यह सिर्फ केंद्र सरकार की इच्छा का मसला नहीं है। राज्य सरकारों का सहयोग भी इसमें जरूरी है। लक्षद्वीप का विकास होगा।

प्रति व्यक्ति आय करीब 9 सालों में दोगुनी होकर 1 लाख 97 हजार रुपये हो गई है। नौ सालों में अर्थव्यवस्था विश्व में दसवें नंबर से उठकर पांचवें नम्बर पर आ गई स्वच्छ भारत मिशन के तहत 11.7 करोड़ शौचालय निर्मित हुए। उज्ज्वला योजना में करीब 9.6 करोड़ गैस कनेक्शन दिए गए। 47.8 करोड़ पीएम जनधन बैंक खाते खोले गए। 11 करोड़ 40 लाख किसानों को 2.2 लाख करोड़ रुपये का ट्रांसफर हुआ पीएम किसान सम्मान निधि में। ये कुछ उपलब्धियां गिनवाई हैं।

यानी अंतरिम बजट 2024-25 के जो मुख्य बिंदु बताए गए हैं, वो दरअसल चुनाव बिंदु हैं और चुनाव के बाद असल में बजट के असली प्रावधान पेश किए जाएंगे। इस तरह से अंतरिम बजट को हद से हद एक घोषणापत्र ही कहा जा सकता है, घोषणा बाद में बदल

सकती है। पर एक महत्वपूर्ण घोषणा यह है कि पूंजीगत व्यय में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की जाएगी, इसे 11.1 प्रतिशत बढ़ाकर 11,11,111 करोड़ रुपये किया गया है, जो जीडीपी का 3.4 प्रतिशत है, यह निश्चय ही बहुत बड़ी बढ़ोत्तरी है। पूंजीगत व्यय से आशय ऐसे व्यय से है, जिसमें पुल, सड़क आदि बनते हैं, अर्थव्यवस्था में कंस्ट्रक्शन होता है, तो अर्थव्यवस्था में चौतरफा सकारात्मक असर होता है, इसलिए कंस्ट्रक्शन चाहे जैसे हो, अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण और सकारात्मक ही माना जाना चाहिए।

बजट की राजनीति होती है। बिना राजनीति के बजट हो नहीं सकता। पीएम मोदी ने बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह बजट विकसित भारत के 4 स्तंभ- युवा, गरीब, महिला और किसान, को सशक्त करेगा। बिहार के जाति सर्वेक्षण के बाद जाति की राजनीति पर नये सिरे से चर्चा शुरु हो गई थी। इसके जवाब में प्रधानमंत्री का आशय है कि जातियां चार हैं-युवा, गरीब, महिला और किसान, इन्हे ताकत दी जाए तो समाज सशक्त होता है। बजट में सरकार का दावा रहा कि महंगाई नरम स्तर पर रही है। रिजर्व बैंक आफ इंडिया के मुताबिक चार प्रतिशत की महंगाई दर से ऊपर या नीचे, दो प्रतिशत बिंदुओं की हेरफेर तो सहनीय है। दिसंबर 2023 में रिटेल महंगाई दर 5.69 प्रतिशत रही है। यानी रिजर्व बैंक की तय की गई उच्चतम सीमा छह प्रतिशत के करीब महंगाई है। इसे नरम महंगाई नहीं माना जा सकता, पर यह महंगाई नियंत्रण सिर्फ रिजर्व बैंक के बस की बात नहीं है। इसके लिए कृषि सुधार जरूरी हैं। आलू, प्याज, टमाटर की महंगाई के वजह से समग्र महंगाई का गणित बिगड़ जाता है। खाद्य महंगाई नियंत्रण जरूरी है।

40,000 सामान्य रेल डिब्बों को 'वंदे भारत' मानकों के अनुरूप बदला जाएगा, यह बहुत बड़ा कदम है। रेलवे में बदलाव आ रहा है। धीमे-धीमे रेलवे आधुनिकीकरण की तरफ बढ़ रही है, पर रेलों के लेट होने की समस्या अब भी बनी हुई है। इसमें सुधार दिखाई नहीं पड़ता। अंतरिम बजट ने सरकार की पीठ थपथपायी यह बताकर कि देश में हवाई अड्डों की संख्या दोगुनी हो गई है और यह 149 पर पहुंच गई है। 517 नए हवाई मार्ग 1.3 करोड़ यात्रियों को उनके गंतव्य पर पहुंचा रहे हैं। देश की विमानन कंपनियों ने 1000 से ज्यादा नए विमानों के आर्डर दिए हैं। देश का नागरिक विमानन पक्के तौर पर एक नई कहानी लिख रहा है, पर इस नई कहानी के मुताबिक महानगरों के हवाई अड्डों के इन्फ्रास्ट्रक्चर अभी भी पिछड़ रहा है। इस पर काम किए जाने की जरूरत है। निर्माण ठीक है, पर गुणवत्ता वाला निर्माण जरूरी है। दिल्ली के हवाई अड्डों पर कई बार ऐसी अराजकता के हाल दिखते हैं, जैसे कई बस अड्डों पर देखे जा सकते हैं।

टैक्स रिटर्न प्रोसेस करने की औसत समय-सीमा 2013-14 में 93 दिन थी यह घटकर दस दिन रह गई। तकनीक के मामले में इस सरकार का रिपोर्ट कार्ड जोरदार रहा है। बजट में राजनीति साफ दिखती है, जब बजट श्वेतपत्र लाने की बात करता इस सवाल पर कि हम 2014 में कहां थे और 2024 में हम कहां हैं। अंतरिम बजट बताता है कि वर्ष 2014 में अर्थव्यवस्था में सुधार और प्रशासन प्रणाली को पटरी पर लाने की जिम्मेदारी थी। तब समय की जरूरत थी-निवेश आकर्षित करना, बहुप्रतीक्षित सुधारों के लिए समर्थन जुटाना, लोगों में उम्मीद जगाना। अब यह देखने का उचित समय है कि 2014 तक हम कहां थे और अब कहां हैं। सरकार इस संबंध में सदन के पटल पर श्वेत पत्र रखेगी जो मोटे तौर पर कांग्रेस की यूपीए सरकार बनाम भाजपा की एनडीए सरकार के बीच का तुलनापत्र होगा। तो कुल मिलाकर अभी पिक्चर बाकी है, बजट बाकी है, लोकसभा चुनावों के बाद ही असली और फाइनल बजट आएगा वित्त वर्ष 2024-25 के लिए। उसमें उम्मीदें पूरी हों।

(लेखक वरिष्ठ आर्थिक पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

हर युग में प्रासंगिक 'महादेव'

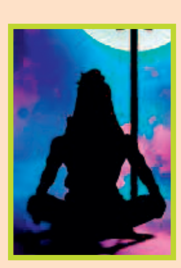

संकलित

दर्शन

कुछ दिन पहले किसी ने मुझसे पूछा कि क्या मैं आदियोगी शिव का प्रशंसक हूं। प्रशंसक होने का अर्थ है कि उसकी भावनाओं से जुड़ जाना। मेरे साथ ऐसा नहीं है। मैं शिव को महत्वपूर्ण इसलिए मानता हूं, क्योंकि उनका योगदान काल के परे है। इसलिए वे सदा प्रासंगिक हैं। किसी भी पीढ़ी में किसी इंसान की प्रशस्ति उस योगदान के लिए की जाती है, जो उसने उस पीढ़ी या आने वाली पीढ़ियों के लिए किया है। इस धरती पर कई ऐसे लोग आए हैं, जिन्होंने दूसरों के जीवन में योगदान किया है। जो उस समय की जरूरत के अनुसार था, वह उसे लेकर आया। गौतम बुद्ध के समय समाज कर्मकांडों में लिपटा हुआ था। जब उन्होंने बिना किसी कर्मकांड के आध्यात्मिक प्रक्रिया शुरू की तो वह लोकप्रिय हो गए। अगर समाज में कर्मकांड नहीं होते, तो वह इतने महत्वपूर्ण नहीं होते। कृष्ण बहुत महत्वपूर्ण थे, लेकिन फिर भी, यदि पांडवों और कौरवों के बीच युद्ध नहीं होता, तो वह सिर्फ अपने आसपास की जगहों पर प्रभावशाली होते। आदियोगी या शिव का महत्व यही है कि उनके साथ ऐसी कोई घटना नहीं हुई। कोई युद्ध नहीं हुआ, कोई टकराव नहीं हुआ। उन्होंने मानव चेतना को इस प्रकार से विकसित करने के साधन और तरीके दिए कि वे हर युग में प्रासंगिक रहें। हमने उन्हें महादेव की उपाधि दी, क्योंकि उनके योगदान के पीछे की बुद्धि, दृष्टि और ज्ञान अद्भुत है।

अर्जुन को अपनी विद्या पर था घमंड

संकलित

प्रेरणा

महाभारत का प्रसंग है। कोरव और पांडवों का युद्ध तय हो गया था। दोनों ही पक्ष युद्ध की तैयारियां कर रहे थे। उस समय अर्जुन ने एक पर्वत पर देवराज इंद्र से दिव्यास्त्र पाने के लिए तप किया। देवराज इंद्र प्रकट हुए और उन्होंने कहा कि मुझसे दिव्यास्त्र लेने से पहले तुम्हें शिव जी को प्रसन्न करना होगा। इंद्र देव की बात मानकर अर्जुन ने शिव जी को प्रसन्न करने तप शुरू कर दिया। जिस जगह अर्जुन तप कर रहे थे, वहां एक दिन एक जंगली सूअर आ गया। सूअर एक मायावी दैत्य था। अर्जुन ने जैसे ही जंगली सूअर को देखा, उन्होंने अपने धनुष पर बाण चढ़ा लिया। तभी वहां किरात वनवासी पहुंच गया। किरात वनवासी कोई और नहीं, बल्कि शिवजी ही थे, जो वेष बदलकर आए थे। वनवासी ने अर्जुन को बाण चलाने से रोक दिया और कहा कि ये मेरा शिकार है। ये बात सुनने के बाद भी अर्जुन ने तीर सूअर की ओर छोड़ दिया। वनवासी ने भी उसी समय बाण छोड़ दिया। अर्जुन और वनवासी के बाण एक साथ उस सूअर को लगे। सूअर तो मर गया, लेकिन इन दोनों के बीच विवाद होने लगा। ये विवाद युद्ध तक पहुंच गया। युद्ध के बीच में वनवासी का एक बाण अर्जुन को लग गया। इसके बाद अर्जुन ने कुछ देर के लिए युद्ध रोका और मिट्टी का एक शिवलिंग पूजा की। पूजा में जो माला अर्जुन ने शिवलिंग पर चढ़ाई थी, वह उस वनवासी के गले में दिखाई देने लगी। ये देखकर अर्जुन समझ गए कि ये स्वयं शिव जी ही हैं।

विकास के पक्के इरादों का बजट

विश्लेषण

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

वरिष्ठ अर्थशास्त्री

यकीनन वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा पेश किया गया वर्ष 2024-25 का अंतरिम बजट आम आदमी की खुशहाली और देश के तेजी से विकास के दावों, वादों, इरादों और वित्तीय अनुशासन का आदर्श गुलदस्ता है। इस बजट में गरीबों, किसानों, महिलाओं, युवाओं, ग्रामीण विकास और बुनियादी ढांचा क्षेत्र के लिए जो अहम घोषणाएं की गई हैं, उनसे विकास और आर्थिक कल्याण का नया अध्याय लिखा जा सकेगा। साथ ही यह अंतरिम बजट विकास का ऐसा रोडमैप भी है, जिससे 2047 तक दुनिया का विकसित देश बनने की डगर पर आगे बढ़ता दिखाई दे सकेगा।

यदि हम वित्तमंत्री सीतारमण के द्वारा अंतरिम बजट में प्रस्तुत किए गए वर्ष 2023-24 के आय-व्यय से संशोधित अनुमान की स्थिति देखें तो पाते हैं कि उधार को छोड़कर कुल प्राप्तियों का संशोधित अनुमान 27.56 लाख करोड़ रुपये है, जिसमें से कर प्राप्ति 23.24 लाख करोड़ रुपये है। कुल व्यय का संशोधित अनुमान 44.90 लाख करोड़ रुपये है। 30.03 लाख करोड़ की राजस्व प्राप्ति बजट अनुमान से अधिक रहने की उम्मीद है, जो अर्थव्यवस्था में मजबूत विकास दर और इसके औपचारीकरण को दर्शाता है। इसी तरह वर्ष 2024-25 के बजट के तहत उधारी से इतर कुल प्राप्तियां और कुल व्यय क्रमशः 30.80 लाख करोड़ और 47.66 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। कर प्राप्तियां 26.02 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान है।

निःसंदेह देश की आजादी के बाद से अब तक जितने अंतरिम बजट आए हैं, उन सभी बजटों में वित्तीय अनुशासन के मद्देनजर वित्तमंत्री सीतारमण का यह बजट चमकता दिखाई दे रहा है। खासतौर वर्ष 2000 के बाद प्रस्तुत हुए तीन अंतरिम बजटों में लोक लुभावन घोषणाएं की गई थी और कर उपायों की अनदेखी की गई थी। साथ ही पिछले लोकसभा चुनाव के पहले कार्यवाहक वित्तमंत्री पीयूष गोयल के वर्ष 2019-2020 के अंतरिम बजट में किसान सम्मान निधि व आयकर राहत देने जैसे जरूरी प्रावधान शामिल किए थे, लेकिन लोकसभा चुनाव 2024 के पूर्व प्रस्तुत किए गए इस अंतरिम बजट में वित्तमंत्री सीतारमण ने वैसी छोटी-बड़ी लोक लुभावन योजनाओं और रियायतों के कोई तोहफे नहीं दिए हैं। निःसंदेह अंतरिम बजट 2024-25 की तस्वीर में यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने गरीबों, किसानों, महिलाओं, युवाओं, ग्रामीण विकास बुनियादी ढांचा विकास के

सशक्तिकरण और प्रगति के अध्याय को आगे बढ़ाया है। कहा गया है कि कोविड संबंधी चुनौतियों के बावजूद पीएम-आवास योजना (ग्रामीण) के तहत तीन करोड़ मकानों का लक्ष्य जल्द ही हासिल किया जाएगा। अगले पांच वर्षों में 2 करोड़ अतिरिक्त मकानों का लक्ष्य लिया जाएगा। आयुष्मान भारत योजना के तहत सेवा सुरक्षा में सभी आशा कार्यकर्ताओं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को भी शामिल किया जाएगा। लॉजिस्टिक्स कुशलता को बेहतर करने और लागत घटाने के लिए पीएम गतिशक्ति के तहत तीन प्रमुख आर्थिक गलियारा कार्यक्रमों की पहचान की गई है। ऊर्जा, खनिज एवं सीमेंट गलियारा पत्तरन संपर्कता गलियारा, अधिक यातायात वाला गलियारा, 40,000 सामान्य रेल डिब्बों को 'वंदे भारत' मानकों के अनुरूप बदला जाएगा। इस समय जब दुनिया में भारत पर्यटकों के नए आकर्षक देश के रूप में आगे बढ़ा रहा है तब अंतरिम बजट पर्यटन को बड़े प्रोत्साहन देते हुए दिखाई दे रहा है। देश के पर्यटन केन्द्रों को वहां उपलब्ध सुविधाओं और सेवाओं की गुणवत्ता के आधार पर रेटिंग देने के लिए एक फ्रेमवर्क बनाया जाएगा। इस प्रकार की गतिविधियों का वित्त पोषण करने के लिए राज्यों को मैचिंग के आधार पर ब्याज मुक्त दीर्घावधि ऋण दिया जाएगा। 'विकसित भारत' के लिए राज्यों में सुधार के तहत राज्य सरकारों द्वारा विभिन्न' पड़ावों से जुड़े सुधार के लिए 50 वर्ष के ब्याज मुक्त ऋण के रूप में 75,000 करोड़ रुपये के प्रावधान का प्रस्तावित है। ब्लू इकोनॉमी 2.0 के लिए नई जलवायु गतिशील योजना आरंभ की जाएगी डेयरी किसानों की सहायता के लिए व्यापक कार्यक्रम की रूपरेखा बनाई जाएगी। नए मेडिकल कॉलेजों के विभिन्न विभागों में वर्तमान अस्पतालों की बुनियादी सुविधाओं को उपयोग में लाया जाएगा। मौजूदा अस्पतालों की बुनियादी सुविधाओं का निरीक्षण करने और मेडिकल कॉलेज खोलने के बारे में सिफारिश के लिए समिति का गठन किया जाएगा। सरकार माताओं और बच्चों के स्वास्थ्य की देखभाल के लिए विभिन्न योजनाओं में तालमेल स्थापित करेगी। डिजिटल इंडिया पहल को और मजबूती देने के लिए नया यू-विन प्लेटफॉर्म शुरू होगी सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए 9 से 14 वर्ष की आयु की बालिकाओं के लिए टीकाकरण कार्यक्रम चलाया जाएगा। बेहतर पोषण उपलब्ध कराकर प्रारंभिक बाल्यलवस्था् देखरेख एवं विकास के लिए 'सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0' के अंतर्गत आंगनवाड़ी केन्द्रों के उन्नयन में तेजी लाई जाएगी, लेकिन ऐसे विभिन्न जरूरतमंद वर्ग जो तत्काल रियायतों की अपेक्षा कर रहे थे, उन्हें अवश्य निराशा हुई है। इनमें वेतनभोगी वर्ग के लाखों छोटे आयकरदाता और मध्यम वर्ग के लोग भी हैं। इन्हें चालू वित्त वर्ष 2023-24 के बजट में टैक्स संबंधी कोई उपयुक्त राहत नहीं मिली थी।

इसके बावजूद वित्तमंत्री सीतारमण के द्वारा प्रस्तुत वित्त वर्ष 2024-25 का अंतरिम बजट स्वागत योग्य है। चूंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार वित्तीय अनुशासन की दृढ़ता दिखा रहे है। ऐसे में केंद्र को अपने घाटे को चालू वर्ष 2023-25 में जीडीपी के 5.9 फीसदी के लक्ष्य से भी कम 5.8 फीसदी पर सीमित रखना एक बड़ी उपलब्धि है साथ ही वर्ष 2024-25 का लक्ष्य 5.1 फीसदी और 2025-26 में 4.5 फीसदी तक लाने का लक्ष्य भी सराहनीय है। ऐसे में हम उम्मीद करें कि यह अंतरिम बजट आने वाले महीनों में मजबूत आर्थिक सुधार और तेज विकास का आधार बन सकता है। साथ ही 2024 आम चुनाव के बाद पेश किया जाने वाला वर्ष 2024-25 का पूर्ण बजट विकास की नई बुनियाद बन सकेगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं।)

ट्रेंड

आयुष्मान योजना का लाभ

मोदी जी ने आयुष्मान भारत योजना से अभी तक 30 करोड़ से अधिक लोगों को 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज देने का काम किया है। आज बजट में आयुष्मान योजना से आशा व आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को जोड़ने का फैसला लिया गया।

-अमित शाह, गृह मंत्री

म्यांमार में बढ़ता संकट

सेना द्वारा लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को पलटने के तीन साल बाद भी म्यांमार में संकट लगातार बिगड़ता जा रहा है। मैं म्यांमार के लोगों और एक समावेशी, शांतिपूर्ण और न्यायपूर्ण समाज की उनकी इच्छा के साथ एकजुटता से खड़ा हूं।

-एंटोनियो गुतरेस, यूएन महासचिव

सोरेन को कर रहे प्रताड़ित

झारखंड मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को केंद्र की तानाशाह सरकार प्रताड़ित कर रही है। भाजपा के यह घिनौने हथकंडे के लिए परेशान तो कर सकते हैं पर हाशियों पर रहने वाले समूहों के संकल्प को पराजित नहीं कर सकते।

-लालू प्रसाद यादव, आरजेडी प्रमुख

बजट पर नाटक करते हैं

कई वर्षों से, मैं कहता रहा हूं कि हम बजट के इर्द-गिर्द बहुत अधिक नाटक रचते हैं और नीतिगत घोषणाओं की अपेक्षाओं को अवास्तविक रूप से उग्र स्तर तक बढ़ा देते हैं। बजट आवश्यक रूप से परिवर्तनकारी नीतिगत घोषणाओं का अवसर नहीं है।

-आनंद महिंद्रा, उद्योगपति

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

एडवाइस / शिखर चंद जैन

कुछ बच्चे एग्जाम के दिनों में बहुत ज्यादा स्ट्रेस में आ जाते हैं। वे एग्जाम प्रिपरेशन को लेकर घबराए रहते हैं। अगर तुम्हारे साथ भी ऐसा है तो हम तुम्हें एग्जाम की प्रिपरेशन के लिए कुछ टिप्स दे रहे हैं। इन्हें अमल में लाकर तुम जब प्रिपरेशन करोगे, तुम्हें कोई स्ट्रेस नहीं होगा, तुम बहुत आसानी से अपने एग्जाम की प्रिपरेशन कर सकोगे।

जब ऐसे करोगे प्रिपरेशन नहीं रहेगी एग्जाम की टेंशन

बच्चों, एनुअल एग्जाम शुरू होने वाले हैं। शायद तुम्हें घबराहट हो रही होगी। लेकिन जब तुम कुछ बातों को ध्यान में रखोगे, डिसिप्लिन के साथ अपना डेली रूटीन अपनाओगे तो तुम्हें कोई टेंशन नहीं होगी। जानो, एग्जाम की सही ढंग से प्रिपरेशन कैसे हो?

रोज का बनाओ टाइम टेबल: बच्चों, आज का काम कल पर टालना और तैयारी का सारा बोझ अंतिम समय पर डालना, ये दोनों बहुत बड़ी

गलतियां हैं। ऐसा कभी मत करो। अभी से रोज सुबह, दोपहर और शाम का टाइम टेबल बनाकर अपने सभी विषयों की पढ़ाई करो। जिस विषय में तुम कमजोर हो, उसे ज्यादा समय दो। इसी तरह जिनमें ठीक-ठाक तैयारी हो, उन्हें थोड़ा-सा कम समय देने से भी काम चलेगा। रोज पढ़ाई करने से फायदा यह होगा कि तुम्हें अपना सिलेबस बोझ नहीं लगेगा। तुम्हारे पास जब पर्याप्त समय रहेगा तो तुम सभी विषयों की तैयारी अच्छी कर सकोगे।

सभी पाठ्य सामग्री साथ रखकर पढ़ाई करो: हड़बड़ी में हमेशा गड़बड़ी होती है। इसलिए तुम्हें पूरी तरह व्यवस्थित, शांत और संयत रहना चाहिए। अपने पढ़ने की एक जगह फिक्स कर लो। जब भी पढ़ने बैठो, विषय से संबंधित सारी किताबें, कॉपियां, पेन, पेंसिल, रेफरेंस बुक्स आदि साथ में लेकर बैठो ताकि तुम्हें बार-बार उठना ना पड़े। बार-बार बीच में किताबें या कॉपियां ढूंढ़ने से पढ़ाई का तारतम्य और एकाग्रता टूटती है। साथ ही समय नष्ट होता है। ऐसे में कई बार पढ़ने का मन भी नहीं करता है।

लिखकर याद करो: कई बार किसी टॉपिक को पढ़ने के बाद हमें यही लगता है कि वो हमें याद हो गया, लेकिन वास्तव में ऐसा होता नहीं है। सिर्फ पढ़ लेने से विषय को लंबे समय तक याद रखना संभव नहीं है। बेहतर यही होगा कि जो तुम पढ़ते हो, उसे एक-दो दिन बाद अपनी कॉपी में लिखने की आदत डालो। इससे तीन फायदे हैं। पहला फायदा, सब्जेक्ट का रिवीजन हो जाएगा। दूसरा फायदा, तुम्हारे अलग नोट्स तैयार हो

जाएंगे, जो किताबी भाषा से अलग होंगे। तीसरा फायदा, पढ़ते समय तुम सब्जेक्ट को रटने की बजाय समझने की कोशिश करो, क्योंकि तुम्हें एग्जाम में लिखना होगा।

स्टिकी नोट्स की भी हेल्प लो: कुछ ऐसे सब्जेक्ट और इनसे जुड़ी बातें ऐसी होती हैं, जिन्हें बच्चे बार-बार भूल जाते हैं। जैसे किसी के लिए इतिहास में लिखे महत्वपूर्ण साल और तारीखें याद करना मुश्किल हो जाता है, तो किसी के लिए भूगोल में भौगोलिक स्थानों की ऊंचाई वगैरह, जबकि कुछ विद्यार्थियों के लिए मैथ के फार्मूले याद करना मुश्किल होता है। ऐसे में स्टिकी नोट्स बनाकर अपनी स्टडी टेबल की सामने वाली दीवार या बेडरूम के साइड की दीवार पर एक जगह चिपका दो। दिन में कई बार इन पर नजर पड़ेगी, तो तुम्हें इन्हें याद रखने में आसानी रहेगी।

पेपर सॉल्व करने की प्रैक्टिस करो: कई बच्चे ऐसे होते हैं, जिन्हें पूरे क्वेश्चन पेपर के उत्तर मालूम होते हैं, लेकिन एग्जाम हॉल में उत्तर लिखते समय कुछ सवालों पर ज्यादा समय दे देते हैं। इससे कुछ प्रश्नों के उत्तर आते हुए भी छूट जाते हैं। ऐसे में एग्जाम हॉल में टाइम मैनेजमेंट के लिए घर पर ही पूरी तैयारी करो। अपने सामने घड़ी रखकर पिछले साल के पेपर सॉल्व करो। इससे तुम्हारी प्रैक्टिस हो जाएगी और लिखने की गति को समय के साथ मिलान करने की आदत भी पड़ जाएगी। *

कॉमिक स्ट्रिप भी एक अच्छा ऑप्शन

अगर तुम क्रिएटिव नेचर के हो, अकसर अपनी पेंसिल से ड्रॉइंग वगैरह करते रहते हो, तो अपनी इस कला का इस्तेमाल एग्जाम की तैयारी में कर सकते हो। तुमने दिनभर में जो-जो पढ़ा है, शाम को उसकी मुख्य बातों को कॉमिक स्ट्रिप की तरह बनाओ। इससे रिवीजन होने के साथ-साथ तुम्हें मुख्य बिंदु याद रहेंगे। इनका इस्तेमाल तुम एग्जाम हॉल में जाने से पूर्व अंतिम समय में उत्तर याद करने के लिए कर सकते हो। *

क्या तुम जानते हो / नयनतारा

सर्दी में भी हरा-भरा क्यों रहता है देवदार का पेड़

बच्चों, तुमने पाइन यानी देवदार का पेड़ देखा होगा। यह पेड़ गर्मी के दिनों में ही नहीं, सर्दी के मौसम में भी हरा-भरा रहता है। सर्दी में जहां दूसरे पेड़ों की पत्तियां पीली होकर गिर जाती हैं, वहीं देवदार के पेड़ की पत्तियां हरी-भरी ही रहती हैं। ऐसा क्यों होता है, तुम जानना चाहोगे। बच्चों, यह जानने के लिए पहले तुम्हें पेड़ों में पत्तियों की भूमिका को समझना होगा। पेड़ों पर पत्तों के अनेक काम होते हैं। इनमें से पहला काम है, पेड़ों के लिए भोजन बनाना। पत्ते हवा से कार्बन डाइऑक्साइड गैस लेते हैं, जबकि मिट्टी से पानी और खनिज। पत्तों की क्लोरोफिल सूरज से ऊर्जा लेती है, फिर कार्बन डाइऑक्साइड और पानी को शुगर में बदल देती है। पत्तों में जो शुगर बनती है, वह पेड़ का बुनियादी फूड होती है।

बच्चों, पत्ते तो बहुत अधिक पानी लेते हैं। लेकिन पानी का बहुत छोटा हिस्सा ही फूड बनाने के काम में आता है। पत्तों की सतह पर जो लाखों छोटे-छोटे छिद्र होते हैं, उनमें से अधिकतर पानी भाप बनकर उड़ जाता है। जाड़ों में पेड़ों को जमीन से मिलने वाली वाटर सप्लाई बहुत कम हो जाती है। इसलिए इस सीजन में अधिकांश पेड़ अपने पत्ते गिराकर खुद को 'लॉक अप' कर लेते हैं ताकि पत्तों के जरिए वह अपना पानी ना खोएं।

बच्चों, कुछ पेड़ों में अलग प्रकार की पत्तियां होती हैं। इनमें देवदार भी शामिल है। इसकी पतली और सुई जैसी पत्तियां होती हैं, जिन पर मोटी मोम जैसी परत होती है। इसलिए देवदार के पेड़ पर पत्तियां अनेक वर्षों तक लगी रहती हैं। जब इसकी पत्तियां गिरती हैं तो कुछ समय में ही नई पत्तियां निकल आती हैं। इस तरह देवदार पेड़ की शाखें कभी भी बिना पत्तों के नहीं होती हैं। *

बूझो तो जानें

1
सर्दी में वह तन को भाए,
खूब मजे से हमें सुलाए।
र और जाई से मिलकर बनती
बोलो वो क्या कहलाए।।

2
हल्की सर्दी में तन को भाए,
यात्रा में भी काम यह आए।
लो और ई में छिपा है राज,
जल्दी बताओ बच्चों मेरा नाम।।

3
आधी बांह का, पूरी का भी,
तन पर पहनें सब सर्दी में।
बच्चे हों, जवान या बूढ़े,
मिलता यह अनेक रंगों में।।

4
सब कपड़ों के ऊपर पहनें,
सर्दी के मौसम में आता काम।
वकील मुझे हर ऋतु में पहनें,
बोलो क्या है मेरा नाम।।

-राकेश चक्र

उत्तर: 1-रजाई, 2- लोई, 3-स्वेटर, 4-कोट

जीके क्विज-90

1. हाल में किस फिल्म एक्ट्रेस को पद्म विभूषण सम्मान दिए जाने की घोषणा की गई?
2. एक घंटे में पृथ्वी कितने देशांतर घूमती है?
3. भारत का सबसे लंबे हाईवे का क्या नंबर है?
4. सबसे बड़ा अंडा किस पक्षी का होता है?
5. दुनिया का सबसे बड़ा फल कौन सा है?
6. वर्ल्ड हिप्पो-डे कब मनाया जाता है?
7. विश्व का सबसे बड़ा महासागर कौन-सा है?
8. हाल में किसने नौंवी बार बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली?
9. भारत का प्रथम नागरिक कौन होता है?
10. टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में सर्वाधिक शतक लगाने का रिकॉर्ड किसके नाम है?

बच्चों, जीके क्विज-90 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-89 का उत्तर : 1-फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉ, 2-बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर, 3-इरविन एंफीथिएटर (अब मेजर ध्यानचंद स्टेडियम), 4-दो वर्ष 11 माह 18 दिन, 5-सन् 1999, 6-परमवीर चक्र, 7-23 जनवरी, 8-चंडीगढ़, 9-पंजाब, 10-केरल

जीके क्विज-89 का सही उत्तर देने वाले : शिवम-रायपुर, चेतन-बालोद, गौरव-रोहतक, सुरेश-बिलासपुर, कविता-भोपाल, मंजू-दिल्ली, नरेंद्र-रायपुर

हंसगुल्ले

टीचर- रोहित, बताओ आई डोंट नो का क्या मतलब होता है?
रोहित- मैडम, मैं नहीं जानता।
टीचर-बिल्कुल सही जवाब।
रोहित मन ही मन बहुत खुश हुआ। -मुकेश, भोपाल

गोलू- दर्दनाक का क्या मतलब होता है?
गप्पा- जिसके नाक में दर्द हो, वह दर्दनाक होता है।
-अभिषेक, रायपुर

सोनू- पापा, मुझे कंप्यूटर सीखना है।
पापा- चलो, पहले माउस पकड़ना सीखो।
सोनू- लेकिन माउस तो बिल्ली पकड़ती है!
-खुशी, महेंद्रगढ़

कहानी
संतोष उत्सुक

आभास को लगता था कि देवी मां से प्रार्थना करने से उसे परीक्षा में अच्छे अंक मिल जाएंगे। एक रात उसे देवी मां ने सपने में दर्शन दिए और बताया कि वास्तव में असली पूजा और प्रार्थना क्या है? जीवन में सफलता सिर्फ पूजा करके नहीं पाई जा सकती। देवी मां ने यह भी बताया सफलता कैसे पाई जा सकती है?

असली पूजा

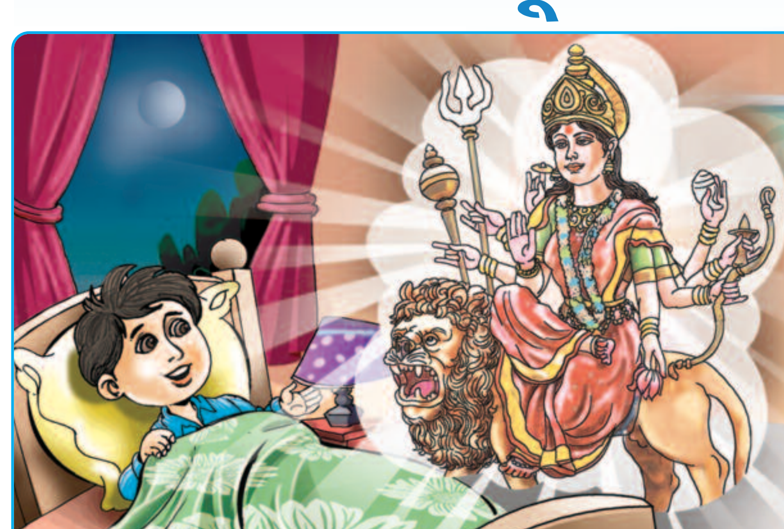

आभास अपनी दादी मां के साथ नियमित मंदिर जाया करता है। मंदिर उसके घर के पास ही है। आभास सुबह-सुबह नहा लेता है। दादी मां के साथ मंदिर जाता है। इसके बाद वह स्कूल जाता है।

एक दिन आभास ने दादी मां से पूछा, 'हम मंदिर क्यों जाते हैं?'

'बेटा, मंदिर जाकर हम पूजा और प्रार्थना करते हैं कि देवी मां आप हमारे पढ़ाई, स्वस्थ रहने के प्रयासों में सफलता का आशीर्वाद दें।' दादी ने बताया। आभास को अब यही लगने लगा कि मंदिर जाकर पूजा-प्रार्थना करने से देवी मां उससे प्रसन्न होकर सफलता का आशीर्वाद देंगी, उसे परीक्षा में ज्यादा अंक मिलेंगे। आभास की मम्मी एक स्कूल में अध्यापिका थीं। वह उसे अकसर ही समझातीं, 'बेटा, मंदिर जाकर देवी मां से प्रार्थना करना अच्छी बात है, लेकिन इसके साथ-साथ मन लगाकर पढ़ाई करना भी जरूरी है।'

आभास मम्मी की बात सुनकर थोड़ा दुविधा में रहता। परीक्षा से कुछ दिन पहले आभास अपनी दादी मां, मम्मी-पापा और छोटी बहन अनुभूति के साथ देवी मां की पूजा करने मंदिर गया।

मंदिर परिसर में बहुत लंबी लाइन लगी हुई है। उसने देखा उसके सहपाठी भी अपने मम्मी-पापा के साथ आए हुए हैं। अपना नंबर आने पर देवी मां की प्रतिमा के सामने आकर उसने हाथ जोड़कर, आंखें बंद कर, पूरे मन से प्रार्थना की, 'देवी मां, आप अपना आशीर्वाद दें कि परीक्षा में मुझे अच्छे अंक मिलें।'

रात को आभास की मम्मी ने स्वादिष्ट पकवान बनाए। सभी ने साथ बैठकर खाया। सोते समय आभास के दिमाग में कहीं यह बात थी कि वह बचपन से अपनी दादी के साथ देवी मां के मंदिर जा रहा है। जरूर वह उससे प्रसन्न होकर परीक्षा में ज्यादा अंक प्राप्त करने का आशीर्वाद देंगी।

यह क्या! रात में उसके सामने मुस्कुराती देवी मां प्रकट हुईं और बोलीं, 'बेटा, तुम बचपन से मंदिर में आकर मेरी पूजा करते रहे हो। उससे मैं बहुत प्रसन्न हूं। तुम्हें पढ़ाई में सफलता और हमेशा स्वस्थ रहने का आशीर्वाद देती हूं। लेकिन इन दोनों के लिए तुम्हें स्वयं भी कोशिश करनी होगी। जीवन में मेहनत बहुत जरूरी है, क्योंकि तुम्हारा निरंतर मेहनत करना ही मेरी असली पूजा है। तुम एक विद्यार्थी हो, मेहनत और लगन से पढ़ना ही तुम्हारा पहला कर्तव्य है। तुम्हें रोज सुबह जल्दी उठना चाहिए। मन लगाकर खूब पढ़ना चाहिए, साथ में व्यायाम भी करना चाहिए। मैं तुम्हारी मेहनत और लगन को अपनी पूजा के रूप में स्वीकार करूंगी और हमेशा सफलता का आशीर्वाद देती रहूंगी।'

सुबह जब एकाएक आभास की आंखें खुलीं तो समझ में आ गया कि सपने में देवी मां ने उसे दर्शन दिए हैं। उसने अपना सपना दादी मां और मम्मी को बताया। दादी मां भी बोलीं, 'बेटा, भगवान उसकी सहायता करते हैं, जो अपनी सहायता आप करते हैं। देवी मां ने तुम्हें मेहनत करने की प्रेरणा और आशीर्वाद दिया है, क्योंकि मेहनत ही असली पूजा है।'

आभास के मन में अब कोई दुविधा नहीं थी। उसे समझ आ गया था कि मेहनत ही असली पूजा है। *

कविता / गोविंद भारद्वाज

धूप सुहानी

धूप सुहानी आई भैया,
राहत कितनी लाई भैया।
सुबह-सवेरे सर्दी में नित,
सबके मन को भाई भैया।
रवि की बेटी बड़ी सयानी,
बन किरणें धरती पर आती।
छू कर इसका सुनहरा रूप,
शबनम पल में छू हो जाती।
चुपके-चुपके मिल कलियों से,
खिलना उनको है सिखलाती।
उड़ते पंछी नील गगन में,
हौले-हौले उनसे बतियाती।
देख फसल क्यारी-क्यारी में,
मंद-मंद नित ये मुस्काती।
फेरे दिन भर लगा धरा के,
देख-देख सबको इठलाती।
ज्यों बढ़ती जाए शीत लहर,
ये कितनी इतराई भैया।
डाल-डाल, पात-पात पर नित,
दे रंगत खूब दिखाई भैया।

अजब-गजब / अंजू जैन

आधे कटे संतरे जैसी आकृति वाली बिल्डिंग

बच्चों, तुम्हें संतरा फल जरूर भाता होगा। अगर तुम्हें संतरे के आकार वाली बिल्डिंग दिख जाए तो जरूर चौंकोगे। संतरे के आकार वाली ऐसी बिल्डिंग यूएस के फ्लोरिडा राज्य के किसिम्मी शहर में स्थित है। यह बिल्डिंग आधे कटे संतरे के आकार जैसी दिखती है। इस बिल्डिंग का नाम ऑरेंज वर्ल्ड है। यह एक दुकान की बिल्डिंग है, जिसमें संतरे के स्वाद वाली टॉफियां, चॉकलेट्स, जेली, जूस, संतरे के आकार वाले गिफ्ट आइटम और स्मृति चिन्ह भी बिकते हैं। ऑरेंज वर्ल्ड बिल्डिंग को दूर से देखने पर ऐसा लगता है, जैसे जमीन पर आधा कटा संतरा रखा हो। *

रंग भरो-143

रंग भरो-143 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

गरिमा, भिलाई

भावना, बिलासपुर

साक्षी, भिवानी

अमरीन, रायपुर

प्रभात, बिलासपुर

अकृत, झज्जर

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

होशिका-बालोद, अवनी-रायपुर, सौम्या-दुर्ग, पूनम-बिलासपुर, पीयूष-भिलाई, पलक-धमतरी, लक्ष्य-रायपुर, रौनक-जांजगीर-चांपा, भावना-बिलासपुर, आयुषी-सक्ती, अमित-बिलासपुर, दिनेश-दिल्ली, यश-भोपाल, राकेश-महेंद्रगढ़, लोकेश-जबलपुर

रंग भरो 144

बच्चों, यहां पर एग्जाम की तैयारी से जुड़ा एक चित्र दिया गया है, जिसमें दो बच्चियां साथ में स्टडी कर रही हैं। इसको मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम **बालभूमि** में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक-फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomihb@gmail.com पर मेल करो।

अंग्रेजी शब्द-जाल

बच्चों, नीचे दिए गए इस अंग्रेजी शब्द-वर्ग जाल में पढ़ाई से जुड़े 11 शब्द छिपे हैं। जल्दी से इन्हें खोजकर बताओ।

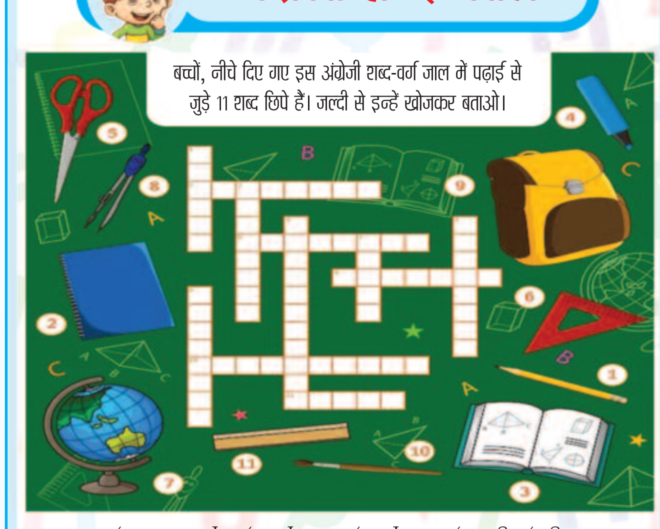

उत्तर: 1-pencil, 2-notebook, 3-textbook, 4-highlighter, 5-scissors, 6-triangle, 7-globe, 8-compass, 9-backpack, 10-paintbrush, 11-ruler

मोदी सरकार के बजट ने 'विकसित भारत' की मजबूत नींव रखी: उद्योग जगत

राजकोषीय घाटा 5.8 फीसदी का लक्ष्य हासिल कर लिया जाएगा, भारत 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बन जाएगा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा गुरुवार को संसद में पेश 47.66 लाख करोड़ रुपए के अंतरिम बजट 2024-25 का विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने स्वागत किया है। उनका कहना है कि इस बजट में 2047 तक भारत को 'विकसित भारत' बनाने की मजबूत नींव रखी गई है। यह 18वीं लोकसभा के लिए होने वाले आम चुनाव से पहले सरकार का आखिरी प्रमुख आर्थिक दस्तावेज है।

गोदरेज इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) नादिर गोदरेज ने कहा, 'अंतरिम बजट 2024-25 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण के अनुरूप समृद्ध और समावेशी भारत के निर्माण के लिए एक मजबूत नींव रखता है। हम समाज के हर वर्ग, विशेषकर 'गरीब', 'महिलाएं', 'युवा' और 'अन्नदाता' के सशक्तिकरण की भावना को दोहराते हैं।

सीआईआई

उद्योग मंडल सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा कि अंतरिम बजट भारत की विश्व स्तर पर प्रशंसित आर्थिक रणनीति को दर्शाता है। आज पेश अंतरिम बजट पूंजीगत व्यय आधारित वृद्धि को प्राथमिकता देने की भारत की आर्थिक रणनीति के अनुरूप है।

सैमटेल एवियोनिक्स

रक्षा क्षेत्र की कंपनी सैमटेल एवियोनिक्स के सीईओ एवं प्रबंध निदेशक पुनीत कौरा ने कहा, 'रक्षा क्षेत्र के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए जल्द ही एक नई योजना शुरू करने की वित्त मंत्री की घोषणा वास्तव में एक स्वागत योग्य निर्णय है... यह पहल आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को साकार करने में सहायक होगी।'

स्पाइसजेट

एयरलाइन स्पाइसजेट के सीएमडी और एसोचैम के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा, 'यह आत्मविश्वास से भरी सरकार का बजट है जो यह सुनिश्चित करना चाहती है कि भारत 2025 तक पांच लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था और 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बन जाए।'

पीएचएफ लीजिंग

पीएचएफ लीजिंग लिमिटेड के सीईओ शल्य गुप्ता ने कहा कि यह देखकर अच्छा लगा कि ईवी (इलेक्ट्रिक वाहन) क्षेत्र पर सरकार का जोर जारी है। भारत में ईवी वाहनों के विनिर्माण और चार्जिंग बुनियादी ढांचे पर ध्यान केंद्रित करने से ईवी क्षेत्र की वृद्धि के लिए सही माहौल तैयार होगा।

PHF LEASING LTD.
Housing And Business Loan

फिक्की

भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) के अध्यक्ष अनीश शाह ने कहा, 'अंतरिम बजट वर्तमान निवेश दर और राजकोषीय अनुशासन के बीच सावधानीपूर्वक संतुलन बनाए रखते हुए वृद्धि, जलवायु और सामाजिक सशक्तिकरण को एक साथ लाता है। समुद्री अर्थव्यवस्था पर ध्यान, ईवी तंत्र का विस्तार और मजबूती, घरेलू पर्यटन और मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र के लक्ष्य की ओर प्रेरित करेगा।'

वैल्युबल

उद्यम ऋण कोष 'वैल्युएबल' के संस्थापक और प्रबंधन साझेदार सिबा पांडा ने कहा कि यह संभावनाओं से भरा अंतरिम बजट है। पहली नजर में कर की दरों को स्थिर रखा गया है लेकिन प्रौद्योगिकी से चलने वाले युवाओं और स्टार्टअप अर्थव्यवस्था को मदद करने की पहल उल्लेखनीय है।

क्यूसीआई

भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई) के चेयरपर्सन जक्षय शाह ने कहा कि अंतरिम बजट 2024-25 में सरकार द्वारा 'लखपति दीदी योजना' का दायरा दो करोड़ से बढ़ाकर तीन करोड़ तक ले जाना सराहनीय है। इसके साथ ही मध्यम वर्ग के लोगों को घर बनाने में मदद करने के लिए विशेष योजना की घोषणा करोड़ों लोगों को राहत देने वाली है।

एक्सेल एजुकेशनल इंस्टीट्यूट के छात्रों ने आयोजित की सक्सेस पार्टी

रायपुर। एक्सेल एजुकेशनल इंस्टीट्यूट रायपुर ने अपने उत्तीर्ण छात्रों के लिए सक्सेस पार्टी का आयोजन किया। यह आयोजन उन छात्रों के लिए था जिन्होंने सीए फाइनल, सीए इंटर और सीएसईईटी और सीएमए फाउंडेशन को उत्तीर्ण किया। इस आयोजन में डायरेक्टर्स सीए एल, सीए प्रवीण, सीए संजय और सभी सम्माननीय फैकल्टीज भी उपस्थित थे। सम्मानित करने से पहले सीए.बी.एल. अग्रवाल ने सभी स्टूडेंट्स के मेहनत की सराहना की। कार्यक्रम की शुरूआत इंटर ग्रुप वन को उत्तीर्ण करने वाले स्टूडेंट्स को सम्मानित करने से की गई, फिर इंटर ग्रुप टू को उत्तीर्ण करने वालो को सम्मानित किया गया, फिर इंटर के दोनों ग्रुप को उत्तीर्ण करने वालो को सम्मानित किया गया, फिर सीए फाइनल परीक्षा उत्तीर्ण करके चार्टर्ड एकाउंटेंट बन गए छात्रों को सम्मानित किया गया, साथ ही सीएस एक्सीक्यूटिव एंट्रेंस टेस्ट और सीएमए फाउंडेशन को उत्तीर्ण करने वालों को भी सम्मानित किया गया। स्टूडेंट्स का सम्मान डायरेक्टर्स और फैकल्टियों के द्वारा प्रदान किया गया।

बजट के दिन शेयर बाजार में गिरावट बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी फिसला

एजेंसी ▶▶| मुंबई

अगले वित्त वर्ष के लिए अंतरिम बजट की घोषणा के दिन बृहस्पतिवार को मिले-जुले संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजार पूंजीगत उत्पाद, धातु एवं रियल्टी शेयरों में मुनाफावसूली से गिरावट के साथ बंद हुए। शुरुआती बढ़त खोने के बाद घरेलू बाजार अंतरिम बजट पेश किए जाते समय उतार-चढ़ाव में रहा। इस बजट में पूंजीगत व्यय के लिए आवंटन में बढ़ोतरी की गई है लेकिन किसी बड़ी घोषणा से परहेज किया गया है। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 106.81 अंक गिरकर 71,645.30 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 28.25 अंक यानी 0.13 प्रतिशत

गिरकर 21,697.45 अंक पर आ गया।

फेड के संकेत से धारणा कमजोर

अमेरिकी फेडरल रिजर्व के मार्च में ब्याज दरों में कटौती नहीं करने के संकेत से भी घरेलू बाजार की धारणा कमजोर हुई। इसके अलावा बजट को लेकर भी बाजार की उम्मीदों को थोड़ा झटका लगा।

कम ढांचागत व्यय से बाजार निराश हुआ

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, 'अंतरिम बजट में उम्मीद से कम ढांचागत व्यय से घरेलू बाजार थोड़ा निराश हुआ। हालांकि, राजकोषीय सूझबूझ के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता, वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 5.1 प्रतिशत के राजकोषीय घाटे को लक्षित करने से आर्थिक रेटिंग के नजरिये से सुधार की उम्मीद है।

एशियाई बाजार में मिलाजुला रुख : इस बीच, एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और चीन का शंघाई कम्पोजिट बढ़त के साथ बंद हुए जबकि जापान का निक्की एवं चीन का हांगकांग कम्पोजिट गिरावट में रहे। यूरोपीय बाजारों में मिला-जुला रुख था।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्युशन कं. लिमि.
(छत्तीसगढ़ शासन का एक उपक्रम) (छ.रा.वि.मं. की एक उत्तरवर्ती कंपनी)

क्र./48-00/ सामा. / 3964 कसडोल,दिनांकः- 01 FEB 2024

-:: बिजली बंद की सूचना ::-

(स./सं.) संभाग छ.स्टे.पा. डिस्ट्री.कं.लिमि. कसडोल के समस्त उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि नया 33 के.व्ही. लाईन (कसडोल II शहर) निर्माण कार्य हेतु दिनाँक 03.02.2024, दिन शनिवार को प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 03:00 बजे तक नीचे दर्शाये गये क्षेत्रानुसार विद्युत आपूर्ती बंद रहेगी, उपभोक्ताओं को होने वाली असुविधा के लिए खेद है।

क्र.	प्रस्तावित उपकेन्द्र का नाम	प्रभावित क्षेत्र
1	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र कसडोल	3/11 के.व्ही उपकेन्द - कसडोल के अंतर्गत आने वाले 11 के.व्ही फीडर पिसीद, चिचपोल एवं बिलारी के समस्त ग्राम
2	33/11 के.व्ही.उपकेन्द्र ठाकुरदिया	33/11 के.व्ही उपकेन्द - ठाकुरदिया के अंतर्गत आने वाले समस्त 11 के.व्ही फीडर के समस्त ग्राम
3	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र अर्जुनी	33 / 11 के.व्ही उपकेन्द अर्जुनी के अंतर्गत आने वाले समस्त 11 के.व्ही फीडर के समस्त ग्राम
4	33/11 के. व्ही. उपकेन्द्र कटगी	33/11 के.व्ही उपकेन्द कटगी के अंतर्गत आने वाले समस्त 11 के.व्ही फीडर के समस्त ग्राम
5	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र गिरौदपुरी	33/11 के.व्ही उपकेन्द बरपाली के अंतर्गत आने वाले समस्त 11 के.व्ही फीडर के समस्त ग्राम
6	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र बरपाली	33/11 के.व्ही उपकेन्द गिरौदपुरी के अंतर्गत आने वाले समस्त 11 के.व्ही फीडर के समस्त ग्राम
7	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र पचरी	33/11 के.व्ही उपकेन्द पचरी के अंतर्गत आने वाले समस्त 11 के.व्ही फीडर के समस्त ग्राम
8	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र गोपालपुर	33 / 11 के.व्ही उपकेन्द धनसीर के अंतर्गत आने वाले समस्त 11 के.व्ही फीडर के समस्त ग्राम
9	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र भटगांव	33/11 के.व्ही उपकेन्द भटगांव के अंतर्गत आने वाले 11 के.व्ही फीडर दुमहानी एवं सलौनिकला के समस्त ग्राम

आवश्यकतानुसार समय में परिवर्तन संभव है।
स्वहित एवं राष्ट्रहीत में ऊर्जा का संरक्षण करें-

(आर.के. साहू 91543852)
कार्यपालन यंत्री (सं./सं.) संभाग
छ.स्टे. पॉ. डिस्ट्री.कं.लिमि. कसडोल

हरिभूमि CLASSIFIED

epaper : www.haribhoomi.com
Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

Appointment आवश्यकता

घरेलू/कुक कार्य

आवश्यकता है- रायपुर में गृह कार्य झाडू- पोछा कपड़ा बर्तन साफ सफाई व शुद्ध शाकाहारी खाना बनाने हेतु शादीशुदा या अकेले पुरुषों एवं महिलाओं (जिनके बच्चे साथ में न रहते हो) की आवश्यकता है। संपर्क करें:- 9977200093. (RO-2147)

इंजीनियर/ऑपरेटर

आवश्यकता है- इलेक्ट्रिकल इंजीनियर एवं बॉयलर ऑपरेटर की आवश्यकता है। मिलें, कविता पॉलीमर्स, यूनिट-2, भनपुरी, उरकुरा स्टेशन के पास, 7828656506. (RO-1431)

हरिभूमि क्लासीफाईड
छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

दुकान कार्य

आवश्यकता है- होलसेल खिलौना दुकान बंजारी चौक गोल बाजार के कार्य हेतु मेहनती लड़को की आवश्यकता है संपर्क रायपुर 9827918086, 9685688086. (RO-2468)

घरेलू कार्य

आवश्यकता है- न्यू राजेंद्रनगर रायपुर घर में ऊपरी काम हेतु महिला की आवश्यकता है। काम का समय सुबह 9 से 1 और शाम को 3 से 6 तक, वेतन 6000/- संपर्क- 8120289207, 07714907983. (RO-1299)

सेल्सगर्ल/सेल्समैन

आवश्यकता है- अनुभवी और स्मार्ट सेल्समैन- सेल्सगर्ल की आवश्यकता है संपर्क करें:- KOOL BEB'S अग्रसेन चौक नेहरूनगर भिलाई। सिंधू भवन के सामने स्टेशन रोड दुर्ग। मो.- 9827490990, 07884010051. (आरो न.-400)

आवश्यकता है- विरदी साड़ी शोरूम हेतु 7 सेल्समैन, 7 सेल्सगर्ल, कम्प्यूटर ऑपरेटर, ड्राइवर -1 सभी रायपुर लोकल अनिवार्य, वेतन 8000 - 15000 +कमीशन अनुभवी को प्राथमिकता, विरदीचंद मानकलाल कंकालीपारा मिलने का समय 10:30 - 9:30 मो. 9425216364, 9340477419. (RO-2456)

ड्रायवर

आवश्यकता है- अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है जिसे ऑटोमैटिक और मैनुअल गाड़ी चलाने का अनुभव हो, अपने ड्राइविंग लाइसेंस के साथ इस पते पर संपर्क करें। स्थान: मेट्रो हाइट, नियर होटल लालबाग तेलीबांधा, रायपुर सम्पर्क करें:- 97557-77774 मिलने का समय सुबह 8 से 11 तक (RO-2489)

ऑपरेटर/सुपरवाइजर

आवश्यकता है- प्लास्टिक फैक्ट्री मंदिर हसौद एरिया में। अनुभवी सुरक्षा गार्ड, ट्रक व पिकअप ड्राइवर। एकाउंटेंट, कंप्यूटर ऑपरेटर, सुपरवाइजर (जनरल, स्टोर, परचेस, डिस्पैच) लैब टेक्निशियन- योग्यता BSC chemical /cipet ग्रेजुएट, ऑपरेटर- पीवीसी पाइप व रोटो /ब्लो टैंक मशीन व इंजेक्शन मोल्डिंग- अनुभव 5 वर्ष शिफ्ट इंचार्ज- अनुभव 5 वर्ष सीनियर इलेक्ट्रीशियन एवं फिटर अनुभव- 10 वर्ष /33 KVA लाईन व पेनल (रहने व खाने की सुविधा उपलब्ध) संपर्क:- Weetek Plastic, Kutesar 7880134141. (RO-2455)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- इंदौर में ऑफिस कार्य हेतु 18-28 वर्ष 10वीं, 12वीं, ग्रेजुएट अविवाहित लड़के चाहिए। वेतन 9000 रहना खाना फ्री, कमीशन, बोनस, गाड़ी, किराया कोई शुल्क नहीं लगेगा सम्पर्क करें- 8085888353, 7999526603. (RO-42757)

नर्सिंग स्टाफ

आवश्यकता है- सीनियर सीटीजन की देख- रेख हेतु अग्रसेन चौक के पास, बजरंग नगर, समता कॉलोनी रायपुर में BSc नर्सिंग या GNM किये हुये मेल स्टाफ की। जो शिफ्ट वाईज 8 घण्टे कार्य कर सके। संपर्क करें:- 7471145010 ई-मेल Yug426@Gmail.Com (RO-492)

सेल्स/हमाल

आवश्यकता है- गोकुल सुपर बाजार पंढरी में सेल्स कार्य हेतु लड़के एवं लड़कियो, गार्ड हमाल परिवार को रहने व कार्य की सुविधा मो. 7489770673, 9826183500. (RO-2248)

सेल्स एक्जीकेटिव

आवश्यकता है
SALES PERSON FOR BHILAI
वेतूरट 2-3 साल अनुभव - रियल एस्टेट (बेहतर) या लाइफस्टाइल सेल्स में कुछ अनुभव। स्मार्ट, उत्कृष्ट मौखिक संचार कौशल और Sales की क्षमता। व्यक्तिगत लक्ष्यों को पूरा करने का ट्रैक रिकॉर्ड। कंप्यूटर का कार्यात्मक ज्ञान। निश्चित वेतन और बिक्री कमीशन।
CONSTRUCTION MANAGER FOR BHILAI
वेतूरट सिविल इंजीनियर 4-5 साल अनुभव या डिप्लोमा सिविल इंजीनियर 7-8 साल अनुभव। Real Estate Project का काम किया होना चाहिए। किसी प्रोजेक्ट साइट, ठेकेदारों, सलाहकारों आदि को स्वतंत्र रूप से प्रबंधित करने की क्षमता। कंप्यूटर का कार्यात्मक ज्ञान।
REAL ESTATE SALES TELECALLER
12वीं पास या वेतूरट 1-2 साल कॉलिंग या रियल एस्टेट सेल्स में अनुभव। स्मार्ट और Sale close करने की क्षमता। व्यक्तिगत लक्ष्यों को पूरा करने का ट्रैक रिकॉर्ड। निश्चित वेतन और बिक्री कमीशन।
Email: bandurealtorspvtltd@gmail.com
CONTACT 8708895665

वेल्डर/हेल्पर

आवश्यकता है- वेल्डर या हैल्पर की आवश्यकता है परमानेंट नौकरी के लिए सम्पर्क करे गौरव इंजीनियरिंग वर्कस, धमधा रोड बाईपास के पास, दुर्ग संपर्क :-Phone no. 9329870104. (आरो न.-1007)

हरिभूमि क्लासीफाईड

दुकान कार्य

आवश्यकता है- थोक दवा दुकान मे पैकिंग व दुकान के काम के लिये लड़को & लड़कियो की आवश्यकता है। पता - मेलाराम हेमंत कुमार मेडिकल काम्प्लेक्स बिलासपुर 7999934599. (RO-2247)

अन्य

आवश्यकता है- एयरपोर्ट (HEAD OFFICE) हेतु सीधी भर्ती (पक्की परमानेंट नौकरी) तुरंत ट्रेनिंग शुरू अनपढ़, 8वीं, 10वीं, 12वीं, ग्रेजुएट (लड़के- लड़कियां) सैलरी (32900- 81770) सुपरवाइजर, ग्राउंड स्टाफ, चेकर, कंप्यूटर ऑपरेटर, हेल्पर, गार्ड, ड्राइवर (सभी फ्री सुविधाएं) रायपुर 08929328091. (RO-2441)

आवश्यकता है- जिलानुसार नौकरी भारतीय वनविभाग में कम्पनी द्वारा सिधी भर्ती 1550 सीट लड़के - लड़किया, पद - वनरक्षक, सिपाही, क्लर्क, फिल्ड ऑफिसर योग्यता 8वी - ग्रेजुएट सैलरी 28500- 45500/- आवेदनकर्ता अपना आधारकार्ड मार्कशीट whatsapp करे : 8337863572. (RO-6825)

Business व्यापार

व्यापार- अब शुरू करे स्वयं का बिजनेस बिना किसी रिस्क, कम पूंजी लगाकर घर बैठे स्वयं का उद्योग लगाएं, 30,000-50,000 प्रतिमाह कमाएं, आटोमेटिक मशीन द्वारा दोनापत्तल, डिस्पोजल बनायें, कच्चा माल देने तैयार माल लेने का एग्रीमेंट संपर्क:- APS इंटरप्राईजेस, रायपुर- 7477221345, 9977676447, बिलासपुर 9993444253, 8359913999, रायगढ़- 7869755871.(RO-2447)

छोटा विज्ञापन

एजूकेशन स्पेशल

ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ लोकल सेल्फ गवर्नमेंट
छत्तीसगढ़ में एकमात्र केन्द्र
सेनेटरी इंस्पेक्टर
स्वच्छता निरीक्षक डिप्लोमा कोर्स
(न्यूनतम योग्यता -12वीं पास)
एक वर्षीय कोर्स
हॉलिडे बैच की सुविधा उपलब्ध
रोजगार के अवसर
ऑनलाईन एवं ऑफलाईन प्रवेश की सुविधा
स्वच्छता योद्धा बने
प्रवेश हेतु
संपर्क करें- 7987637627, 9977337777, 0771-4915511
Website: www.aiilsg.org

Property प्रापर्टी

प्लाट

प्लॉट उपलब्ध है- भिलाई-दुर्ग के प्राइम लोकेशन में प्लॉट्स,"पक्की सड़क, नाली, बिजली, गार्डन, ओपनजिम, स्विमिंगपूल" सुविधा के साथ, आवासीय डाइवर्टेड प्लॉट्स उपलब्ध। संपर्क कॉल या व्हाट्सएप करे 88210-18666.(आरो न.-402)

फ्लैट

बेचना है - गोकुल टॉवर गोगांव रायपुर मे फस्ट फ्लोर में 2BHK 846 वर्गफुट का सर्व सुविधा युक्त फ्लेट नम्बर- 103 बेचना है केवल खरीददार ही सम्पर्क करें 8319655436.(RO-32742)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेंवे व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापनदाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

Healthcare

ईलाज की गारंटी पैसा ठीक होने के बाद

- गुप्त रोग नामर्दी, लिंग में छोटापन।
- शीघ्र पतन पेशाब से धातु जाना।
- लिंग में ढीलापन, शुक्राणु की कमी।
- शुगर से आयी हुई सेक्स में कमी।
- आयुर्वेदिक द्वारा खोई हुई शक्ति पुनः प्राप्त करें।
- चर्मरोग व वात रोग का ईलाज किया जाता है।
- निःसंतान दम्पति आज ही मिले।

आज ही संपर्क करें
श्रीकांत आयुर्वेदिक जड़ीबुटी भण्डार
दुर्ग में शॉप नं. 16, पारख कॉम्पलेक्स, पेट्रोल पम्प के सामने, ग्रीन चौक
रायपुर में स्टेशन रोड, सीमान होटल के सामने
9174440077
9009330088

कार्यालय, नगर पालिक निगम भिलाई, जिला-दुर्ग
जोन क्रमांक - 05
Email ID : zonefivebhilai@gmail.com

क्र./लो.क.वि./जोन क.-05/2023/1965/427 भिलाई, दिनांक 31/01/2024

निविदा आमंत्रण सूचना

आयुक्त नगर पालिक निगम भिलाई की ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से लोक निर्माण विभाग के भवन निर्माण एस.ओ.आर. दिनांक 01.01.2015, रोड एस.ओ.आर. दिनांक 01.01.2015 विद्युत एस.ओ.आर. दिनांक 01.07.2015/01.06.2020 एवं अद्यतन संशोधन के आधार पर कम/अधिक एवं आयटम दर पर निम्नलिखित कार्य हेतु मुहरबंद निविदा स्पीड पोस्ट के माध्यम से आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन नियत तिथि 08.02.2024 को सायं 5.30 बजे तक इस कार्यालय में आवेदन के साथ निर्धारित राशि नगद जमा किया जाना अनिवार्य होगा।

- निविदा जारी करने की तिथि-दिनांक 31.01.2024.
- आवेदन की अंतिम तिथि-दिनांक 08.02.2024 सायं 5.30 बजे तक
- निविदा प्राप्ति की तिथि-दिनांक 15.02.2024 सायं 5.30 बजे तक
- निविदा खोले जाने की तिथी-दिनांक 16.02.2024

नोट : निविदादाता लिफाफा में पत्र व्यवहार का पूर्ण पता अनिवार्य रूप से अंकित करें।

क्र.	कार्य का नाम	निविदा लागत राशि	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	समयावधि
1.	जोन क्र. 05 में एक वर्ष के लिए टेंट इत्यादि की व्यवस्था का कार्य। (द्वितीय निविदा)	19,05,342.00	3000.00	750.00	1 वर्ष

(1) उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। साथ ही यह जानकारी नगर पालिक निगम भिलाई की वेबसाईट www.bhilainagarnigam.com संचालनालय की वेबसाईट www.uad.cg.gov.in एवं वित्त की वेबसाईट के वेबसाईट eproc.cgstate.gov.in से देखी जा सकती है।

जोन आयुक्त

बायर ने की बजट की सराहना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

बायर दक्षिण एशिया के प्रेसिडेंट, एमडी व सीईओ साइमन वीबुश ने भारत के आम बजट की सराहना की है। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारत के विकास को गति देने के लिए महिलाओं और किसानों पर खास ध्यान देने की घोषणा की है। इस बजट से ऐसी सरकारी नीतियों बनने का मार्ग प्रशस्त हुआ है जो ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में मदद करेंगी। मुझे यह देखकर भी खुशी है कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि पीएम किसान सम्पदा योजना और पीएम फसल बीमा योजना जैसी नीतियों के साथ-साथ आधुनिक भंडारण, कुशल आपूर्ति श्रृंखलाओं और विपणन एवं ब्रांडिंग सहित फसल कटाई के बाद की गतिविधियों में निजी और सार्वजनिक निवेश को बढ़ावा देने वाले उपाय कृषि में एक परिवर्तनकारी युग का संकेत देंगे।

बालको मेडिकल सेंटर को स्वास्थ्य सेवा और स्वच्छता के क्षेत्र में राष्ट्रीय पुरस्कार

रायपुर। मध्य भारत के प्रमुख कैंसर अस्पताल बालको मेडिकल सेंटर (बीएमसी), नया रायपुर को रोगी सेवा, स्वच्छता और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए केवल दो महीने के भीतर दो महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुए। व्यापक कैंसर देखभाल के माध्यम से 'रोगी सेवा वितरण में उत्कृष्टता' में योगदान के लिए सीएसआर जर्नल एक्सीलेंस पुरस्कार मान्यता प्राप्त हुई। बता दें कि यह पुरस्कार 09 दिसंबर, 2023 को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज, मुंबई में भारत सरकार के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की उपस्थिति में प्रदान किया गया। बालको मेडिकल सेंटर को सबेरा 2023 में स्वास्थ्य, पोषण और कल्याण चैंपियन के रूप में भी मान्यता दी गई है, जो व्यापक स्वास्थ्य देखभाल को आगे बढ़ाने के लिए अपने समर्पण पर जोर देता है। यह पुरस्कार 07 दिसंबर, 2023 को पीएमएमएल, तीन मूर्ति सभागार, नई दिल्ली में प्रदान किया गया। बालको मेडिकल सेंटर की चिकित्सा निदेशक डॉ. भावना सिरोही ने कहा कि हमें दी गई मान्यता से हम कृतज्ञ हैं। इस तरह की स्वीकृतियां न केवल बीएमसी में प्रत्येक को प्रेरित करती हैं, बल्कि आत्म-सुधार के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को भी बढ़ावा देती हैं।

खेल बजट : खेल-खिलाड़ियों को मिले 3442 करोड़ रुपए, पिछले साल की तुलना में 45 करोड़ ज्यादा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को अंतरिम बजट 2024 पेश किया। खेल बजट को लेकर लोगों और खिलाड़ियों के मन में काफी आशाएं थीं। इस साल पेरिस में ओलंपिक भी है। ऐसे में खेल और खिलाड़ियों को लेकर मोदी सरकार ने बड़ा ऐलान किया है। पिछले साल केंद्र सरकार ने युवा और खेल मामलों के मंत्रालय के लिए 3397.32 करोड़ रुपए का बजट पेश किया था, जो साल 2022 के बजट से 723.97 करोड़ रुपए ज्यादा था। साल 2022 में भी स्पोर्ट्स बजट में 423.16 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी की गई थी। अब इस बार मोदी सरकार ने खेल को 3,442.32 करोड़ रुपए दिए हैं, जो कि पिछले साल के मुकाबले 45 करोड़ रुपए ज्यादा हैं।

प्रदर्शन में अहम योगदान

पिछले कुछ वर्षों में भारतीय एथलीट्स ने पूरी दुनिया में अपनी चमक बिखेरी है। चाहे वह 2020-21 टोक्यो ओलंपिक हो या 2022 राष्ट्रमंडल खेल, या फिर 2023 एशियाई खेल, सभी प्रतियोगिताओं में भारत के पदकों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। जहां टोक्यो ओलंपिक भारत के लिए अब तक का सर्वश्रेष्ठ ओलंपिक रहा था, वहीं 2023 एशियाई खेलों में भारत ने पहली बार 100 पदकों की संख्या पार की थी। चरणबद्ध तरीके से खेल गतिविधियों की बहाली के बाद भारत ने 2021 में टोक्यो ओलंपिक में कुल सात पदक जीते थे।

खेल संघों को मिला बजट

राष्ट्रीय शिविर आयोजित करने वाले, खिलाड़ियों को बुनियादी ढांचा और उपकरण मुहैया कराने वाले और कोचों की नियुक्ति के अलावा अन्य काम करने वाले भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के बजट में पिछले साल की तुलना में 26.83 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी की गयी जिससे अब यह 795.77 करोड़ रुपए का होगा। राष्ट्रीय खेल महासंघों के 2023-24 के 325 करोड़ रुपए बजट में इस दफा 15 करोड़ रुपए का इजाफा किया गया। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी को इस अंतरिम बजट में 22.30 करोड़ रुपए आवंटित किए गए जो 2023-24 वित्तीय वर्ष में 21.73 करोड़ रुपए का था। राष्ट्रीय डोप जांच प्रयोगशाला को पिछले बजट की तुलना में ढाई करोड़ रुपए ज्यादा 22 करोड़ रुपए आवंटित हुए।

आईओए ने बजट को सराहा

भारतीय ओलंपिक संघ अध्यक्ष पीटी ऊषा ने कहा कि कोष में बढ़ोतरी से खिलाड़ियों को विशेष ट्रेनिंग कार्यक्रम लेने में मदद मिलेगी। ऊषा ने कहा, इस ओलंपिक वर्ष में खेल बजट का सकारात्मक पहलू खिलाड़ी ट्रेनिंग कार्यक्रम के लिए बढ़ोतरी करना है। हमारे खिलाड़ियों को इस बढ़ोतरी से बेहतर कोचिंग और खेल विज्ञान सहयोग मिलेगा जिससे वैश्विक मंच पर उनके प्रदर्शन में सुधार होगा। यह जमीनीं स्तर से प्रतिभाओं को तराशने की ओर सकारात्मक कदम है। इससे खेलो इंडिया कार्यक्रम के जरिये जमीनीं स्तर पर प्रतिभा तलाशने में भी मदद मिलेगी।

राष्ट्रमंडल खेलों में भी बढ़े पदक

कोरोना की वजह से तमाम कठिनाइयों और पाबंदियों के बावजूद भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया था। इसके बाद 2022 में बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय एथलीट्स का प्रदर्शन शानदार रहा था। भारत ने कुल 61 पदक जीते थे। पिछले साल खेल बजट में बढ़ोतरी का असर यह हुआ कि हांगझोऊ एशियाई खेलों में भारत ने 'अब की बार 100 (पदक) पार' के नारे को सच कर दिखाया और रिकॉर्ड पदक जीते।

खेल सुविधाओं में होगा सुधार

केंद्र सरकार द्वारा खेल और खिलाड़ियों पर किए जा रहे खर्च का अहम योगदान रहा है। ऐसे में इस साल भी खेल बजट में बढ़ोतरी की गई है। साल 2021 में टोक्यो ओलंपिक के बाद से खेल बजट पर हर एथलीट की नजर रही है। इस साल ओलंपिक जैसी कई बहुराष्ट्रीय प्रतियोगिताएं होनी हैं। इतना ही नहीं, सरकार की ओर से नई प्रतिभाओं को ढूंढने के लिए 'खेलो इंडिया यूथ गेम्स' और 'नेशनल गेम्स' का भी अहम योगदान रहा है। ऐसे में सरकार की तरफ से खेल बजट में की गई बढ़ोतरी से खेल सुविधाओं में सुधार करने में मदद मिलेगी।

पिछले नौ वर्षों के खेल बजट की तुलना

पिछले कुछ वर्षों के खेल बजट की तुलना की जाए तो कोरोना के दौरान इसमें भारी कटौती देखने को मिली थी। साल 2020-21 में खेल बजट 2826.92 करोड़ रुपए का था। 2021-22 में इसमें 606.73 करोड़ रुपए की कटौती की गई थी। यानी 2021-22 में खेल बजट 2250.19 करोड़ रुपए का था। 2022-23 में कुल खेल बजट 3062.60 का था, जिसे रिवाइज कर 2673.35 करोड़ रुपए का कर दिया गया था। पिछले साल यानी 2023-24 में यह 3397.32 करोड़ रुपए का हो गया था। यानी 723.97 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई थी।

खबर संक्षेप

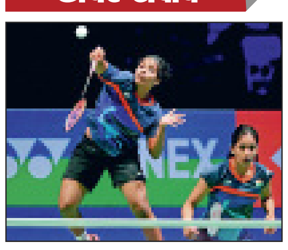

त्रीशा-गायत्री, मिथुन और अस्मिता जीते

बैंकॉक। त्रीशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की छठी वरीय भारतीय जोड़ी ने गुरुवार को यहां थाईलैंड मास्टर्स बैडमिंटन टर्नामेंट के महिल युगल क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। त्रीशा और गायत्री ने प्री क्वार्टर फाइनल में तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा की हमवतन भारतीय जोड़ी को सीधे गेम में 21-15, 24-22 से हराया। मिथुन मंजूनाथ ने किदाम्बी श्रीकांत को 54 मिनट में 21-9, 13-21, 21-17 से हराया। अस्मिता खलिहा भी चीनी ताइपे की यू पो पाइ को 21-12, 15-21, 21-17 से मैच जीतने में सफल रहीं।

कोहली की बल्लेबाजी से सीखने की कोशिश

विशाखापट्टनम। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में भारत के लिए पदार्पण की दहलीज पर खड़े मध्यक्रम के बल्लेबाज रजत पाटीदार ने कहा है कि वह विराट कोहली को देखकर अपनी बल्लेबाजी में सुधार का प्रयास कर रहे हैं। पाटीदार ने कहा, 'मैं नेट्स पर कोहली की बल्लेबाजी देखता रहता हूं , खासकर उनका फुटवर्क और मूवमेंट। मैं उनसे सीखकर इन चीजों को अपनी बल्लेबाजी में लाने की कोशिश करता हूं।'

नाम परिवर्तन सूचना

मैं कंसलाल पिता स्व. पुनीतराम निवासी बाजार कुरींडीह तहसील कुकरेल जिला धमतरी छ.ग. का निवासी हूं जो कि निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक प्रस्तुत करता हूं :-

01. यह कि मेरा नाम व पता उपरोक्तानुसार है।
02. यह कि पूर्व में मेरा नाम अंजस राम पहरिया पिता स्व. पुनीत राम पहरिया था।
03. यह कि अभी मेरा वर्तमान नाम कंसलाल पिता स्व. पुनीत राम है।
04. यह कि मेरा आधार कार्ड नं. 8692 2542 6306 में मेरा वर्तमान नाम कंसलाल दर्ज है एवं मेरा आयकर स्थाई लेखा संख्या HWIPP2070Q में भी मेरा नाम कंसलाल है।
05. यह कि मेरा बचत खाता क्रमांक 77069190104 छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक शाखा कुकरेल में भी वर्तमान नाम कंसलाल है।
06. यह कि अब सभी दस्तावेज में मेरा नाम कंसलाल पिता स्व. पुनीत राम हो गया है।
07. यह कि मेरे पूर्व नाम से अंजस राम पहरिया था जिसे सुधार कर कंसलाल पिता स्व. पुनीत राम करवाना चाहता हूं ।
08. यह कि मेरा जन्म तिथि 01.04.1977 है जो कि मेरा जन्म तिथि सही है।
09. यह कि शपथ पत्र सक्षम प्राधिकारी के समक्ष उक्ताशय की सही जानकारी के संबंध में प्रस्तुत है।

अतः यह शपथपत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ता
कंसलाल पिता स्व. पुनीत राम
निवासी बाजार कुरींडीह तहसील कुकरेल जिला धमतरी छ.ग.

क्रिकेट : मैच का प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स पर आज सुबह 9.30 बजे से

इंग्लैंड के बैजबॉल के खिलाफ भारत को करना होगा रणनीति में बदलाव

एजेंसी ▶▶| विशाखापट्टनम

पहला टेस्ट गंवाने के बाद भारत को शुक्रवार से शुरू हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट में इंग्लैंड की बेखौफ 'बैजबॉल' शैली का सामना करने के लिए बेहतर रणनीति के साथ उतरना होगा। अपनी धरती पर काफी मजबूत भारतीय टीम को हैदराबाद में पहले टेस्ट में पराजय झेलनी पड़ी। उसके बाद रविंद्र जडेजा और केएल राहुल के चोट के कारण बाहर होने से उसका काम और मुश्किल हो गया है। तीन साल पहले भी भारतीय टीम को इन्हीं हालात से दो चार होना पड़ा था जब चेन्नई में पहले टेस्ट में उसे इंग्लैंड ने हराया था लेकिन वापसी करके भारत ने श्रृंखला जीती थी।

स्वीप और रिवर्स स्वीप से मिली हार

जो रूट की कप्तानी वाली वह टीम हालांकि अलग थी और इस बार भारत को वापसी करने के लिए इंग्लैंड की ऐसी टीम को हराना होगा जिसने टेस्ट क्रिकेट खेलने के मानदंड ही बदल दिए हैं। हैदराबाद में पहली पारी में 190 रन से पिछड़ने के बाद उसने आक्रामक खेल की अपनी 'बैजबॉल' शैली से वापसी करके 28 रन से मैच जीता। ओली पोप ने स्वीप और रिवर्स स्वीप की ढाल बनाकर भारतीय फिरकी आक्रमण को बखूबी झेला जिससे रोहित शर्मा और उनकी टीम हैरान रह गई। पोप के आगे भारत का विख्यात स्पिन आक्रमण बौना साबित हो गया।

युवा ब्रिगेड पर दबाव
भारतीय बल्लेबाजों को भी पहले टेस्ट में नए स्पिनर टॉम हार्टली ने परेशान किया। दूसरी पारी में सिर्फ रोहित आत्मविश्वास से भरे दिखे जबकि शुभमन गिल समेत युवा ब्रिगेड ने निराश किया। गिल को रक्षात्मक खेल का खामियाजा उठाना पड़ा। तीसरे टेस्ट में विराट कोहली की वापसी होगा जिससे गिल और श्रेयस अय्यर पर अच्छे प्रदर्शन का काफी दबाव होगा। केएल राहुल की जगह रजत पाटीदार खेल सकते हैं। घरेलू क्रिकेट में काफी रन बनाने के बाद आखिरकार सरफराज खान को चयनकर्ताओं ने मौका दिया है और वह पदार्पण को बेताब होंगे।

गेंदबाजों को करना होगा बेहतर प्रदर्शन

दूसरे टेस्ट में भारत के पास जडेजा नहीं होंगे और 500 टेस्ट विकेट से चार विकेट दूर रविचंद्रन अश्विन को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। इसके साथ ही अक्षर पटेल को भी विकेट लेने तथा रनों पर रोक लगाने के नए तरीके तलाशने होंगे। जडेजा की गैर मौजूदगी में कुलदीप यादव खेल सकते हैं और यह देखना होगा कि भारत जसप्रीत बुमराह के रूप में एक तेज गेंदबाज के साथ उतरता है या वॉशिंगटन सुंदर के रूप में एक और स्पिनर को उतारता है। बाएं हाथ के स्पिनर सौरभ कुमार को भी टीम में जगह दी गई है।

इंग्लैंड के पास बढ़त का मौका

इंग्लैंड के पास 2-0 से बढ़त बनाने का सुनहरा मौका है। बेन स्टोक्स ने बेहतरीन कप्तानी का नमूना पेश करते हुए अपने संसाधनों का बखूबी इस्तेमाल किया। युवा स्पिनर हार्टली को पहली पारी में अतिरिक्त स्पैल देना उनका मास्टर स्ट्रोक रहा। इंग्लैंड के लिए चिंता का विषय अनुभवी स्पिनर जैक लीच का चोटिल होना है। युवा आफ स्पिनर शोएब बशीर को उनकी जगह उतारा जा सकता था लेकिन वह भी उपलब्ध नहीं हैं। मैकुलम ने कहा, 'पहले टेस्ट की तरह की पिच टर्न लेगी तो हम चौतरफा स्पिन आक्रमण उतार सकते हैं।'

80वीं महंत राजा सर्वेश्वर दास अखिल भारतीय हॉकी स्पर्धा

राउलकेला ने कड़े संघर्ष में आर्मी ग्रीन को हराया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

गत वर्ष की उपविजेता सेल हॉकी अकादमी राउरकेला ने नॉक आउट रांउड के अंतिम दिन रोमांचक व संघर्षपूर्ण मैच में दमदार टीम आर्मी इलेवन ग्रीन को 4-3 से हराकर 80वीं महंत राजा सर्वेश्वर दास स्मृति अखिल भारतीय हॉकी प्रतियोगिता के लीग रांउड में प्रवेश कर लिया। पहले मैच में इस्टर्न रेलवे कोलकता ने दिल्ली इलेवन को एकतरफा मैच में 4-1 से हराया। दिन के अंतिम मैच में सेंट्रल रेलवे मुंबई ने हॉकी तमिलनाडू को आसानी से 4-1 से पराजित किया।

प्रतियोगिता के दूसरे चरण के तहत चार पूल बनाकर लीग राउंड के मैच शुक्रवार से खेले जाएंगे। सभी पूल की अधिक अंक पाने वाली टीमों के मध्य स्पर्धा का सेमीफायनल मैच 6 फरवरी को खेला जाएगा। प्रतियोगिता के पूल 'ए' में पेट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड नई दिल्ली, एसई रेलवे कोलकता, एनसीओई लखनऊ, पूल-'बी' में आर्मी स्पोर्ट्स कांउसिल बोर्ड नई दिल्ली, इस्टर्न रेल्वे कोलकता और नवल टाटा जमशेदपुर पूल-'सी' में रेलवे कोच फैक्ट्री कपूरथला, एयर फोर्स नई दिल्ली, सेन्ट्रल रेल्वे मुम्बई, पूल-'डी' सेल अकादमी राउरकेला, कस्टम पूणे, एससीआर सिकंदराबाद की टीमें रहेंगी। स्पर्धा का सेमीफायनल मैच पूल ए व डी के बीच व सेमीफायनल मैच पूल बी व सी के बीच खेला जाएगा।

आज के मैच

टीमें	समय
कपूरथला/नई दिल्ली	12:45 बजे
आर्मी इलेवन/जमशेदपुर	2.15 बजे
पुणे/सिकंदराबाद	3:30 बजे

राजेश ने किया सम्मानित

गुरुवार को खेले मैच में राजेश जैन ने मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार पहले मैच में इस्टर्न रेलवे कोलकता के गोलकीपर अभिनव कुमार पाण्डे, दूसरे मैच में सेल हॉकी अकादमी राउरकेला के तरुण यादव और तीसरे मैच में युवराज वाल्मिकी सेंट्रल रेलवे मुंबई को दिया।

जुलाई में आईसीसी एजीएम की मेजबानी करेगा श्रीलंका

कोलंबो। निलंबन हटने के बाद श्रीलंका क्रिकेट जुलाई में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की वार्षिक आम बैठक की मेजबानी करेगा। श्रीलंका के खेल मंत्री हरिन फर्नांडो ने गुरुवार को यह जानकारी दी। एसएलसी को उसके संचालन में सरकारी हस्तक्षेप के बाद निलंबित कर दिया गया था। देश ने इसके साथ ही अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप की मेजबानी का मौका भी गंवा दिया था जिसका आयोजन अब श्रीलका में हो रहा है। पर्यटन मंत्री की भी भूमिका निभा रहे फर्नांडो ने बयान में कहा, 'श्रीलंका कोलंबो में 19 से 22 जुलाई तक आईसीसी एजीएम की मेजबानी करेगा। इससे क्रिकेट और पर्यटन के मामले में श्रीलंका को काफी बढ़ावा मिलेगा।' आईसीसी सदस्यों के दायित्वों को पूरा नहीं करने के कारण एसएलसी को नवंबर में निलंबित किया गया था।

सुपर सिक्स में आज नेपाल से होगा भारत का सामना

ब्लोमफोंटेन। शानदार फॉर्म में चल रही भारतीय टीम शुक्रवार को यहां आईसीसी अंडर 19 विश्व कप के ग्रुप वन के आखिरी सुपर सिक्स मैच में उतरेगी तो नेपाल को हराकर सेमीफाइनल में पूरे आत्मविश्वास के साथ उतरने का लक्ष्य होगा। सुपर सिक्स से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल खेलेंगी। पाकिस्तान (प्लस 1.06) और भारत (प्लस 3.32) दोनों के छह अंक हैं लेकिन नेट रनरेट बेहतर होने से भारत शीर्ष पर है। उदय सहारन की कप्तानी वाली भारतीय टीम अभी तक हारी नहीं है और नेपाल जैसी कमजोर टीम से किसी उलटफेर की उम्मीद भी नहीं है। भारत ने ग्रुप वन में सारे मैच जीते हैं जबकि नेपाल ने एक भी मैच नहीं जीता। मुंबई के बल्लेबाज सरफराज के छोटे भाई मुशीर खान ने 81 से ऊपर की औसत से दो शतक समेत 325 रन बनाए हैं। बाएं हाथ के स्पिनर स्वामी कुमार पांडे ने अभी तक 12 विकेट ले लिए हैं। इन दोनों के अलावा कप्तान सहारन, विकेटकीपर बल्लेबाज अरावल्ली अवनीश, आक्रामक हरफनमौला अर्शिन कुलकर्णी ने भी समय समय पर उम्दा प्रदर्शन किया है।

चेन्नई ओपन : भारत की अगुवाई करेंगे नागल

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

हाल में ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में वरीय खिलाड़ी को पराजित करने वाले पहले भारतीय बने सुमित नागल रविवार से शुरू होने वाले चेन्नई ओपन एटीपी चैलेंजर 100 टूर्नामेंट के पुरुष एकल में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे।

नागल ने पिछले महीने आस्ट्रेलियाई ओपन में कजाखस्तान के 31वें वरीय और विश्व रैंकिंग में 27वें स्थान पर काबिज एलेक्जेंडर बुलब्लिक को हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया था। अभी उनकी विश्व रैंकिंग 121 है। रामकुमार रामनाथन और मुकुंद शशिकुमार पुरुष एकल में अन्य भारतीय खिलाड़ी होंगे जिन्हें मुख्य ड्रा में

वाइल्डकार्ड दिया गया है। इटली के लुका नार्डी शीर्ष वरीय खिलाड़ी होंगे। टूर्नामेंट में 14 देशों के खिलाड़ी शिरकत कर रहे हैं लेकिन पिछले साल के विजेता आस्ट्रेलिया के मैक्स पुर्सेल इस दफा हिस्सा नहीं ले रहे हैं क्योंकि वह अन्य एटीपी प्रतियोगिता में खेल रहे हैं।

युगल वर्ग में भारत के अर्जुन काधे और जीवन नेदुनचेझियान शीर्ष वरीय हैं। देश में खेले जाने वाली चार चैलेंजर सीरीज में यह पहला टूर्नामेंट हैं जबकि अन्य बेंगलुरु, पुणे और दिल्ली में खेले जायेंगे। एकल मुख्य ड्रा में 32 खिलाड़ी और युगल में 16 जोड़ियां हार्डकोर्ट पर उतरेंगी जिसकी कुल पुरस्कार राशि 1,33,250 डॉलर होगी।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, राँची

अति अल्पकालीन ई–पुर्ननिविदा आमंत्रण सूचना
(PR 314982 (REO)23-24*D)

पत्रांकः– दिनांक–

अति अल्पकालीन ई–पुर्ननिविदा संख्याः–13/RE/2023-24/RWD /EE/RANCHI

क्रम सं0	आईडेन्टी फिकेशन संख्या/ पैकेज संख्या	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रुपये में) अंक में	प्राक्कलित राशि (रुपये में) अक्षर में	कार्य समाप्ति की तिथि/ अवधि	टेण्डर फीस नं0
2	RWD/RANCHI/ 18/ STPKG/02/ 2023-24	[illegible] पथ से गोपालपुर तक पथ का विशेष मरम्मति कार्य। (लं0–1.300 कि0मी0) [illegible] से [illegible] तक पथ का विशेष मरम्मति कार्य। (लं0–4.500 कि0मी0) [illegible] पथ से [illegible] पथ तक पथ का विशेष मरम्मति कार्य। (लं0–1.020 कि0मी0) [illegible] से [illegible] तक पथ का विशेष मरम्मति कार्य। (लं0–3.750 कि0मी0) बिरसा चौक से [illegible] तक पथ का विशेष मरम्मति कार्य। (लं0–6.690 कि0मी0) [illegible] मेन रोड से [illegible] मंदिर [illegible] प्राथमिक विद्यालय [illegible] तक पथ का विशेष मरम्मति कार्य। (लं0–0.900 कि0मी0) [illegible] से [illegible] तक पथ का विशेष मरम्मति कार्य। (लं0–3.200 कि0मी0) [illegible] पथ से [illegible] चौक तक पथ का विशेष मरम्मति कार्य। (लं0–4.590 कि0मी0)	11,20,14,800.00	ग्यारह करोड़ बीस लाख चौदह हजार आठ सौ रुपये मात्र।	15 माह	तृतीय

1. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि–03.02.2024
2. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समयः–12.02.2024 अपराह्न 5.00 बजे तक।
3. निविदा खोलने की तिथि एवं समयः–15.02.2024 अपराह्न 3.30 बजे।
4. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पताः– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, राँची।
5. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0– 0651–2360137

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
PR 317593 REO(23-24)D ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमण्डल, राँची

Chhattisgarh State Industrial Development Corp. Ltd.
(A Government of Chhattisgarh Undertaking)
1 Floor, Udyog Bhawan, Telibandha, RingRoad No.1,
Raipur 492006 (C.G.) TeleFax: 0771-4057624
Website: www.csidc.in, Email: csidc.cg a nic.in, cside_raipura yahoo.com

e-Tender Enquiry No. CSIDC/MKD/2023-24/96 **Raipur, Dated 01-02-2024**

CSIDC Ltd, Raipur invites online tenders under Chhattisgarh Govt. Store Purchase Rule-2002 (As Ammended) for the following items from the Manufacturer or Authorised distributor for the conclusion of the Rate Contract.

The tenderers are required to refer para 20 of form-5 tender documents under CSIDC form-5 where in the list of essential documents which are to be submitted along with Technical Bid Envelope-A is given & also read changes made in general terms & conditions as per amendment recently made.

Sr. No.	SPR Annex-1 Sr. No.	Item Description	Last date of online submission	EMD (Rs)	Remarks
(A)	(B)	(C)	(D)	(E)	(F)
1	12/28	Online UPS and Line Interactive UPS	19-03-2024	1,00,000/-	(1) The FMD in the form of demand draft favoring CSIDCL Main Office (Receipt a/c) payable at raipur must reach this office physically upto 5.00 PM on last date (as quoted in column "D") of online submission of tender. (2) The tender documents can be downloaded from the portal (website) https://eproc.cgstate.gov.in directly and shall be submitted online only.
2	44/96	Chalks	19-03-2024	1,00,000/-	
3	43/94	Tree Guard (RCC)	19-03-2024	1,00,000/-	
4	38/81	Tricycle (Apparatus for Physically Handicapped) (ISI Marked)	19-03-2024	1,00,000/-	
5	24/49	HDPE Polypropylene Bag (ISI Marked) (10 to 30 KG)	19-03-2024	1,00,000/-	
6	23/48	PVC Pipe and Fitting (ISI Marked)	19-03-2024	1,00,000/-	
7	25/50	Biodegradable & Compostable Films for Bags (General Purpose)	19-03-2024	1,00,000/-	

NOTE:-
1. The interested tenderers for online submission of tender may contact cgeprocurement site https://eproc.cgstate.gov.in Helpdesk. Operated by Service Provider Agency Mjunction Services Limited. They may reach by using Helpdesk 18004199140 (from 9 AM to 11 PM) (there in press 2 for CG e-Proc) or you can email them at Helpdesk.eproc@cgswan.gov.in
2. Tenderer may contact to CSIDC in working hours to clear their doubt if any before online Submission of the tender.
3. इच्छुक निर्माता एवं अधिकृत प्रदायकर्ता इकाईयॉ, सीएसआईडीसी वेन्डर रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया ऑनलाईन वेबसाइट www.csidcmkt.in पर अनिवार्यतः पूर्ण करें।

कार्यालय एवं दुकान हेतु स्थान उपलब्ध वेबसाईट www.csidc.in देखे ।

S-39523/2 **Executive Director**

Dr. Juneja's
डा.ऑर्थो
Ayurvedic Oil, Capsules, Spray & Ointment
Clinically Tested*
8 गुणकारी आयुर्वेदिक तेलों से बना डा. ऑर्थो तेल जोड़ों के दर्द को जड़ से कम करने में विशेष सहायता करता है। मात्र 8-10ml तेल दिन में सिर्फ एक या दो बार हल्के हाथों से पीड़ित अंग पर मालिश करें।
मिलते-जुलते नामों, विज्ञापन से सावधान

अब दर्द भी घुटने टेकेगा...

घुटने दर्द, कंधे दर्द, गर्दन दर्द, कमर दर्द एवं कलाई दर्द में सहायक आयुर्वेदिक औषधि
24x7 Helpline: 7876977777 • www.drorthooil.com

राजपूताना, कुमाऊं जैसी कई रेजीमेंट लगाती हैं राम, हनुमान और मां दुर्गा के जयकारे

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

भारतीय सेना को दुनिया की पांच सबसे शक्तिशाली सेनाओं में शुमार किया जाता है। भारतीय सेना में तमाम रेजीमेंट्स हैं जो इसको अजेय बनाती हैं। हर रेजीमेंट का अपना एक वॉर क्राई यानी युद्धघोष है। युद्धघोष का मतलब है युद्ध के दौरान सैनिक को प्रेरणा देने वाले वो जोशीले शब्द जो उसे दुश्मन पर भारी पड़ने के लिए प्रेरित करें। आप को यह जानकर आश्चर्य होगा कि कई रेजीमेंट सैनिकों में जोश भरने के लिए जय श्री राम, बजरंग बली की जय और दुर्गा माता की जय के नारे लगाती हैं। ये रेजीमेंट जय श्री राम का युद्धघोष अंग्रेजों के समय से ही लगा रही हैं। अंग्रेजों को इससे कोई ऐतराज नहीं था। अंग्रेजों को भी लगता था कि धार्मिक युद्धघोष सैनिकों में ज्यादा जोश भरते हैं और उन्हें एकजुट करते हैं। भारतीय सेना (थल सेना), वायु सेना और नौ सेना का वॉर क्राई एक ही है, 'भारत माता की जय.' लेकिन हर रेजीमेंट ने अपने-अपने वॉर क्राई अपनाए हुए हैं। आज हम आपको भारतीय सेना की कुछ रेजीमेंट्स के भगवान राम, बजरंग बली और मां दुर्गा के नाम पर लगने वाले युद्धघोष यानी वार क्राई से अवगत कराने जा रहे हैं। जिन्हें जानने के बाद आप को भी अपनी सेना पर गर्व होगा कि किस तरह वो युद्ध के मैदान में भी अपने ईष्ट देवों को नहीं भूलती है।

अंग्रेजों के समय से ही लगा रही हैं ये रेजीमेंट युद्धघोष

हर रेजीमेंट का है अपना एक वॉर क्राई यानी युद्धघोष

राजपूताना रायफल्स

राजपूताना रायफल्स सेना की सबसे पुरानी राइफल रेजीमेंट है। वर्ष 1921 में इसका गठन किया गया था। उस समय यह ब्रिटिश इंडियन आर्मी के तहत आती थी। आजादी के बाद से यह रेजीमेंट लगातार पाकिस्तान को छठी का दूध याद दिलाती रही है।

इसने अपना वॉर क्राई रखा है, 'राजा रामचंद्र की जय।' वीर भोग्या वसुंधरा है इस रेजीमेंट का मोटो यानी आदर्श वाक्य है।

डोगरा रेजीमेंट

डोगरा रेजीमेंट का गठन वर्ष 1922 में किया गया था। तब इसे 17 डोगरा रेजीमेंट नाम दिया गया था। डोगरा रेजीमेंट के निर्मल चंदर विज 1 जनवरी 2003 को सेना प्रमुख नियुक्त हुए थे और वह 2005 तक इस पद पर रहे थे. इस रेजीमेंट का युद्धघोष, 'ज्वाला माता की जय' है। इसका आदर्श वाक्य कर्तव्यम अनवत्मा है। यह संस्कृत में है। पंजाब रेजीमेंट ज्वाला माता की जय का भी नारा लगाते हैं।

बिहार रेजीमेंट

बिहार रेजीमेंट सेना की सबसे पुरानी इंफ्रेंट्री रेजीमेंट है। इसका गठन 1941 में किया गया था। इसका मुख्यालय बिहार के दानापुर में है। इसी रेजीमेंट ने जून 2020 में गलवान घाटी में चीनी सेना (पीपुल्स लिब्रेशन ऑर्मी) को करारी शिकस्त दी थी। बिहार रेजीमेंट का वॉर क्राई जय बजरंग बली है।

गढ़वाल राइफल्स

गढ़वाल राइफल्स की स्थापना बंगाल ऑर्मी के तहत वर्ष 1887 में हुई थी। यह बंगाल ऑर्मी की 39वीं रेजीमेंट थी। बाद में यह ब्रिटिश ऑर्मी का हिस्सा बनी. स्वतंत्रता के बाद यह भारतीय सेना की एक रेजीमेंट बन गई। इसका वॉर क्राई, 'बदरी विशाल की जय' है। इसका आदर्श वाक्य युद्धया कृत निश्चया है। यह संस्कृत में है।

अनोखी डिश के लिए 43 सालों से इंतजार

एजेंसी ▸▸| टोकियो

दुनिया में कई सारी ऐसी स्वादिष्ट डिश हैं जिनके लिए लोग रेस्टोरेंट में नंबर लगाते हैं या घंटों इंतजार भी करते हैं। कई जगह तो दो दिन या महीनों तक की वेटिंग होती है लेकिन क्या कोई किसी डिश को खाने के लिए 43 साल तक इंतजार कर सकता है। दरअसल, जापान के एक रेस्टोरेंट में खास डिश के साथ तो ऐसा ही कुछ है। जापान के सबसे पसंदीदा, असाहिया के फ्रोजन कोबे बीफ क्रोकेट के एक डिब्बे का आनंद लेने के लिए, अब आपको ठीक 43 साल इंतजार करना होगा। कमाल की बात है कि दुनिया भर में कुछ फूड लवर्स पूरे पेशेंस के साथ अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। इन खास स्नैक्स की कीमत 300 येन प्रति पीस,

लगभग $2.05 (170 रुपये) तय की गई है। हालांकि, वेटिंग टाइम ग्राहकों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। अब आप सोच रहे होंगी कि इस डिश में ऐसा क्या खास है? तो जान लीजिए- जापान में बीफ क्रोकेट खाद्य बाजार में कई प्रतिष्ठित वस्तुओं में से एक है जिसका लोग न केवल घंटों बल्कि दशकों तक इंतजार करते हैं और ये स्थिति वहां के लिए आम है। सीएनएन ने बताया कि जापान के ताकासागो में की दुकान असाहिया में फ्रोजेन क्रोकेट के लिए चार दशक लंबी वेटिंग लिस्ट में 63,000 लोग इस डिश के लिए इंतजार कर रहे हैं। ये डिश गहरे तले हुए आलू और बीफ डंपलिंग के रूप में मशहूर हैं।

कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
बनी रहे मुस्कान

कटे होंठ व तालु का नि:शुल्क ईलाज स्माइल ट्रेन के सौजन्य से
पचपेढ़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay Advt.

ओम हॉस्पिटल
डॉ. शारदा परिहार
एम एस (स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ)
उपलब्ध सुविधाएं
- हाई रिस्क प्रेगनेंसी (गर्भावस्था संबंधित जटिलताओं का संभव सफलतापूर्वक इलाज)
- नार्मल एवं सिजेरियन डिलीवरी की सुविधा
- बांझपन का इलाज
- मासिक धर्म में दर्द, अनिमियता, मासिक धर्म का रुक जाने का इलाज एवं सलाह
- गर्भाशय के रोग जैसे बच्चेदानी में गाँठ, सूजन
- संक्रमण, श्वेद प्रदर (सफेद पानी जाना), गर्भाशय का अपने स्थान से हट जाने का इलाज
- बच्चेदानी एवं अंडेदानी का कैंसर का इलाज
- बच्चेदानी एवं अंडेदानी संबंधित सभी बीमारीयों का दूरबीन द्वारा इलाज
आयुष्मान भारत, BSKY, ESIC, CSEB, TPA एवं INSURANCE से फ्री में ईलाज
एच.पी.पेट्रोल पंप के पास, महादेवघाट रोड, रायपुरा चौक, रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-2243118,119,120 मो. 8370008551
ओम हॉस्पिटल, खरोरा रोड, तिल्दा (छ.ग.)
मो. 70003 74946, 91113 67471
स्व.राजा वीरेंद्र सिंह शासकीय महाविद्यालय के पास, एनएच रोड,सरायपाली (छ.ग.)
फोन: 0775-299360 मो. 8370008558
#Rajesh

(NABH से मान्यता प्राप्त)
सुयश हॉस्पिटल
ट्रॉमा केयर यूनिट
- पॉली ट्रॉमा
- मिनिमली इन्वेसिव ट्रॉमा सर्जरी
- कूल्हे एवं कमर के फ्रेक्चर
- पुराने ना जुड़े/टेढ़े-मेढ़े जुड़े फ्रेक्चर
- हड्डियों से मवाद रिसना
- ICU एवं क्रिटिकल केयर टीम की सेवा सहित
24 Hours Helpline
9926386660
कोटा-गुढ़ियारी रोड, होटल पिकाडली के पीछे, रायपुर
Ajay 9827144371

HONDA
नए रिश्तों की
Shine 100

₹ 65100/- एक्स-शोरूम कीमत (छत्तीसगढ़)
₹ 1100/-^ शगुन ऑफर
^ऑफर सिर्फ Shine 100 पर सीमित अवधि तक
BOOK ONLINE NOW!
*नियम व शर्तें लागू। तस्वीर में दिखाया गया उत्पाद बाज़ार में उपलब्ध वास्तविक उत्पाद से भिन्न हो सकता है। उत्पाद में दिखाई गई एक्सेसरीज़ सामान्य उपकरण का हिस्सा नहीं हैं।
डाउन पेमेंट 5999* | न्यूनतम ब्याज दर @ 9.99%* | 100 पे 100* | बिना हाइपोथिकेशन* | 10% कैशबैक ₹5000* तक
7230032200
1. इयरफ़ोन कनेक्ट करें
2. QR Code स्कैन करें
3. वीडियो का आनंद लें
CLICK BOOK RELAX
Honda Motorcycle & Scooter India Pvt. Ltd., Registered Office: Plot No. 1, Sector - 03, IMT Manesar, Distt. Gurugram, (Haryana) – 122050, India; Website: www.honda2wheelersindia.com; Customer Care: customercare@honda2wheelersindia.com

Honda Exclusive Authorized Dealerships: AARANG: V Shree Honda - 9993908971, 9893728947; ABHANPUR: Patel Honda - 9009328660; BAGBHARA: Sri Sai Honda - 7697767777; BALODA BAZAR: Kiran Honda - 7049518181, 8839950369; BASNA: Laxmi Honda - 9174137571; BEERGAON: Vishwanath Honda - 9300133077; PALARI: Shri Ram Honda - 8305759763; BEMETARA: Sri Rama Honda - 8827050000, 7824222521, 8827120000; BHAKARA: Nitesh Honda - 9907975628; BHATAPARA: Kiran Honda - 9111353292; BHILAI: Anaal Honda - 9589090022/26/29, 9589090024/27; Aan Honda (Nehrunagar) - 9826635600, 0788-4013336; BIJAPUR: Ansh Honda - 9424299203; CHARODA: Rahul Honda - 9827193194; CHARAMA: Neeraj Honda - 9425230052; CHUIKHADAN: Shri Radhey Honda - 9691692500; DALLIRAJHARA: Shri Subh Honda - 7748285747, 9406082344; Shri Subh Honda(Balod)- 9425564232, 9584077772; DHAMTARI: ShriShyam Honda - 07722-233255, 9827900750; DHARSIVA: R S.Honda - 9669880000; DONDEKHURD: Yash Honda - 9826146586; DONGARGARH: Gagan Honda - 9806869214; DURG: Shree Sairam Honda - 0788-4017246, 0788-4017740, 9827349450; Dharamsheela Honda (Dhamdha) - 9303035678; FINGESHWAR: Bangani Honda- 9425402966; GIDHORI: Subhkamana Auto -7389320271; GUNDERDEHI: Sapan Honda - 7354340000, 0788-2628333; GURUR: Baba Honda - 9827936712; JAGDALPUR: Waheguru Honda - 7587006395, 9425590501, 8435090001; KONDAGAON: Danteshwari Honda - 9294566660; SUKMA: Akash Honda - 9424287457, 7587341845; PHARASGAON: Shri Deo Honda - 9993861735; KANKER: Shivnath Honda - 8720008800, 9644059600; KASDOL: Laxmi Honda - 8871233553; KESHKAL: Chattishgarh Honda - 9993293467; KHAIRAGARH: Akshat Honda - 9406534734; KURUD: Shri Shyam Honda - 07705223590, 8817898279; MAGALOAD: Dewangan Honda - 9098136447; MAHASAMUND: Sri Aryan Honda - 8120070000, 08964022000; MANDIR HASAUD: Gurukripa Honda - 9827892427: NAGRI: Nahta Honda- 9424211105; NAWAGARH: Raja Honda - 9826067896; PAKHANJUR: Disha Honda - 6261666932, 9406453860, PANDUKA (GARIABAND): Shresth Honda - 8109902966; RAIPUR: A City Honda - 8871906000; G.K Honda - 8058254444, 9826142444; Grand Honda - 8889663336; Varun Honda - 9977248100; A City Honda (Bhatagaon) - 9644132000; A City Honda (Kalibadi) - 7828282600; Varun Honda (Fafadih) - 9617078000; GK Honda (Motibagh) - 8120730003; Hemant Honda (Nawapara, Rajim) - 9165460474; RAJIM: Gulab Honda - 8839708788; RAJNANDGAON: Anshdeep Honda - 07744-223100, 9425559359, 9303730201; Manraj Honda - 07744-223333, 8435999991, 8435999992; Rakesh Honda (Dongarhgaon) - 9893419781, 8815055550; Ashirwad Honda (Churiya) - 9826338415, 9424215777; Shyam Honda (Saragaon) - 8461930088; SEJBAHAR: R.S Honda - 9754123000; KHARORA: B.K Honda - 9867224777; TILDA: Agrawal Honda - 9424200104; UTAI: Ganpati Honda - 09926083389; AMBAGARH CHOWKI: Nihal Honda - 8719911000, 9165143484; SARAIPALI: Pukraj Honda - 8889798000.
For Bulk/Institutional enquiries, please write us at: institutionalsales@honda2wheelersindia.com

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com